THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 100 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.10 2080 बुधवार, 28 जून 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 : 8 रुपये**

पीएम मोदी ने 5 वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

भोपाल, 27 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। उन्होंने भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के एकसाथ 5 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बता दें कि रेलवे इतिहास में यह पहला मौका है जब एक ही दिन में पांच सेमी हाई स्पीड ट्रेनों हो हरी झंडी दिखाई गई है।

नई ट्रेनों के चलने के बाद देश में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या 23 हो गई है। गोवा, बिहार और झारखंड को पहली बार वंदे भारत ट्रेन मिली है। वहीं कर्नाटक को दूसरी वंदे भारत ट्रेन का तोहफा मिल रहा है। पीएम मोदी का आज एक रोड शो भी होना था लेकिन इसे बारिश के चलते रद्द कर दिया गया।

बेंगलुरू-हुबली-धारवाड़ वंदे भारत

कर्नाटक को वंदे भारत एक्सप्रेस की

दूसरी सौगात मिली है। इससे पहले चेन्नई-मैसूर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरूआत की गई थी। नई वंदे भारत एक्सप्रेस धारवाड़, हुब्बली और दावणगेरे को बेंगलुरू से जोड़ेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से हुबली और धारवाड़ के बीच की दूरी 7 घंटे से घटकर 5 घंटे रह जाएगी।

बिहार को पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिली है। यह पहला मौका है जब बिहार और झारखंड में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन का स्टापेज गया, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ और बोकारो स्टील सिटी में रहेगा। यह ट्रेन करीब 410 किमी की दूरी तय करेगी पटना से रांची के बीच दूरी ये ट्रेन सिर्फ 6 घंटे में पूरी कर लेगी। यह ट्रेन पटना और रांची से मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी।

मडगांव-मुंबई वंदे भारत :

गोवा को भी पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिली है। मडगांव-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और गोवा के मडगाव स्टेशन के बीच किया जाएगी। इस ट्रेन में 16 के बजाए सिर्फ 8 कोच लगाए गए हैं। इस ट्रेन के शुरू होने से दोनों शहरों के बीच की दूरी 7 घंटे में तय की जा सकेगी।

भोपाल से जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

भोपाल से जबलपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की गई है। यह ट्रेन कई भेड़ाघाट, पंचमढ़ी और सतपुड़ा जैसे कई टूरिस्ट प्लेस से होकर गुजरेगी। इससे पर्यटकों को काफी फायदा होगा।

भोपाल से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस

पीएम मोदी ने भोपाल से खजुराहो के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है। यह ट्रेन इंदौर, मालवा और बुंदेलखंड के इलाकों को भी भोपाल से जुड़ेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से भी पर्यटकों को काफी फायदा होगा। ट्रेन महाकालेश्वर, मांडू, महेश्वर, खजुराहो जैसे पर्यटन स्थलों से होकर गुजरेगी।

आदिपुरुष पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी

हिंदुओं की सहनशीलता की परीक्षा क्यों ले रहे हैं, शुक्र है उन्होंने कानून नहीं तोड़ा

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को फिल्म आदिपुरुष के आपत्तिजनक डायलॉग के मामले में लगाई गई याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट की लखनऊ बेंच ने कहा कि हिंदुओं की सहनशीलता की परीक्षा क्यों ली जाती है? शुक्र है उन्होंने (हिंदुओं ने) कानून नहीं तोड़ा।

कोर्ट ने भगवान राम और भगवान हनुमान सहित धार्मिक पात्रों को आपत्तिजनक तरीके से पेश करने के लिए फिल्म आदिपुरुष के निर्माताओं की आलोचना भी की। कोर्ट ने फिल्म के सह-लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला को मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्हें नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है।

जिन्होंने सिर्फ हॉल बंद करवाया, वो कुछ और भी कर सकते थे :

हाईकोर्ट ने आगे कहा, जो सज्जन हैं उन्हें दबा देना सही है क्या? यह तो अच्छा है कि यह एक ऐसे धर्म के बारे में है, जिसके मानने वालों ने कोई पब्लिक ऑर्डर प्रॉब्लम क्रिएट नहीं की।

हमें उनका आभारी होना चाहिए। हमने न्यूज में देखा कि कुछ लोग सिनेमा हॉल (जहां फिल्म प्रदर्शित हो रही थी) गए थे और उन्होंने वहां जाकर लोगों को सिर्फ हॉल बंद करने के लिए मजबूर किया, वे कुछ और भी कर सकते थे।

>14

तीन तलाक का इस्लाम से संबंध नहीं : मोदी

एक घर दो कानून से नहीं चल सकता, यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भ्रम दूर करेगी भाजपा

भोपाल, 27 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भोपाल में कहा, तीन तलाक से इस्लाम का कोई संबंध नहीं है। इसकी वकालत करने वाले वोट बैंक के भूखे हैं। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भड़का रहे हैं। एक घर दो कानूनों से नहीं चल सकता। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भाजपा भ्रम दूर करेगी। बिहार में विपक्षी दलों की बैठक पर कहा, इन सभी दलों के घोटालों को मिला दिया जाए, तो 20 लाख करोड़ के घोटाले की गारंटी है।

प्रधानमंत्री भोपाल में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में इसी साल होने वाले विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने आए थे। उन्होंने मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में मेरा बूथ, सबसे मजबूत अभियान के तहत 543 लोकसभाओं के 10 लाख और मध्यप्रदेश के 64,100 बूथ के कार्यकर्ताओं को डिजिटली संबोधित किया। यहां सभी राज्यों के विधानसभा क्षेत्रों से 3 हजार कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

पीएम ने भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से देश में 5 नई वंदे भारत ट्रेन की भी शुरूआत की। प्रधानमंत्री ने 1 घटा 52 मिनट भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इसकी खास बात यह रही कि पहली बार उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूछे गए सवालों का विस्तार से जवाब देते हुए अपनी बात कही।

जो भी तीन तलाक के पक्ष में बात करते हैं, वकालत करते हैं, ये वोट बैंक के भूखे लोग मुस्लिम बेटियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहे हैं। तीन तलाक से नुकसान का दायरा बड़ा है। बहुत अरमानों से पिता अपनी बेटी को ससुराल भेजता है। 8-10 साल बाद बेटी वापस आती है, तो उसका भाई, पिता सब उसकी चिंता में दुखी हो जाते हैं।

तीन तलाक का इस्लाम से संबंध होता तो दुनिया के मुस्लिम बाहुल्य देश इसे खत्म नहीं करते। मिस्र में 90 प्रतिशत से ज्यादा सुन्नी मुस्लिम हैं। 80-90 साल पहले वहां तीन तलाक की प्रथा समाप्त हो चुकी है। अगर तीन तलाक इस्लाम का जरूरी अंग है, तो पाकिस्तान, इंडोनेशिया, कतर, जॉर्डन, सीरिया, बांग्लादेश में क्यों नहीं है। मुस्लिम बेटियों पर तीन तलाक का फंदा लटकाकर कुछ लोग उन पर हमेशा अत्याचार करने की खुली छूट चाहते हैं। इसीलिए मेरी मुस्लिम बहनें, बेटियां भाजपा और मोदी के साथ हैं।

>14

उत्तर-पश्चिमी राज्यों में 12 गुना तक ज्यादा बारिश

दो दिनों में 8 राज्यों के 33 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। कुछ दिनों की सुस्ती के बाद मानसून लगभग पूरे उत्तर और उत्तर पश्चिम भारत में पहुंच गया है। उत्तर-पश्चिमी राज्यों में 24 घंटे में सामान्य से 2 से 12 गुना तक अधिक बारिश हुई है। सोमवार को मानसून पंजाब और गुजरात में और आगे बढ़ा। देश के पूर्वी, मध्य, उत्तर-पश्चिम व पश्चिमी राज्यों में पांच दिन मानसून सक्रिय रहेगा। अगले 24 घंटे में 24 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है।

दो दिन में बारिश और भूस्खलन जैसी घटनाओं से आठ राज्यों में 33 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 9 हिमाचल प्रदेश में,

6 मुंबई में, 6 राजस्थान में, 2-2 हरियाणा और पंजाब में हुई।

मंगलवार को उत्तराखंड के अल्मोड़ा में उफनती नदी में 16 और 17 साल के भाई-बहन बह गए। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हुई। दिल्ली में करंट लगने से 1 महिला की जान गई है। हिमाचल के मंडी जिले में 48 घंटे में भूस्खलन की दो घटनाएं हुईं। इसके चलते चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे-21 दो जगहों पर घंटों बंद रहा। इस रूट पर लगा जाम 20 घंटे बाद खुला। अब भी यहां 150 रोड बंद हैं। मौसम विभाग ने राज्य में अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग में ममता बनर्जी घायल

कंधे, कमर और पैर में चोट, चलने में तकलीफ डॉक्टर बोले- एमआरआई रिपोर्ट का इंतजार

कोलकाता, 27 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी मंगलवार दोपहर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान घायल हो गईं। उन्हें बाएं कंधे, कमर और पैर में चोट आई है। इलाज के लिए उन्हें कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया, जहां कई एक्सपर्ट डॉक्टर्स ने उनकी जांच की।

एक डॉक्टर ने एजेंसी को बताया कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही। हम एमआरआई रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट देखने के बाद ही तय किया जाएगा कि सीएम को भर्ती करने की जरूरत है या नहीं।

खराब मौसम और लो विजिबिलिटी के कारण ममता के हेलिकॉप्टर की सिलीगुड़ी के पास सेवोक एयरबेस पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हेलिकॉप्टर से उतरने के दौरान उनकी कमर और पैर में चोट लग गई। वे जलपाईगुड़ी के क्रिन्टी में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद बागडोगरा जा रही थीं।

हेलिकॉप्टर खराब मौसम के कारण लड़खड़ाने लगा :

डीजीसीए ने हादसे पर कहा कि सीएम ममता हेलिगो चार्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के ईसी-145 हेलिकॉप्टर पर सवार थीं। बागडोगरा में भारी बारिश और बादलों के काफी नीचे होने के कारण हेलिकॉप्टर को सेवोक डायवर्ट करना पड़ा।

हेलिकॉप्टर लड़खड़ाने लगा था। इस कारण पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला किया। सेवोक में सेना का हेलिकॉप्टर बेस है। वहां हेलिकॉप्टर की लैंडिंग हुई। यह प्रिकॉशनरी लैंडिंग थी। इस घटना के बाद ममता सड़क से बागडोगरा हवाई अड्डे तक पहुंचीं और वहां से प्लेन से कोलकाता पहुंचीं।

ममता पंचायत चुनाव प्रचार के लिए राज्य के उत्तरी हिस्से में दो दिन का दौरा पूरा कर लौट रही थीं। राज्य में पंचायत चुनाव के लिए मतदान 8 जुलाई को होगा।

राज्यपाल ने फोन कर पूछा हालचाल

हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने फोन कर ममता बनर्जी के हालचाल जाने।

बृजभूषण सिंह : 1 जुलाई से चार्जशीट पर होगी बहस

कोर्ट बोला- लंबा है आरोपपत्र, इस पर कुछ दिन विचार करने दिया जाए

पानीपत, 27 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर 6 बालिग पहलवानों के यौन शोषण केस की मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले में अगली तारीख 1 जुलाई मुकर्रर की है। अब 1 जुलाई को बहस होगी। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि अब इस मामले में 1 जुलाई से आरोपपत्र पर बहस होगी, जिसके बाद कोर्ट आरोपपत्र पर संज्ञान लेगा।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने कहा कि यह एक लंबा आरोपपत्र है और उन्होंने मामले में सुनवाई स्थगित कर दी। उन्होंने कहा कि नया आरोप पत्र दायर किया गया है। इस पर गौर करने दिया जाए। चूंकि यह एक लंबा आरोपपत्र है, इसलिए इस पर कुछ दिन विचार करने दिया जाए।

पहलवानों ने इस मामले की जांच के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कोर्ट की निगरानी में मामले की जांच कराने की मांग थी। अब महिला

पहलवानों की इस याचिका को वापस लेने की मांग की है। इस अदालत ने कहा कि मामले में आरोपपत्र दाखिल हो चुका है। ऐसे में जांच की निगरानी की मांग वाली याचिका का अब कोई औचित्य नहीं। कोर्ट ने पहलवनों के वकील से यह भी कहा, अगर आपको लगता हैं कि जांच की निगरानी की जरूरत है तो नई याचिका दाखिल कर सकते हैं।

बता दें कि दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल 1500 पन्नों की चार्जशीट सुनवाई की गई है। दिल्ली पुलिस ने कुछ दिन पहले राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। आरोपियों में बृजभूषण के अलावा डब्ल्यूएफआई के असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम भी है। चार्जशीट में पहलवानों के मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान को अहम आधार माना गया है।

बृजभूषण के खिलाफ करीब 7 गवाह मिले हैं। वहीं यौन शोषण की कथित जगह पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। चार्जशीट की पहली सुनवाई पर कोर्ट ने इसे एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर किया था। इसके अलावा, सोमवार को कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को चार्जशीट की एक कॉपी शिकायतकर्ता पहलवानों को देने के आदेश दिए हैं।

दस राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को होंगे मतदान

बंगाल-गुजरात और गोवा की ये सीटें शामिल

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने राज्यसभा की दस सीटों के लिए मतदान का एलान किया है। इनके लिए मतदान 24 जुलाई को होगा। इसमें गोवा की एक, पश्चिम बंगाल की छह और गुजरात की तीन सीटें शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में डोला सेन, डेरेक ओ'ब्रायन, प्रदीप भट्टाचार्य, सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर रे और शांता छेत्री का कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा, गुजरात में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, दिनेश जेमलभाई अनावडिया और लोखंडवाला जुगल सिंह माथुरजी का कार्यकाल भी इसी तारीख को खत्म हो रहा है। गोवा में विनय तेंदुलकर का कार्यकाल 28 जुलाई को खत्म होने जा रहा है।

चुनाव के लिए अधिसूचना छह जुलाई को जारी की जाएगी। नामांकन की अंतिम तारीख 13 जुलाई होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 17 जुलाई होगी। मतदान और मतगणना 24 को होगी।

मणिपुर को दहलाने की साजिश नाकाम

असम राइफल्स ने बरामद किए हथियार और विस्फोटक

इंफाल, 27 जून (एजेंसियां)। असम राइफल्स और कोहिमा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है और मणिपुर में की जा रही हथियारों की सप्लाई की साजिश को नाकाम कर दिया है। असम राइफल्स ने नगालैंड पुलिस के साथ मिलकर यह ऑपरेशन चलाया। बता दें कि मणिपुर में एक महीने से भी ज्यादा समय से हिंसा चल रही है और वहां हिंसा की घटनाओं में अभी तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

खूफिया सूचना के आधार पर की कार्रवाई

रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि सुरक्षा बलों को खूफिया सूचना प्राप्त हुई थी। जिसमें बताया गया था कि कुछ संदिग्ध हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर में हथियारों की तस्करी करने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना के आधार पर असम राइफल्स और कोहिमा की पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के तहत 26 जून की रात करीब दो बजे पुलिस को एक वाहन में कुछ संदिग्ध दिखाई दिए। इनका पीछा करने पर सुबह करीब छह बजे संदिग्धों को पकड़ लिया गया। सुरक्षा बलों ने संदिग्धों के पास से दो पिस्टल, चार मैगजीन, विस्फोटक और अन्य सामान

केजरीवाल के बंगले की सीएजी ऑडिट होगी

रेनोवेशन पर 53 करोड़ रुपये खर्च का आरोप, एलजी ने गृह मंत्रालय से की थी सिफारिश

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक बंगले के रीकंस्ट्रक्शन विवाद के बीच अब सरकारी ऑडिटर सीएजी इसकी जांच शुरू करेगा। राज निवास के अधिकारियों ने कहा कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के रीकंस्ट्रक्शन के दौरान हुई अनियमितताओं और उल्लंघनों की विशेष जांच करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के 24 मई के पत्र पर एक्शन लेते हुए विशेष सीएजी ऑडिट की सिफारिश की है। 24 मई को गृह मंत्रालय को लिखे अपने लेटर में, सक्सेना ने कहा था कि अनियमितताओं को मीडिया ने उजागर किया था, जिसके बाद दिल्ली के मुख्य सचिव ने 27 अप्रैल और फिर 12 मई को एक रिपोर्ट सौंपी थीं।

इन रिपोर्ट्स के मुताबिक केजरीवाल के घर पर 33.49 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, वहीं उनके ऑफिस पर 19.22 करोड़ रुपये खर्च किए गए और उनके पुराने बंगले को गिराकर नया बगला बनाया गया था।

एलजी की चिट्ठी की बड़ी बातें :

रीकंस्ट्रक्शन के नाम पर पीडब्ल्यूडी द्वारा एक नई इमारत का पूर्ण निर्माण/पुनर्निर्माण किया गया था। काम शुरू करने से पहले लोक निर्माण विभाग ने संपत्ति के स्वामित्व का पता नहीं लगाया गया था।

>14

बीएसएफ को निष्पक्षता से काम करना चाहिए, कल मोदी शासन समाप्त हो सकता है : ममता बनर्जी

कोलकाता, 27 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से निष्पक्षता से काम करने का आह्वान किया, क्योंकि आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा केंद्र सरकार का शासन समाप्त हो सकता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनावों के लिए जलपाईगुड़ी में एक अभियान रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैं यह नहीं कह रही कि बीएसएफ में हर कोई बुरा है।

लेकिन मैं आपसे स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करने का अनुरोध करती हूं। आज मोदी हैं। हो सकता है कि वह कल वहां न हो। लेकिन आप देश की रक्षा के

लिए वहां मौजूद रहेंगे। इसलिए लोगों पर अत्याचार करना अनुचित है। बल्कि आप लोगों के साथ मिलकर काम करें। सीएम ममता ने आगे कहा कि राज्य में भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती जिलों में बीएसएफ की गोलीबारी में मारे गए लोगों को राज्य सरकार द्वारा मुआवजा दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि हम पीड़ितों के परिवार के एक सदस्य को 2,00,000 रुपये के एकमुश्त मुआवजे के अलावा 'होम-गार्ड' की नौकरी की ऑफर करेंगे। पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री बीएसएफ के खिलाफ हमलावर मूड में हैं।

भारत ने पाक राजनयिक को किया तलब

जताया ऐतराज, सिख दुकानदार पर चली थी गोलियां

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सिख समुदाय पर हाल के हमलों के बाद भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। पाकिस्तान के पेशावर में शनिवार 24 जून को बंदूकधारियों ने मनमोहन सिंह (35) नाम के एक सिख व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना की जिम्मेदारी कट्टरवादी सोच रखने वाली इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) ने ली है। पिछले 48 घंटों में पेशावर में किसी सिख व्यक्ति पर हमले की यह दूसरी घटना है। भारत ने इन घटनाओं पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

सूत्रों के मुताबिक, भारत ने कहा है कि पाकिस्तानी अधिकारी सिख समुदाय पर हुए इन हिंसक हमलों की ईमानदारी से जांच करें और जांच रिपोर्ट शेयर करें। सूत्रों ने ये भी बताया है कि पाकिस्तान को अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, जो लगातार धार्मिक उत्पीड़न के डर में रहते हैं।

क्या है मामला :

मनमोहन सिंह पेशावर के उपनगरीय इलाके रशीद गढ़ी से शहर क्षेत्र की ओर जा रहे थे कि तभी गुलदारा चौक काकशाल के पास कुछ हथियारबंद लोगों ने उन पर हमला कर दिया था। पाकिस्तान में सिखों के खिलाफ अप्रैल और जून 2023 के बीच चार घटनाएं हुई हैं। भारत ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है।

पेशावर पुलिस ने क्या कहा :

मनमोहन सिंह की हत्या के मामले में पेशावर पुलिस ने बताया है कि कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। मनमोहन सिंह पेशे से 'हकीम' (यूनानी दवा व्यवसायी) थे। पुलिस ने बताया कि हत्या में शामिल मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के करीब पहुंच चुके हैं।

इससे पहले शुक्रवार को पेशावर के राशिद गढ़ी इलाके में इसी पैटर्न के साथ सिख दुकानदार तरलोक सिंह पर गोलियां चलाई गई थी। इसी तरह मोटरसाइकिल पर हमलावर आए और दुकान में बैठे तरलोक सिंह पर गोलियां चला दी। तरलोक सिंह की टांग पर गोली लगी थी। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती हैं।

सफाई कर्मचारी को कार से कुचला, ठेकेदार और ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। मैनहोल की सफाई कर रहे एक नगर निगम कर्मचारी की कार से कुचलकर मौत हो गई। यह घटना हाल ही में कांदिवली इलाके में घटी। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। कर्मचारी 10 दिनों से अधिक समय तक अस्पताल में अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष करता रहा लेकिन चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया।मैला ढोने के लिए किसी व्यक्ति को नियोजित करना एक दंडनीय अपराध है, लेकिन देश भर से अभी भी कई मामले सामने आते हैं.इलाके में लगे सीसीटीवी द्वारा रिकॉर्ड की गई क्लिप में, दो कर्मचारी मैनहोल को मैन्युअल रूप से साफ करते हुए दिखाई दे रहे हैं।उनमें से एक सीवर के अंदर है, जबकि दूसरा कर्मचारी अपशिष्ट पदार्थ उठाकर फेंकता हुआ दिखाई दे रहा है.

दिल्ली एचसी की महिला जज ने रिटायरमेंट के आखिरी दिन सुनाए 65 फैसले

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट की महिला जज मुक्ता गुप्ता अपने रिटायरमेंट के कारण चर्चा में आ गईं। दरअसल उन्होंने अपने रिटायरमेंट से एक दिन पहले मृत्युदंड समेत कई आपराधिक मामलों में 65 फैसले सुना दिए। न्यायमूर्ति गुप्ता ने कुछ महीने पहले इस केसों की सुनवाई शुरू की थी। इनमें से कई मामले 2018-19 से हाई कोर्ट में लंबित थे। इस मामलों की सुनवाई पूरी होने के बाद अप्रैल और मई फैसले सुरक्षित रख लिए गए थे। न्यायमूर्ति गुप्ता ने न्यायमूर्ति पूनम बाम्बा की खंडपीठ में 55 फैसले और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की खंडपीठ में 10 फैसले सुनाए हैं। इनमें से 42 फैसले मंगलवार सुबह तक दिल्ली एचसी की वेबसाइट पर भी प्रकाशित हो चुके हैं.

संसद हमले जैसे मामलों पर काम किया

दिल्ली हाई कोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत होने से पहले मुक्ता गुप्ता ने दिल्ली में लोक अभियोजक थीं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बड़ी संख्या में आपराधिक केसों पर काम किया है।अभियोजक के रूप में जस्टिस गुप्ता ने जेसिका लाल, नैना साहनी और नीतीश कटारा हत्या मामलों समेत कई प्रसिद्ध आपराधिक मामलों पर मुकदमा चलाया।वह 2001 में भारतीय संसद पर 2000 में हुए हमले, दिल्ली में लाल किले पर हुए आतंकवादी हमले से संबंधित आपराधिक मामलों को संभालने वाली अभियोजक भी थीं। गुप्ता ने कई अहम मामलों में केंद्रीय जांच ब्यूरो का भी प्रतिनिधित्व किया, जिसमें प्रियदर्शनी मट्टू और मधुमिता शर्मा की हत्या और भारतीय नौसेना युद्ध कक्ष से खुफिया जानकारी लीक होने का मामला भी शामिल है.

इन मामलों पर सुनाया फैसला

जज ने जिन मामलों में फैसला सुनाया है, उनमें एक 12 साल के बच्चे की अपहरण के बाद हत्या का मामला भी शामिल है। पीठ ने 2021 में इस मामले में मौत की सजा पाए दोषी की सजा को कम कर दिया है। दरअसल अपहरण और फिरौती की मांग पूर्व नियोजित थी। इस मामले में बच्चे की हत्या को लेकिन यह अपराध रेयर और रेयरेस्ट की श्रेणी में नहीं आ सकता क्योंकि यह पूर्व नियोजित नहीं था। अब जस्टिस गुप्ता की पीठ ने दोषी जीवक नागपाल की सजा को 20 साल तक बिना किसी छूट के आजीवन कारावास में बदल दिया है। वहीं एक लड़के के साथ कथित तौर पर भागने पर अपनी ही 17 वर्षीय बेटी की हत्या के आरोपी पिता की सजा को पलट दिया है बेंच का मानना है कि लड़की के कथित रूप से भागने और अपने माता-पिता के घर लौटने की टाइमलाइन को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे।- एक अन्य मामले में बेंच ने सौतेली मां और भाई को बरी कर दिया जबकि 2003 में एक महिला को रसोई में जिंदा जलाने के मामले में पति की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। पति की सजा को इस तथ्य के कारण बरकरार रखा गया कि वह भी जल गया था। उसके हाथ पर चोट लगी है, जबकि सास और जेठ को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया है.

फिर से शुरू करेंगी वकालत

एक वकील के रूप में, उन्होंने दिल्ली के कुख्यात जीबी रोड से यौन तस्करी के पीड़ितों के बचाव और पुनर्वास से जुड़े एक मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में भी काम किया। 2 जून को दिए अपने विदाई भाषण में गुप्ता ने कहा कि बचाव और पुनर्वास की निगरानी के अनुभव ने उनके जीवन की विचार प्रक्रिया को ही बदल दिया है। न्यायमूर्ति गुप्ता ने भाषण में यह भी कहा था कि वह रिटायर होने के बाद अपनी चौथी पारी एक वकील के रूप में जारी रखेंगी.

ट्रांसफार्मर से चिपककर पुलिसकर्मी ने कर ली आत्महत्या

नागपुर, 27 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर से एक दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स अचानक से बिजली के ट्रांसफार्मर से चिपक जाता है और उसकी मौत हो जाती है। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो जाती है। इस घटना से पुलिस विभाग में हडकंप मच गया है। बताया जा रहा है कि मृतक पुलिस कर्मी सेना से रिटायर होने के बाद पुलिस में शामिल हुआ था। जानकारी के अनुसार, हाल ही में नागपुर सिटी पुलिस में शामिल हुए कॉन्स्टेबल ने सोमवार दोपहर आत्महत्या कर ली। गिट्टी खदान थाना अंतर्गत नेहरू कॉलोनी में कॉन्स्टेबल ट्रांसफार्मर से लिपट गया, जिससे करंट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। मृतक पुलिस कांस्टेबल काशीनाथ भगवान कराडे 15 वर्ष तक भारतीय सेना में सेवा देने के बाद काशीनाथ वर्ष 2019 में एक्स सर्विसमैन कोटा में महाराष्ट्र पुलिस में नौकरी मिली थी।

आकाशीय बिजली गिरने से बाप-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

शहडोल, 27 जून (एजेंसियां)। शहडोल के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से पांच साल के मासूम सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बरसात अब लोगों के लिए परेशानी खड़ी करने लगी है। तेज बारिश के साथ गरज लपक के साथ आकाशीय बिजली कई स्थानों पर गिरी, जिसकी चपेट मे आने से जिले में तीन लोगों की मौत हो गई। एक घटना सोहगपुर थाना क्षेत्र में तो दूसरी पपोंध थाना क्षेत्र में हुई। इनमें सोहागपुर थाना क्षेत्र के पटासी गांव में खेत में खाद डाल कर वापस आ रहे साइकिल सवार बाप-बेटे की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई है। थाना प्रभारी सोहागपुर अनिल पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि इंद्रपाल सिंह 35 साल अपने बेटे प्रताप सिंह के साथ खेत में खाद डालकर वापस घर लौट रहा था। तभी खेत से महज कुछ दूरी पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से साइकिल सवार बाप-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई है।

कांग्रेस की नई वर्किंग कमेटी के गठन से पहले

खडगे ने की सोनिया गांधी से मुलाकात, कई नामों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस आने वाले लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए अपनी नई टीम तैयार कर रही है। इसके लिए बैठकों का दौर भी शुरू हो चुका है। इसी बीच अब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस की नई वर्किंग कमेटी को लेकर इस बैठक में चर्चा होगी। सोनिया से मुलाकात के दौरान खडगे अपनी टीम के कुछ सदस्यों का नाम उनके सामने रख सकते हैं। इसके अलावा बताया जा रहा है कि गुरुवार 29 जून को खरगे इस मामले को लेकर राहुल गांधी से भी मिलने पहुंच सकते हैं।

राहुल गांधी से मुलाकात के बाद होगा ऐलान

पार्टी सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी से मुलाकात के बाद मल्लिकार्जुन खडगे नई टीम के नामों को फाइनल कर सकते हैं। इस नई वर्किंग कमेटी में कई नए नेताओं का नाम जुड़ सकता है, वहीं कुछ नामों को हटाया भी जा सकता है। बताया जा रहा है कि अगले कुछ ही दिनों में नई वर्किंग कमेटी का ऐलान कर दिया जाएगा। राहुल गांधी और सोनिया गांधी से चर्चा के बाद कमेटी के जो नाम फाइनल होंगे, उन पर ही आखिरी मुहर लगा दी जाएगी।

कमेटी में होंगे कई बदलाव

कांग्रेस की नई टीम में इस बार कई तरह के बदलाव नजर आ सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बार 24 की जगह 35 सदस्यों की वर्किंग कमेटी तैयार हो सकती है, इस कमेटी में सभी को राज्यों और केंद्रीय स्तर पर अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। पहला फोकस आने वाले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों पर होगा, इसके बाद 2024 के लिए कमर कसी जाएगी। कांग्रेस की नई कमेटी में इस बार युवा नेताओं को शामिल किया जा सकता है। साथ ही अलग-अलग वर्गों के हिसाब से कमेटी में सदस्यों को नियुक्त करने का प्लान है। जिसमें सामान्य वर्ग के अलावा ओबीसी, अल्पसंख्यक और अनुसूचित जनजाति के लोग शामिल रहेंगे।

स्कूटी पर 7 बच्चों को बैठाकर ट्यूशन छोड़ने निकला शख्स, वीडियो वायरल होते ही गिरफ्तार

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। मुंबई में एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें युवक स्कूटी पर 7 बच्चों को बैठाकर ले जा रहा है।इस दौरान किसी ने युवक ने वीडियो बनाकर मुंबई पुलिस को ट्विटर पर टैग कर दिया।मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।साथ ही आईपीसी की धारा 308 (जो भी कोई इस तरह के इरादे या बोध के साथ ऐसी परिस्थितियों में कोई कार्य करता है, जिससे वह किसी की मृत्यु का कारण बन जाए) के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम मुनव्वर शाह है।वह नारियल की दुकान चलाता है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि मुनव्वर शाह एक स्कूटी पर 7 बच्चों को लेकर जा रहा है।

सीबीआई ने सीएसआइआर के पूर्व निदेशक-मुख्य विज्ञानी के खिलाफ दर्ज किया केस

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। सीएसआइआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च के पूर्व निदेशक पी के सिंह और मुख्य विज्ञानी ए के सिंह के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया है। सीबीआइ ने आरोप लगाया है कि दोनों ने साजिश रची, जिसके तहत सीआइएमएफआर के विज्ञानियों, तकनीकी अधिकारियों और प्रशासनिक कर्मचारियों को 2016 और 2021 के बीच मानदेय, बौद्धिक शुल्क और परियोजना शुल्क के रूप में 137.79 करोड़ रुपये का वितरण किया गया। सीबीआई का आरोप है कि परियोजना में लाइब्रेरियन, डॉक्टर और तकनीकी अधिकारियों को कोयले के नमूनों की जांच के लिए रुपये का भुगतान किया गया, जबकि इसमें उनका कोई योगदान नहीं था। सीएसआइआर के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए 304 कोयला नमूना परियोजना की ओर से पी के सिंह को 15.36 करोड़ और ए के सिंह को 9.04 करोड़ रुपये बौद्धिक शुल्क के रूप में प्राप्त हुए थे।

सीएसआइआर कोयले के नमूनों की जांच का करती है काम

सीएसआइआर-सीआइएमएफआर (सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च) कोयला कंपनियों की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले कोयले के नमूनों की जांच और विश्लेषण के लिए थर्ड पार्टी एजेंसी के रूप में कार्य करती है। कोयला उत्पादकों और ऊर्जा से जुड़ी कंपनियों से संस्था ने 10 वर्षों के लिए चार एमओयू साइन किया था। इस समझौते में विशेष तौर पर कहा गया है कि कोयले की गुणवत्ता की जांच वार्षिक स्तर पर की जाएगी। साथ ही छोटी अवधि के लिए विभिन्न परियोजनाओं में इस समझौते का कोई उप विभाजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, सीएसआइआर-सीआइएमएफआर की ओर से कई समझौतों को एक परियोजना में जोड़कर 304 कोयला नमूना परियोजनाएं बनाई गईं।

एक तरफ को झुक रहा चारधाम यात्रा मार्ग पर एतिहासिक मंदिर

गर्भगृह से टपक रहा पानी

चमोली, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली जिले में चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध गोपीनाथ मंदिर के ऊपरी भाग के धंसने और एक तरफ झुकने की बात सामने आई है। मंदिर के पुजारियों और जनप्रतिनिधियों ने पुरातत्व विभाग को मंदिर के संरक्षण की मांग उठाई है। सोशल मीडिया पर मंदिर की वीडियो भी वायरल हो रही है।

व्यापार संघ अध्यक्ष अंकोला पुरोहित और गोपीनाथ मंदिर के पुजारी हरीश भट्ट ने पुरातत्व विभाग के अधिकारियों को बताया कि मंदिर के अंदर भारी मात्रा में पानी टपक रहा है। मंदिर ऊपरी हिस्से से धंस रहा है और एक तरफ झुक रहा है। समय रहते मंदिर के सरक्षण की जरूरत है। गोपीनाथ मंदिर चतुर्थ केदार रुद्रनाथ भगवान का शीतकालीन गद्दीस्थल भी है। इन दिनों चारधाम यात्रा के तहत कई तीर्थयात्री गोपीनाथ भगवान के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। गोपीनाथ मंदिर गढ़वाल के सबसे ऊंचे मंदिरों में शुमार है। मंदिर पर पत्थरों की नक्काशी आकर्षण का केंद्र है। मान्यता है कि नागर शैली में निर्मित यह मंदिर कत्यूरी राजाओं द्वारा बनाया गया था।

ड्रग्स तस्करी मार्केट में नए कोड वर्ड

इन खास 'इमोजी' से हो रही ड्रग सप्लाई, किसका, क्या है मतलब

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली और देश के अलग-अलग राज्यों में ड्रग्स तस्करी के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं।ऐसे में अब ड्रग पैडलर्स ने ड्रग्स को पकड़े जाने से बचाने के लिए नायाब तरीके इजाद किए हैं।देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में अब ड्रग तस्करों ने महाराष्ट्र पुलिस, नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी) और दूसरी एजेंसियों से बचने के लिए नए कोड वर्ड तैयार किए हैं। ड्रग पैडलर्स अब सप्लाई के लिए इसकी अलग-अलग वैराइटी के लिए वॉट्सऐप इमोजी का इस्तेमाल कर रहे हैं।इस वॉट्सऐप इमोजी के आधार पर ही ड्रग्स बेचने का गोरखधंधा चल रहा है।महाराष्ट्र की जांच एजेंसियों के मुताबिक अब ड्रग्स तस्कर वॉट्सऐप इमोजी का सहारा ले रहे हैं। उनका मानना है कि इमोजी का प्रयोग करने से वो जांच एजेंसियों की नजरों से दूर रहेंगे और यह कारोबार आसानी से चला सकेंगे। लेकिन अब जांच एजेंसियों की नजर ड्रग्स तस्कर के नए 'वॉट्सऐप इमोजी' कोड पर पड़ गई है। इस कारोबार से जुड़े लोगों पर महाराष्ट्र पुलिस और दूसरी जांच एजेंसियों की पैनी नजर है. इसमें गांजा, कोकेन, एमडीएमए, मशरूम और हेरोइन के लिए अलग-अलग वॉट्सऐप इमोजी हैं। इस इमोजी के आधार पर ही ड्रग्स बेचने का गोरखधंधा किया जा रहा है। ड्रग तस्करों के इस नए कोड वर्ड पर पुलिस और दूसरी एजेंसियों की कड़ी नजर बनी हुई है. ड्रग्स के कारोबार को लेकर दिल्ली पुलिस का मानना है कि बीते कुछ सालों में राजधानी देश में सक्रिय ड्रग्स कार्टेल का ट्रांजिट प्वाइंट बन गई है। आसानी से यहां ड्रग्स लाई जाती है और देश के विभिन्न हिस्सों में इसकी सप्लाई की जाती है। भविष्य को तबाह होने से बचाना है तो देश के हर नागरिक और हर जांच एजेंसी को जागना होगा। कोकेन देश में दो देशों से पहुंचाई जाती है। कोकेन अफ्रीका के इथोपिया के अदीस अबाबा शहर से दिल्ली और मुंबई पहुंचाई जाती है। इसके साथ ही अबूधाबी से सीधे दिल्ली भेजी जाती है।तस्कर कोकेन भेजने के लिए हवाई मार्ग का उपयोग करते हैं. ड्रग के कारोबारी कोकेन को खिलौनों, साबुन, शैम्पू में छिपाकर भेजते हैं। वहीं, दिल्ली में गांजा और अफीम जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, ओडिशा और आंध्र प्रदेश से भेजी जाती है। तस्कर रेल मार्ग और सड़क परिवहन से इसे दिल्ली लाते हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने पांच सदस्यीय नई संविधान पीठ बनाई

तीन जुलाई से शुरू होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश डीवाइ चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में एक नई पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया है। यह संविधान पीठ 12 जुलाई से चार मामलों की सुनवाई करेगी। सर्वोच्च अदालत 22 मई से शुरू हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश के खत्म होने के बाद तीन जुलाई को खुलने जा रही है। संविधान पीठ में सीजेआइ के अलावा जस्टिस हृषिकेश राय, पीएस नरसिम्हा, पंकज मित्तल और मनोज मिश्रा शामिल हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह जानकारी एसिस्टेंट रेजिस्ट्रार के नोटिस के माध्यम से दी है। पहले चार मामलों में संविधान पीठ 12 जुलाई को 'तेज प्रकाश और अन्य बनाम राजस्थान हाई कोर्ट' पर सुनवाई करेगी। इसके बाद तीन जस्टिस केवी विश्वनाथन ने खुद को एमश्रीएम मामले से किया अलग सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सोमवार को रीयल स्टेट कंपनी आइआरईओ से जुड़े मनी लांड्रिंग के केस से खुद को अलग कर लिया है। ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट के नौ जून के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दस्तक दी है। हाई कोर्ट ने एमश्रीएम ग्रुप के मालिक बसंद बंसल और पंकज बंसल को इस मामले में 5 जुलाई तक गिरफ्तारी से बचने के लिए छूट दी थी। यह याचिका जस्टिस एएस ओका और केवी विश्वनाथन की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आएगी। जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि वह पिछले महीने इस मामले में बतौर वकील पेश हुए थे। इसलिए वह खुद को इस मामले से अलग कर रहे हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने नहीं दी नाबालिग रेप पीड़िता के अबॉर्शन की इजाजत

औरंगाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने नाबालिग बलात्कार पीड़िता को 28 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।15 साल की रेप पीड़िता के मेडिकल परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने राय दी कि इस चरण में जबरन प्रसव कराने पर भी बच्चा जीवित पैदा होगा।मुंबई हाईकोर्ट के जस्टिस आरवी घुगे और जस्टिस वाईजी खोबरागड़े की खंडपीठ ने बलात्कार पीड़िता की मां की ओर से दायर याचिका के जवाब में आदेश जारी करते हुए गर्भपात की अनुमति देने से इनकार कर दिया। नाबालिग रेप पीड़िता की मां की ओर से दाखिल याचिका में उन्होंने अपनी बेटी के 28 हफ्ते के गर्भ को गिराने की अनुमति मांगी थी। याचिका में मां की ओर से कहा गया कि उनकी बेटी फरवरी में लापता हो गई थी और तीन महीने बाद राजस्थान में मिली थी। जहां एक शख्स ने उसके साथ बलात्कार किया, जिससे वो गर्भवती हो गई थी। आरोपी शख्स के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।वहीं, लड़की अपने परिवार के पास लौट आई थी. लड़की की जांच करने वाले मेडिकल बोर्ड ने कहा कि अगर नाबालिग का गर्भपात कराया जाता है तो भी बच्चा जीवित पैदा होगा। इसके साथ ही नवजात और लड़की दोनों को खतरा होगा और बच्चे को निगरानी में भी रखना होगा।

कश्मीर के कुलगाम में एनकाउंटर

सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को किया ढेर, पुलिस का जवान घायल

जम्मू, 27 जून (एजेंसियां)। कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ होने की खबर सामने आई है। मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया है। वहीं, पुलिस का एक जवान घायल हो गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि कुलगाम जिले के हुवरा गांव में मुठभेड़ हुई है। यहां आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी।

स्थानीय आतंकी को मार गिराया

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि मौके पर सुरक्षाबलों के साथ घेराबंदी की गई। मुठभेड़ में पुलिस का एक जवान घायल हो गया। बाद में एक स्थानीय आतंकी को मार गिराया गया। इस आतंकवादी की पहचान नहीं हो पाई है। उसके बारे में पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर हथियार और गोला-बारूद समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।

डॉ शेख दरवेश बने केरल के नए डीजीपी नए मुख्य सचिव होंगे डॉ वी वेणु

तिरुवनन्तपुरम, 27 जून (एजेंसियां)। केरल के नए डीजीपी आईपीएस अधिकारी डॉ शेख दरवेश साहब को नियुक्त किया गया है। गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव डॉ वी वेणु केरल के नए मुख्य सचिव होंगे। आईपीएस अधिकारी डॉ शेख दरवेश साहब पहले जेल और सुधार सेवाओं के डीजीपी के रूप में कार्यरत थे।

केरल के डीजीपी की नई भूमिका में उनके पास अच्छा-खासा अनुभव है। उनके पास अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) और एडीजीपी (अपराध) जैसे पदों पर रहने का अनुभव है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी दरवेश साहब राज्य सरकार में विभिन्न कानून प्रवर्तन की जिम्मेदारियों को संभालने में पारंगत हैं।

नए मुख्य सचिव वेणु के बारे में

गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव वेणु केरल के नए मुख्य सचिव होंगे। वह महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों को संभालेंगे और केरल सरकार की नीतियों को आगे बढ़ाएंगे। वह पिनाराई विजय सरकार की प्रमुख परियोजनाओं के कार्यान्वयन में योगदान देंगे।

बंगाल के कूचबिहार में 2 गुट आपस में भिड़े, 5 को मारी गोली, बीजेपी बोली-बांग्लादेश से आए हंगामा करने वाले

कोलकाता, 27 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कूच बिहार के गीतलदाहा में दो गुटों के बीच मंगलवारको हिंसक झड़प हो गई।इस घटना में 5 लोगों को गोलियां लगीं, जिनमें से एक की मौत हो गई। हिंसक झड़प में मरने वाले शख्स का नाम बाबू हक है। कूच बिहार के पुलिस आयुक्त सुमित कुमार ने बताया कि गोली लगने से एक शख्स की मौत हो गई है, वहीं चार अन्य घायल है।इस घटना पर स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ता अजय रॉय ने दावा करते हुए कहा कि घटना को अंजाम देने वाले लोग पड़ोसी देश बांग्लादेश से आए थे। उन्होंने ये भी दावा किया कि हिंसक झड़प में मरने वाला शख्स भी बांग्लादेशी है। उन्होंने दावा किया कि ये पैसों के लेन-देन का मामला है, इसमें कोई राजनीतिक एंगल नहीं है. वहीं, इस मामले में तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता अनारुल हक ने बीजेपी पर इस हिंसक झड़प का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिसके चलते ये हिंसक झड़प हुई। उन्होंने कहा कि टीएमसी के कार्यकर्ता सो रहे थे।इसी दौरान अचानक कुछ बीजेपी कार्यकर्ता घर में घुस आए और गोलियां बरसा दीं। जिसमें एक शख्स की मौत हो गई. इससे पहले जिले में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के कार्यकर्ताओं के बीच भी झड़प हुई थी।पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में नामांकन पत्रों की जांच के दौरान दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए थे।

सुविचार

दुआ कभी साथ नहीं छोड़ती और बद्दुआ कभी पीछा नहीं छोड़ती। जो दोगे वही लौटकर आएगा। फिर चाहे वह इज़्ज़त हो या धोखा।

नये पुलिस कांस्टेबलों को प्रशिक्षित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं करें : अंजनी कुमार

डीजीपी ने पीटीसी के प्रिंसिपलों के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंस

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी अंजनी कुमार ने मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 14,881 पुलिस कांस्टेबलों को प्रशिक्षित करने के लिए तेलंगाना के पुलिस प्रशिक्षण कॉलेजों (पीटीसी) में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, जिन्हें जल्द ही नियुक्त किया जाएगा। तेलंगाना के सभी पीटीसी के प्रिंसिपलों के साथ आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में, डीजीपी ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम सितंबर और अक्टूबर के बीच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, सरकार ने राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और इसके तहत 2018 में कुल 11,023 पुलिस कांस्टेबल और उप-निरीक्षकों की नियुक्ति की गई है और 16,282 पुलिस 2020 में कांस्टेबल उन्होंने कहा कि सरकार ने चालू वर्ष 2023-24 में 14,881 पुलिस अधिकारियों की भर्ती का आदेश दिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होने से पहले सभी पीटीसी को बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सामग्री, आवास और अन्य सुविधाएं तैयार करने का आदेश दिया गया है. उन्होंने कहा कि इमारतों की मरम्मत, सफेदी, शौचालय, वाचनालय आदि की सुविधाओं के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है।

यदि नए पुलिसकर्मियों को अच्छी गुणवत्ता का प्रशिक्षण दिया जाए तो वे अगले 30 से 35 वर्षों तक समाज की अच्छी सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राचार्यों को युवा अधिकारियों के लिए आदर्श होना चाहिए। अंजनी कुमार ने दोहराया कि किसी भी अन्य भारतीय राज्य के विपरीत, तेलंगाना ने पुलिस नियुक्तियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है और महिला प्रशिक्षु पुलिस कांस्टेबलों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष व्यवस्था की जानी चाहिए।

दीवार गिरने से मजदूर की मौत

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नाचाराम में मंगलवार को एक निर्माण स्थल पर दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मीनगर निवासी पीड़ित थिरुपथैया (35) नाचाराम स्थित एक निजी कंपनी में काम पर गया था। नाचारम पुलिस ने कहा कि ठेकेदार अशोक कुमार के निर्देश पर मजदूर एक दीवार तोड़ने लगा, तभी दीवार उसके ऊपर गिर गयी। तिरुपतय्या मलबे के नीचे आ गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। उसे एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ठेकेदार उप्पलापति अशोक कुमार के खिलाफ न तो सुरक्षा उपाय करने और न ही पीड़ित को सुरक्षा किट उपलब्ध कराने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

वर्धमान (महिला) सहकारी शहरी बैंक की 34वीं वार्षिक आमसभा आयोजित

बैंक वैधानिक और नियामक अनुपालन को अधिक महत्व देने की बात कही

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वर्धमान (महिला) को-ऑप अर्बन बैंक लिमिटेड की 34वीं वार्षिक आम सभा कच्छी भवन, रामकोट में आयोजित की गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी एडीएनवी प्रसाद ने बैंक के सदस्यों और निदेशकों का स्वागत किया। अध्यक्ष रीतेश कुमार डागा ने बैठक की अध्यक्षता की और शेयरधारकों का स्वागत किया। मंच पर अन्य निदेशक श्रीमती निर्मला डागा, श्रीमती राजकुमारी चोरडिया, तुषार सावला और महेंद्र कुमार जैन गोलेचा उपस्थित रहे। कार्यवाही वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती निर्मला डागा द्वारा निदेशकों की रिपोर्ट की प्रस्तुति के साथ शुरू हुई। उन्होंने सदस्यों को वर्ष 2022-23 के लिए बैंक के प्रदर्शन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैंक ने जमा, अग्रिम और लाभ के सभी लक्ष्य हासिल कर लिये। पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करते हुए व्यवसाय 839.00 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। शुद्ध लाभ 45% बढ़ गया। महत्वपूर्ण नकद वसूली से सकल एनपीए 12.58 करोड़ रुपये से घटकर 4.42 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध एनपीए भी 10.17 करोड़ से घटकर 1.67 करोड़ रुपये हो गया। बैंक का कुल कारोबार 839 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, बैंक का

पीएटी 7.66 करोड़ रुपये है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 12% की तुलना में बैंक का सीआरएआर 18.74% पर बनाए रखा गया है।

अध्यक्ष ने अपने संबोधन में बताया कि बैंक वैधानिक और नियामक अनुपालन को अत्यधिक महत्व दे रहा है। अधिकारियों द्वारा की गई सभी टिप्पणियों को बैंक द्वारा पूरी तरह से संबोधित किया गया है। सीआरएआर, सीआरआर, आईएफआर, पीसीआर जैसे सभी वैधानिक और नियामक अनुपात आरामदायक स्तर पर हैं। उन्होंने ग्राहकों को साइबर हमलों से बचाने के लिए उठाए गए कदमों की भी जानकारी दी। अध्यक्ष को यह बताते हुए खुशी हुई कि बैंक वित्तीय रूप से मजबूत और अच्छी तरह से प्रबंधित बैंक के लिए सभी शर्तों को पूरा कर रहा है और शाखा नेटवर्क और संचालन के क्षेत्र में सुधार करके व्यवसाय का विस्तार करने के लिए तत्पर है।

छोटे वित्त बैंकों और फिनटेक कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा है। शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) शाखा नेटवर्क, वैकल्पिक वितरण चैनलों और तकनीकी क्षमताओं पर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यूसीबी के लिए नई शाखाएं खोलने, परिचालन क्षेत्र का विस्तार करने और किसी भी अप्रत्याशित व्यावसायिक स्थिति से खुद को बचाने के लिए पूंजी बचाना अधिक प्रासंगिक हो गया है। निदेशक मंडल ने आम सभा की मंजूरी के अधीन 15% लाभांश की सिफारिश की है। अंत में निदेशक मंडल की ओर से उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आश्वासन दिया कि प्रबंधन इस बैंक को सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में एक महान संस्थान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करेगा। उन्होंने सभी सदस्यों, ग्राहकों, निदेशक मंडल, प्रबंधन बोर्ड, भारतीय रिजर्व बैंक, तेलंगाना राज्य सहकारी विभाग, तेलंगाना राज्य सहकारी शहरी बैंक फेडरेशन लिमिटेड, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम, लेखा परीक्षकों, कानूनी सलाहकारों, मूल्यांकनकर्ताओं और को हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने बैंक के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी समर्पित सेवा और पूर्ण प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया।

कर्नाटक विजय रणनीति को तेलंगाना में लागू करेगी कांग्रेस!

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कांग्रेस पार्टी नेताओं की रणनीति समिति ने आगामी विधानसभा चुनावों में तेलंगाना राज्य की सत्ता में वापसी के लिए कर्नाटक राज्य की जीत की रणनीति को लागू करने का निर्णय लिया है। यह बैठक दिल्ली में एआईसीसी के वॉर रूम में हुई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, एआईसीसी संगठन प्रभारी केसी वेणु गोपाल और एआईसीसी प्रदेश प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने हिस्सा लिया। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें पार्टी के सभी नेताओं के बारे में पता है, जो पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

दमरे जुलाई, अगस्त में विशेष ट्रेनों का विस्तार करेगा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनों का परिचालन बढ़ा दिया है। दमरे के मिली जानकारी के अनुसार, सूबेदारगंज-सिकंदराबाद, सिकंदराबाद-सूबेदारगंज, काकीनाडा टाउन-लिंगमपल्ली, लिंगमपल्ली-काकीनाडा टाउन, काचीगुडा-मदुरै, मदुरै-काचीगुडा, सिकंदराबाद-रामनाथपुरम, रामनाथपुरम-सिकंदराबाद, काचीगुडा- नागरकोल, नागरकोल-काचीगुडा, पटना-सिकंदराबाद, हैदराबाद-पटना, सिकंदराबाद-पटना, दानापुर-सिकंदराबाद, सिकंदराबाद-दानापुर विशेष ट्रेनों को 3 जुलाई से 30 अगस्त के बीच बढ़ा दिया गया है। एससीआर अधिकारियों ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे शेड्यूल में बदलाव को ध्यान में रखें और असुविधा से बचने के लिए उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

कृपाराम देवड़ा के नगरागमन पर सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय (माली) संघ हैदराबाद की ओर से सैनिक क्षत्रिय माली समाज नागौर अध्यक्ष कृपाराम देवड़ा के हैदराबाद आगमन पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। देवड़ा माली समाज नागौर के तीसरी बार अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार हैदराबाद आए थे। माली संघ के सचिव ने बताया कि देवड़ा ने नागौर माली समाज के उत्थान हेतु अनेक कार्य करवाए हैं। उनके किए गए प्रयासों से ही आज समाज की इनकम कई गुना बढ़ गई है। नागौर शहर के अधिकांश सरकारी गेर सरकारी कार्यालयों एवं धार्मिक स्थानों पर भव्य गेट के निर्माण करवाए। साथ ही स्कूलों का भी जीर्णोद्धार करवाया। भामाशाह के रूप में ग्राम पंचायत ताऊसर सहित अनेक स्थानों के विकास के लिए पिछले 30 वर्षों से सेवा कर रहे हैं। ग्राम पंचायत क्षेत्र में आपने डामरीकृत सड़क एवं ग्रेवल सडकों का जाल बिछाया, ताऊसर की पांचों बस्तियों को सड़क से जोड़ा, तालाब खुदवाए, कई का पूर्ण जीर्णोद्धार करवाया, 5 स्मारक बनवाए 2 का जीर्णोद्धार करवाया स्कूलें क्रमोन्नत करवाई। गोसेवा के लिए वर्ष 1993 से कार्यरत हैं। ताऊसर में गौशाला स्थापित करवाई जहां आज हजारों गायों की सेवा की जा रही है। उन्होंने बताया कि माली समाज अध्यक्ष देवड़ा की पत्नी श्रीमती रामेश्वरी देवी देवड़ा ग्राम पंचायत ताऊसर की सरपंच रह चुकी है। देवड़ा नागौर पंचायत समिति सदस्य रह चुके हैं। पंचायत समिति की शिक्षा समिति के भी अध्यक्ष रहे हैं। इनके अलावा जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के अध्यक्ष पद पर रहे हैं। इस अवसर पर माली समाज के अध्यक्ष प्रेम कुमार पंवार, पूर्व अध्यक्ष राम्पाल देवड़, घनश्याम भाटी, अविनाश देवड़ा, गोवर्धन, मुन्नालाल पंवार, रामनिवास भाटी, सागरमल सोलंकी, रामजीवन भाटी, पन्नालाल कछवा, लखमराम भाटी, श्रवण भाटी, दिनेश भाटी, गोपाल कछवा, धनेश भाटी, सुरेश, जगदीश, नथमल सोलंकी आदि उपस्थित रहे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, 6948441P NK MAHADEV AVARADE of Unit; ADM BN. AOC CENTRE, C/o. 56 APO, R/o. Molwad (V&P), Athani Tehsil, Belgaum Dist, Karnataka-591316, my Mother Incorrect name TULASA & Incorrect DOB: 07-06-1959 & correct name TULASA GUNDU AVARADE & Correct DOB is 01-01-1957 vide affidavit No. 32 AA490556 Dt.26-06-2023 & my Father Incorrect name GUNDU AVARADE & Incorrect DOB: 09-03-1954, Correct name GUNDU SHIVARAI AVARADE & Correct DOB is 01-06-1956 vide affidavit No. 32 AA490559 Dt.26-06-2023

WANTED

BMVD MACHINE SYSTEMS INDIA Address-6-6-269/107,Arunjyothi, Colony, Bansilalpet, Gandhinagar, Secunderabad-80 Phone-9885808929 WELDER FITTER

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ओआरआर पर वाहनों की स्पीड लिमिट बढाई गई

अब चालक 100 किमी नहीं, 120 किमी स्पीड में चला सकते हैं वाहन

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 158 किलोमीटर लंबी आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर अधिकतम गति सीमा 100 किलोमीटर प्रति घंटे की वर्तमान अधिकतम सीमा से बढ़ाकर अधिकतम 120 किलोमीटर प्रति घंटा (किमी प्रति घंटा) कर दी गई है। ओआरआर आठ-लेन का एक्सेस-नियंत्रित फ्रीवे है जिसमें प्रत्येक तरफ चार लेन हैं। अब तक, पहले दो लेन पर अधिकतम गति सीमा 100 किमी प्रति घंटा थी और तीसरे और चौथे लेन के लिए अधिकतम गति सीमा 80 किमी प्रति घंटा है। पहले दो-लेन में गति सीमा को अब 100 किमी प्रति घंटे से संशोधित कर 120 किमी प्रति घंटे कर दिया गया है। ओआरआर पर अधिकतम गति सीमा 100 किमी प्रति घंटे की वर्तमान सीमा से बढ़ाकर अधिकतम 120 किमी प्रति घंटे कर दी गई है। विशेष मुख्य सचिव, नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमए एंड यूडी), अरविंद कुमार ने ट्विटर पर कहा कि आज आयोजित एक समीक्षा बैठक में मंत्री क टी रामाराव ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की और एचएमडीए को सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

श्री जंगल विठोबा देवस्थान का विट्ठलेश्वर रथोत्सव आज से

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जंगल विठोबा देवस्थान, विट्टल नगर, उस्मानशाही, हैदाराबाद में 28 जून से 6 जुलाई तक विट्ठलेश्वर रथोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अनुसार 28 बुधवार को प्रातः काल महाभिशेक पूजा, स्वस्ति पुण्यावाचन ध्वजारोहण, गौपूजा, महानैवेद्य, आरती, अन्नप्रसाद सायं 7 बजे पालकी सेवा रात्रि 8 बजे डोलारोहण अष्ठावधान सेवा भजन एवं ऐकांतसेवा, 29 जून को सुबह 4.05 बजे को पंचामृत सहित पंचसूक्त पवमान, गुरूवार अभिषेक, 5.30 बजे सहस नामार्चना एवं 6.00 बजे श्रीजी का दर्शन एवं आरती, सायंकाल 4 बजे गरुडोत्सव 5 बजे शेशवाहन पर भगवान को विराजमान करके श्री विठ्ठल रुक्माबाई रथोत्सव जुलूस, डोलारोहण, अष्ठावधान सेवा भजन एवं ऐकांतसेवा होगी। इसी तरह 30 जून को द्वादशि शुक्रवार से 5 जुलाई बुधवार तृतीया तक प्रातः काल सुबह पूजा, अर्चना, महा नैवेद्य आरती, अन्न प्रसाद, शाम सात बजे बजे पालकी सेवा, रात्रि 8 बजे डोलारोहण अष्ठावधान सेवा, भजन एवं एकांत सेवा 5 जुलाई बुधवार तृतीया श्याम को 8 बजे पालकी सेवा तथा गोपाल काला, 6 जुलाई गुरुवार को गरुड वाहन पर भगवान को विराजमान करके सुबह 9 बजे अवभृत स्थान विठोबा मंदिर से निकलकर श्री जगन्नाथ स्वामी मठ इमलीबन जायेगा। पूजा-अर्चना के बाद श्रीजी का पालकी श्री जंगल विठोबा मंदिर सभी भक्तो को साथ लेकर आयेगा। बाद मे सभी को भोजन रूप प्रसाद प्राप्त होगा। रात्रि सात बजे मंगलहारती तथा डोतारोहण अष्ठावधान सेवा, भजन होगा। श्री विठ्ठलेश्वर बाल भक्त समाज, पाषर्द बेगमबाजार व मंदिर के चेयरमैन जी. शंकर यादव, अध्यक्ष वी. किशन यादव ने सभी भक्तजनों से उत्सव में भाग लेने की अपील की है।

अपार्टमेंट में देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़, 10 महिलाओं को बचाया गया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (पश्चिम) की टीम ने बंजारा हिल्स के एक अपार्टमेंट में आयोजित वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ किया और 10 महिलाओं को बचाया। तीन आयोजक और 18 ग्राहक भी पकड़े गये. एक पीओएस मशीन और 33 हजार रुपये नकद भी मिले।

एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर खलील पाशा के नेतृत्व में एक टीम ने बंजारा हिल्स रोड नंबर 10 पर स्थित मसाज सेंटर 'पर्पल नेशनल हेल्थ' पर छापेमारी की। एक महिला श्रुति (23) दो व्यक्तियों जाहिद उल हक और रमन्ना की मदद से वेश्यावृत्ति का आयोजन कर रही थी। बचाई गईं महिलाएं शहर और दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों और बचाई गई महिलाओं को आगे की कार्रवाई के लिए बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

IRCTC

भारतीय रेल खानपान व पर्यटन निगम मर्या

(भारत सरकार का उपक्रम- मिनि रत्ना श्रेणी-।)

दक्षिण मध्य अंचल

प्रथम तल, आक्सफोर्ड प्लाजा,एसडी रोड, सिकंदराबाद-500 003

सीआयएनः एल 74899 डीएल 1999जीओआय101707

संविदा आधारित अर्हताप्राप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए)/कास्ट एंड मेनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए) पद के लिए वाक्-इन-इंटरव्यू

आयआरसीटीसी लि. को, संविदा आधारित अर्हताप्राप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए)/कास्ट एंड मेनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए), पद पर नियुक्ति के लिए, शैक्षिक योग्यता के पश्चात न्यूनतम 02 वर्षीय अनुभव प्राप्त अभ्यर्थी की आवश्यकता है। तत्संबंधित अभ्यर्थियों के पास अनिवार्य रूप से ईआरपी/एसएपी, ओरैकल में कामकाजी प्रदर्शन एवं आडिट के अतिरिक्त अकाउंटिंग एंड टैक्सेशन में 01 वर्ष का कामकाजी प्रदर्शन का अनुभव होना चाहिए। पात्रता मापदंड, वाक् -इन-इंटरव्यू तिथि/स्थान एवं भर्ती के अन्य नियम व शर्तों के लिए, कृपया वेबसाइटः www.irctc.com देखें।

अप्रेन्टिसेस की भर्ती

आयआरसीटीसी लि. व्दारा अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं के लिए भी आवेदन आमंत्रित हैं। तत्संबंधित विवरण दि.05.07.2023 के बाद **वेबसाइटः** www.irctc.com उपलब्ध है।

सूचना

बहनगा बाजार (बालासोर) रेल दुर्घटना में मृतकों के सभी रिश्तेदारों/परिजनों के लिए

भारतीय रेल एतद्द्वारा बहनगा बाजार, जिला-बालासोर (ओडिशा) में दिनांक 02.06.2023 को 12841 शालीमार-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और 12864 एसएमवीबी हावड़ा एक्सप्रेस रेल दुर्घटना में मृतकों के रिश्तेदारों/परिजनों से अनुरोध करता है कि वे आगे आएं और अपना डीएनए सैम्पल दें जिससे अज्ञात भावों का दावा करने के लिए मृतक के साथ उनकी पहचान और रिश्तेदारी को सत्यापित किया जा सके।

....

स्थान

एकादमिक ब्लॉक (कमिटी रूम),
एम्स, भुवनेश्वर

कृपया निम्नलिखित व्यक्तियों से संपर्क करें:

139
भारतीय रेल हेल्पलाइन

श्री दिगम्बर पाधी, सहा. कार्मिक अधिकारी
मो. 8455887604

श्री विश्वनाथ पाधी, सहा. वाणिज्यिक अधिकारी
मो. 8455885967

श्री बी. तपन कुमार, जन सम्पर्क अधिकरी
मो. 8455885040

श्री विकास कुमार, जन सम्पर्क अधिकारी
मो. 8455885041

भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर सहायता के लिए
0674-2534027

पूर्व तट रेलवे कन्ट्रोल रूम पर सहायता के लिए
भुवनेश्वर - 8455885999
और खुर्दा रोड - 8455887999

PUB : 0694 A0972

भारतीय रेल

'नीतीश के पास कुछ नहीं, लालू के वोट पर दिखा रहे बल..' बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी का तंज

सहरसा, 27 जून (एजेंसियां)। सहरसा में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान नीतीश कुमार पर जमकर तंज कसा है. एक बार फिर उन्होंने अगवानी घाट पुल धवस्त को लेकर नीतीश सरकार को दोषी ठहराया है. बता दें कि सम्राट चौधरी ने इस दौरे के दौरान अंबेडकर चौक पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा और वीरकुंवर सिंह चौक पर वीरकुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. जिसके बाद सम्राट चौधरी वहां से सीधे शंकर चौक स्थित रामजानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की. इसके साथ महा जन सम्पर्क अभियान कार्यक्रम में शिरकत करते नजर आएं. नीतीश कुमार को बताया खोखलाः सभा के बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर बरसे. उन्होंने कहा की नीतीश कुमार अब पूरी तरह खोखले हो चुके हैं. अब उनके पास कुछ नहीं बचा है. लालू के पास कुछ वोट है उसी के बल पर वो दिख रहे हैं. कोई महागठबंधन बिहार में दिखने वाला नहीं है. 2024 में सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा चालीस की चालीस सीट बिहार में जितने वाली है.

पूजा करने जा रही गर्भवती महिला को स्कार्पियो ने रौंदा, इलाज के दौरान मौत

गोपालगंज, 27 जून (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज थावे थाना क्षेत्र में गर्भवती महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है. इटावा पुल के पास सड़क पार कर पूजा करने जा रही एक गर्भवती महिला को अनियंत्रित स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी. जिससे महिला गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गई. जख्मी अवस्था में उसे तत्काल इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया. जहां से डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया.

यूपी रोडवेज चलाएगा 1200 बसें, रेलवे स्टेशनों पर जीआरपी के 500 जवान तैनात

आगरा, 27 जून (एजेंसियां)। गोवर्धन के मुड़िया पूर्णिमा मेला को लेकर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम, रेलवे और जीआरपी ने विशेष व्यवस्था की है. यूपी रोडवेज परिवहन विभाग की तरफ से मुड़िया मेला में 1200 बसें चलाई जाएंगी. आगरा में श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार से ही मेला के लिए अतिरिक्त रोडवेज बसें संचालित होने लगीं. इसके साथ ही सावन के सोमवार को लेकर रेलवे ने 6 ट्रेनों में कोच बढ़ाए हैं. जीआरपी ने ट्रेन और स्टेशनों पर यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष प्लान तैयार किया है. इसके लिए सरकार ने विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं. रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने बताया कि 27 जून से 4 जुलाई तक लगने वाले मुड़िया पूर्णिमा मेला को लेकर प्रदेश भर से 1200 से अधिक बसें लगाई गई हैं. आगरा परिक्षेत्र से ताज डिपो, फाउंड्री नगर डिपो, बाह डिपो, ईदगाह डिपो और आईएसबीटी से 300 बसें मुडिया मेला के लिए लगाई गई हैं. आगरा में मंगलवार की सुबह से इन बसों का संचालन शुरू हो गया है. जो बस मेले के लिए लगाई गई हैं. मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो इसलिए इसकी पहले ही तैयारी कर ली गई थी.

पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को बताया

समान नागरिक संहिता पर कैसे समझाएं मुसलमानों को

लखनऊ, भोपाल 27 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वोट बैंक की भूखी पार्टियां समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर मुसलमानों में भ्रम फैला रही हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यूसीसी लागू करो लेकिन वोट बैंक के भूखे ये लोग नहीं चाहते हैं। इसके नाम पर लोगों को भड़काने का काम किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर एक परिवार में सदस्यों के लिए अलग-अलग व्यवस्था हो तो परिवार नहीं चल सकता। ऐसे ही एक देश में लोगों के लिए अलग-अलग कानून कैसे हो सकता है? उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से मुसलमानों के पास तथ्यों के साथ जाने और उन्हें समझाने की अपील की है। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को मेरा

बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लखनऊ की रीना चौधरी से बात की। जिसमें रीना ने पीएम मोदी से सवाल पूछा कि समान नागरिक संहिता को लेकर विपक्षी दल मुस्लिम समुदाय को भ्रमित कर रहे हैं। हम मुस्लिम समुदाय को कैसे समझाएं? इस पर पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को जवाब दिया और कहा कि तथ्यों के आधार पर बात करें।

'तीन तलाक के नाम पर मुस्लिम महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा था'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसी तरह तीन तलाक को भी खत्म नहीं किया गया था। मुस्लिम महिलाओं के साथ अन्याय किया जा रहा था। इससे मुस्लिम परिवार पूरे तबाह हो जाते हैं लेकिन वोट बैंक के लिए न्याय नहीं किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मुस्लिम बहुल देश भी तीन तलाक लागू नहीं करते हैं। मुस्लिम बहुल देशों में भी तीन तलाक बंद कर दिया गया है।

'वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने पसमांदा मुसलमानों के साथ अन्याय किया'

पीएम मोदी ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने पसमांदा मुसलमानों के साथ अन्याय तो किया ही है उनका शोषण भी किया है। पसमांदा मुसलमानों को बराबरी का हक नहीं मिलता है। उन्हें नीचा समझा जाता है। यही कारण है कि ये समाज अभी भी बहुत पिछड़ा हुआ है। भाजपा देश के हर नागरिक के विकास के लिए सबका साथ सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है।

बिहार में दर्दनाक सड़क हादसा, टायर फटने के बाद ट्रक में जा घुसी बेकाबू बस, 5 की मौत

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया में एक भीषण सड़क हादसा हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग 57 (एन-एच57) पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली से मालदा जा रही एक लग्जरी बस पूर्णिया में हादसे का शिकार हो गई। बस के ड्राइवर की भी मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और स्थानीय लोगों की सहायता से राहत बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचा दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया है कि बस का टायर फटने के कारण यह दुर्घटना हुई। टायर फट जाने के बाद बस ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर हो गई और सामने से आ रहे एक ट्रक में सीधे जाकर टकरा गई। हादसे के बाद ट्रक वहीं पलट गया। ट्रक ड्राइवर की हालत भी बहुत खराब है जबकि, बस चालक की जान जा चुकी है। जख्मी ट्रक चालक प्रतीक्षा कराई जा रही है। ट्रक का खलासी मौके पर नहीं दिखा। स्थानीय सरपंच और अन्य लोगों ने जानकारी दी है कि फतेहपुर साहेब कंपनी की बस दिल्ली से मालदा की तरफ जा रही थी। रास्ते में पूर्णिया कस्बा थाना अंतर्गत नवादा चौक के नजदीक हादसा हो गया। बस से निकले चोटिल और घायल हुए यात्रियों ने बताया कि ड्राइवर को नींद की झपकी भी आ गई थी। बस अपनी लाइन छोड़कर डिवाइडर पार करते हुए ट्रक से टकरा गई। इसी दौरान तेज आवाज़ के साथ उसका 1 चक्का ब्लास्ट कर गया। जिससे बस और भी बेकाबू हो गई। ट्रक ड्राइवर गाड़ी में ही फस गया। मौके पर इकठ्ठा हुए लोगों ने जद्दोजहद कर उसे निकाला और अस्पताल के लिए भेज दिया।

अतीक-अशरफ की हत्या में यूपी सरकार का हाथ

सुप्रीम कोर्ट में बहन ने लगाया आरोप, याचिका में की ये मांग

प्रयागराज, 27 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में पुलिस कस्टडी में 15 अप्रैल की रात में गोलियों से भूने गए माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के मामले में उसकी बहन आयशा नूरी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अतीक और अशरफ की बहन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। आयशा नूरी ने आरोप लगाया है कि अतीक और अशरफ की हत्या में सरकार का हाथ है। उन्होंने कथित तौर पर एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश या एक स्वतंत्र एजेंसी की अध्यक्षता में व्यापक जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इसके साथ ही आयशा नूरी ने अपने भतीजे और अतीक अहमद के बेटे की मुठभेड़ में हत्या की भी जांच की मांग की। अतीक की बहन आयशा नूरी ने अधिवक्ता के जरिए से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में आयशा नूरी ने अपने दोनों भाई के कत्ल को कस्टडी में और एक्स्ट्रा जूडिशियल किलिंग करार दिया। याचिका में कहा है कि उच्चस्तरीय सरकारी एजेंटों के जरिए घटना की योजना बनाई गई। उन्होंने उसके परिवार के सदस्यों को मारने के लिए प्लान बनाया। पुलिस अफसरों को उत्तर प्रदेश सरकार का पूरा समर्थन मिला है। आरोप है कि प्रतिशोध के तहत उसके परिवार के सदस्यों को मारने, अपमानित करने, गिरफ्तार करने और परेशान करने के लिए पुलिस अफसरों को पूरी छूट दी हुई है।

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल की रात को प्रयागराज के कॉल्विन हॉस्पिटल के बाहर पुलिस हिरासत में तीन हमलावरों ने गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। अतीक और अशरफ पर हमला करने वाले तीनों हमलावर मीडियाकर्मी बनकर वहां पहुंचे थे। हत्याकांड के तीनों आरोपियों को पुलिस ने घटना स्थल से ही पकड़ लिया था। तीनों शूटरों की पहचान लवलेश तिवारी, अरुण मौर्य और सनी सिंह के रूप में हुई थी। तीनों कातिल जेल में बंद हैं। आपको बता दें कि 24 फरवरी को प्रयागराज में उमेश पाल की हत्या के बाद से ही माफिया अतीक अहमद गैंग यूपी एसटीएफ और पुलिस के निशाने पर था।

एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया सवा लाख का इनामी बदमाश गुफरान, 9 एमए पिस्टल-रिवाल्वर मिली

कौशांबी, 27 जून (एजेंसियां)। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने मंगलवार सुबह मुठभेड़ में सवा लाख के इनामी बदमाश गुफरान को मार गिराया। एसटीएफ का उससे कौशांबी में मंझनपुर क्षेत्र के कादीपुर पुल के समीप आमना सामना हुआ। बदमाश के पास से एक बाइक और दो प्रतिबंधित असलहे भी बरामद किए गए हैं। प्रतापगढ़ के आजाद नगर मोहल्ला निवासी गुफरान पर सुल्तानपुर पुलिस ने 25 हजार तो बेल्हा पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। दो दिन पहले ही एडीजी प्रयागराज ने 50 हजार रुपया इनाम की राशि और बढ़ाई थी। जिसके बाद कुल इनाम सवा लाख का हो गया था। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास तथा लूट के कुल लगभग 13 मामले प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर जिले में दर्ज हैं। इन दोनों जिलों के साथ एसटीएफ भी उसकी तलाश कर रही थी। मंगलवाल की सुबह एसटीएफ लखनऊ के डिप्टी एसपी डीके शाही की अगुवाई में कादीपुर पुल के पास टीम ने उसे घेर लिया। खुद को घिरा देख बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में एसटीएफ की तरफ से की गई फायरिंग में कमर में गोली लगने से बदमाश ढेर हो गया।

सियासत में कई राज, यादवों में भी हिंदू देख रहे गिरिराज पप्पू यादव से क्यों 'भिड़े' बीजेपी के फायरब्रांड नेता?

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। बिहार में बयानवीर नेताओं की बात जब भी होगी तो बीजेपी से गिरिराज सिंह और जाप सुप्रीमो पप्पू यादव का नाम जरूर आएगा. एक शादी समारोह में दोनों आमने-सामने हो गए और हंसी मजाक में ही सही दोनों के बीच राजनीति पर जमकर बहस हुई. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को अपना अभिभावक बताकर पप्पू यादव राजनीतिक हालात पर चर्चा करने लगे. अंत में गिरिराज सिंह उठकर जाने लगे तो पप्पू यादव ने उनका हाथ पकड़ लिया. इस पर गिरिराज सिंह ने इनकार करते हुए कहा कि नहीं मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊंगा. वह अलग जाकर बैठ गए. यह सब शेखपुरा में पूर्व मुख्य पार्षद मुकेश यादव की बेटी की शादी में देखने को मिला. को ये दोनों नेता पहुंचे थे. मुकेश यादव ने दोनों को एक ही जगह बिठाया था. शादी की बात होते होते राजनीति की बात होने लगी. पप्पू यादव ने पूंजीवाद के मुद्दे को उछाल दिया. इसके बाद गिरिराज सिंह भड़क गए. कहने लगे कि यही तो देश को ले डूबा. इसके बाद पप्पू यादव ने कहा मेरी बात तो सुनिए... गिरिराज सिंह ने कहा क्या सुनूं- लालू यादव, पप्पू यादव और सब बाकी सब लोगों की कहानी भी तुम्हारी ही है. गिरिराज सिंह ने कहा कि तुम्हारा क्या सुनें. लोकसभा में बहुत सुने हैं. बातों बातों में अवॉर्ड लेने की बात आ गई. पप्पू यादव ने कहा कि हमें और हमारी पत्नी को आप लोगों ने अवॉर्ड दिया तो गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में तो केवल लालू यादव को अवॉर्ड मिलता रहा है. पप्पू यादव ने कहा कि आपको अवॉर्ड लेना है इस पर गिरिराज सिंह ने कहा मैं तो बूढ़ा, हो गया हूं. मैं अवॉर्ड लेकर का क्या करूंगा? पप्पू यादव ने हंसी मजाक में ही कहा तो अब आप चुनाव नहीं लड़ेंगे इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि चुनाव तो पार्टी लड़वाती है. पप्पू यादव ने कहा आपकी पार्टी ने ही निर्देश निकाला है 72-73 साल के बाद वाले चुनाव नहीं लड़ सकते हैं. इस पर गिरिराज सिंह ने हंसते हुए का हिंदी व्याकरण में अपवाद नहीं होता है क्या.

गिरिराज ने पप्पू से पूछा- आप कहां जा रहे हैं?

बातों-बातों में पप्पू यादव जाति की राजनीति पर बात करने लगे. इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि आप कहां जा रहे हैं? हम तो यादव में भी हिंदू देख रहे हैं. गिरिराज सिंह ने पुरानी बातों की याद को ताजा करते हुए कहा कि भले आपके पिताजी का नाम लालू प्रसाद यादव नहीं है, लेकिन आप क्या-क्या किए हैं, कहां घूमे हैं वह तो सब मुझे मालूम है. हालांकि राजनीतिक बात के साथ-साथ दोनों में जमकर हंसी ठिठोली होती रही. आसपास में बैठे लोग मजे लेते रहे.

'गिरिराज सिंह से ज्यादा गाली देना किसी को नहीं आता'

पप्पू यादव ने बीते सोमवार को इस पर एबीपी न्यूज से बात करते हुए कहा कि गिरिराज बाबू से मेरा पुराना संबंध रहा है. हमसे बड़े हैं और हम लोग कई बार मिलते रहे हैं. राजनीति अपनी जगह पर है. पप्पू यादव ने कहा कि हमारी और उनकी विचारधारा अलग है, लेकिन पहले से हम लोग एक दूसरे को जानते हैं. जब विचारधारा अलग है और एक जगह हम दोनों बैठे तो कुछ तो बातें होंगी. गिरिराज सिंह से ज्यादा गाली देना किसी को नहीं आता है. नफरत फैलाना उनसे ज्यादा कोई नहीं जानता है. वह हमारे बड़े भाई हैं, लेकिन जब शादी विवाह के माहौल में एक जगह बैठते हैं तो वैचारिक बातें होना स्वाभाविक हैं.

कानपुर के कारोबारियों पर आईटी रेड, 25 करोड़ कैश मिला

300 अफसरों ने 95 घंटे में 600 करोड़ के फर्जी लेन-देन, 100 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी

कानपुर, 27 जून (एजेंसियां)। कानपुर में बुलियन, ज्वेलरी और रियल एस्टेट कारोबारियों के प्रतिष्ठानों में चार दिन से चल रही आयकर विभाग की छापेमारी मंगलवार को खत्म हो गई। 300 अफसरों ने 95 घंटे की रेड में 600 करोड़ के फर्जी लेन-देन पकड़े। ज्वैलर्स के ठिकानों पर रेड के दौरान 25 करोड़ रुपए की नकदी और करीब 70 किलो सोना-चांदी सीज किया है। इसकी तस्वीरें भी सामने आईं हैं। दरअसल, अधिकारियों ने सोमवार सुबह तक 16 करोड़ का कैश जब्त किया था। उन्हें बिरहाना रोड पर एक बंद दुकान में बड़े पैमाने पर कैश होने की जानकारी मिली। टीम सोमवार शाम को वहां पहुंची, यहां शटर खुलवाकर जब जांच की गई, तो कपड़े के एक गट्ठर में 9 करोड़ कैश मिला था। इसी तरह मंगलवार सुबह तक करीब 25 करोड़ कैश टीम जब्त कर चुकी है। आईटी अफसर का दावा है कि यूपी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए सबसे बड़ी कार्रवाई है आईटी सूत्रों के मुताबिक, टीम ने 50 से अधिक बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए हैं। साथ ही, 100 करोड़ रुपए की कर चोरी पकड़ी गई है। कारोबारियों के सफेदपोश साथियों के बारे में भी पता चला है। उनमें से कुछ कारोबारियों को बुलाकर पूछताछ भी की गई है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कानपुर में कुल 17 ठिकानों पर छापामारी हुई, जबकि देश में 55 से ज्यादा प्रतिष्ठान पर आईटी टीमों ने कार्रवाई की है। कानपुर में कैलाश नाथ अग्रवाल की राधा मोहन पुरुषोत्तम दास ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड और अमरनाथ अग्रवाल की राधा मोहन पुरुषोत्तम दास ज्वैलर्स का सालाना टर्न ओवर 1700 करोड़ रुपए का है। आयकर अधिकारी इसी लेनदेन में टैक्स चोरी की जांच कर रहे थे। इसके तार एमराल्ड के प्रमोटर संजीव झुनझुनवाला, चांदी कारोबारी मुन्ना जखोदिया और सौरभ वाजपेयी से जुड़े। इसलिए आयकर विभाग ने सभी के प्रतिष्ठानों में एक साथ छापा मारा। आयकर अधिकारियों को कर चोरी की कड़ी से कड़ी मिलती गई। इस रेड में करीब 100 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी गई है। ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जो बताते हैं कि कारोबारी काला धन बेनामी संपत्ति में खपा रहे थे। कारोबारियों ने एक रियल एस्टेट कारोबारी के जरिए बड़ी संख्या में फ्लैट खरीदे।

चौकी में महिला सिपाही को पीटा कपड़े फाड़े पिता-पुत्र गिरफ्तार

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। पारा के हंसखेड़ा में दो पक्षों में विवाद के बाद लोग पुलिस चौकी पहुंचे और वहां महिला सिपाही से गाली-गलौज की। विरोध पर उसे जमकर कर पीटा और कपड़े फाड़ दिए। गला कसकर मारने का प्रयास भी किया। पुलिस ने हमले के आरोपित पिता-पुत्र को जमकर पीटने के बाद गिरफ्तार कर लिया। वहीं, मामले में पिता-पुत्र समेत चार नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। नरपतखेड़ा डूडा कालोनी में रहने वाले शिवशंकर का पड़ोसी से विवाद और मारपीट हो गई। चौकी पर दोनों पक्षों को बुलाया गया। शिवशंकर उनकी पत्नी अनीता, बेटा गोविंद, संदीप और महेश्वर के अलावा दूसरे पक्ष के लोग पहुंचे। चौकी पर सिपाही उदयभान, अरविंद कुमार थे।

6 साल के बच्चे का नोएडा से अपहरण, यूपीआई से फिरौती लेकर गिरफ्त में आया किडनैपर

नोएडा, 27 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने बच्चे के अपहरण के मामले में 30 साल के एक शख्स को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि शख्स ने मोबाइल वॉलेट पर यूपीआई के माध्यम से फिरौती ली थी. ऐसे में पुलिस ने उस तक पहुंचने के लिए डिजिटल सबूतों का इस्तेमाल किया. पुलिस डिप्टी कमिश्नर (मध्य नोएडा) अनिल कुमार यादव ने बताया कि 22 जून को बच्चा फेज 2 में नया बांस गांव से किडनैप किया गया था. अपहरणकर्ता उसे गुरुग्राम ले गया. इसके बाद परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी. इसके बाद अपहरणकर्ता ने परिजनों से 30000 रुपये की फिरौती की मांग की थी. मुताबिक, बच्चे के पिता एक छोटा सा भोजनालय चलाते हैं. अपहरणकर्ता ने फिरौती के लिए जब बच्चे के पिता को फोन किया, तो उसने पुलिस को जानकारी न देने के लिए कहा था. अपहरणकर्ता ने परिजनों से दो किस्तों में 30 हजार रुपये की मांग की थी. साथ ही इन पैसों को फोन पे के जरिए भेजने के लिए कहा था. पुलिस के मुताबिक, बच्चे की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और आरोपी तक पहुंचने के लिए जांच टीम ने परिजनों को फिरौती की रकम का भुगतान करने के लिए कहा. पुलिस की बात मानते हुए परिजनों ने अपहरणकर्ता के कहने पर पहले 20 हजार रुपये ट्रांसफर किए और इसके बाद 10 हजार रुपये ट्रांसफर किए. फिरौती की रकम मिलने के बाद अपहरणकर्ता बच्चे को एनएसईजेड मेट्रो स्टेशन के पास छोड़कर भाग गया. इसके बाद उसने नोएडा के एक जनसेवा केंद्र से पैसे निकाले. उधर, पुलिस ने अपहरणकर्ता का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और अन्य मैनुअल इनपुट का इस्तेमाल किया. पुलिस जांच के दौरान उस जन सेवा केंद्र पर पहुंची,

अयोध्या में शरारती तत्वों ने बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा को किया गायब हरकत में आई पुलिस

अयोध्या, 27 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा चोरी का मामला सामने आया है. मूर्ति की चोरी की घटना से दलित समाज में आक्रोश फैल गया. मवई थाना क्षेत्र के मवई गांव में 20 साल पहले बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित की गई थी. सोमवार को मूर्ति चोरी की सूचना को पुलिस ने गंभीरता से लिया. हरकत में आई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है. सीओ रुदौली सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि कैलाश गौतम नामक व्यक्ति ने मूर्ति गायब होने की सूचना दी थी. उसने बताया था कि मवई गांव के पास आवंटित जमीन पर बाबा साहेब आंबेडकर पार्क का निर्माण जन सहयोग से होना था. समतलीकरण से पहले जमीन की पैमाइश हो गई थी. कुछ दिन पहले जमीन की पैमाइश के लिए स्थानीय तहसील से लेखपाल ने भी मौके पर निरीक्षण किया था.

पीओके में भी लोकसभा की सीट रिजर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय का दावा

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। बीजेपी ने मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम की शुरुआत कर दी है और इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल से लाखों कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. इसके साथ ही पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता से कैसे जुड़ें रहे उसके लिए टिप्स भी दिया. चंदौली में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडेय सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सदर ब्लाक के झांसी गांव बूथ संख्या 222 पर मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यकर्म में शामिल हुए. इस दौरान बीजेपी नेता महेंद्र नाथ पांडेय ने पीएम मोदी द्वारा दिये जा रहे टिप्स को सुना. वहीं बाद में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को समझाया कि कैसे चंदौली लोकसभा में सभी बूथ मजबूत करें. महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा जीत के मंत्र मिले हैं. हम लोग अभिभूत हैं और सभी लोग घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार करेंगे. इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि पीओके के लिए लोकसभा की सीट रिजर्व रखी गई है. आज नहीं तो कल पीओके भारत का अंग होगा. वहां के स्थानीय लोग भारत से जुड़ना चाहते हैं, वहीं उन्होंने बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव पर हमला करते हुए कहा कि महा भ्रष्ट हैं लालू उनके बारे में क्या कहना. इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक कार्यक्रम कहा था कि पीओके से आवाज उठ रही है कि पाकिस्तान से मुक्ति देकर भारत में हमें फिर से शामिल करो.

एंबुलेंस न पहुंचने पर पति ने बनायी ठेला गाड़ी, फिर पत्नी को लेकर पहुंचा अस्पताल

रामपुर, 27 जून (एजेंसियां)। जिले में एक व्यक्ति ने अपनी बीमार पत्नी को अस्पताल ले जाने के लिए बाइक काटकर, उसमें ठेला जोड़ दिया. ताकि पत्नी को बार-बार अस्पताल ले जाने के लिए उसे एंबुलेंस का इंतजार और इंकार न सुनना पड़े. साथ ही सवारी से ले जाने के दौरान उसके लगने वाला भाड़े के पैसे बचे, जिससे वह अपनी पत्नी के इलाज में लगा सके. व्यक्ति के इस जुगाड़ को देखकर हर कोई हैरान रह गया. मामले की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने उचित मदद और एंबुलेंस न पहुंचने को लेकर जांच की बात कही है.दरअसल, जिले के चुन्ना वाले गांव के रहने वाले बहादुर की पत्नी के पैर में चोट लगी थी. उसने गांव में ही एक झोलाछाप को अपनी पत्नी को दिखाया था. झोलाछाप डॉक्टर ने उसकी पत्नी के कूल्हे में इंजेक्शन लगाया था।

आगरा में सनसनीखेज हत्याकांड, सिपाही की पत्नी का सिर कुल्हाड़ी से काटकर थाने पहुंचा ससुर, बहू ने उठाया था हाथ

आगरा, 27 जून (एजेंसियां)। आगरा के किरावली थाने के गांव मलिकपुर में मंगलवार की सुबह ससुर ने सनसनीखेज घटना हुई। आरक्षी गौरव सिंह की 26 वर्षीय पत्नी प्रियंका का ससुर ने कुल्हाड़ी से सिर काट कर धड़ से अलग कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद ससुर रघुवीर खुद थाने पहुंचा। पुलिस को बहू का सिर काटने की जानकारी दी तो अफरातफरी मच गई। आरोपित को हिरासत में लेने के बाद मौके पर दौड़ पड़ी। वहीं, मथुरा से पहुंचे प्रियंका के मायके वाले शव को देख भड़क गए। उन्होंने हाईवे जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें किसी तरह समझाकर शांत किया। घटना सुबह करीब सात बजे की है। मलिकपुर निवासी गौरव सिंह वर्ष 2018 बैच के आरक्षी हैं। वर्तमान में फर्रूखाबाद में तैनात हैं। गांव में पत्नी प्रियंका दोनों बच्चों, ननद और ससुर के साथ रहती थी। ससुर रघुवीर प्रियंका से किसी बात पर नाराज चल रहा था। दोनों के बीच पूर्व में कई बार विवाद हो चुका था। मंगलवार की सुबह प्रियंका खाना बना रही थीं। इसी दौरान ससुर ने उस पर कुल्हाडी से हमला बोल दिया। गर्दन पर वार कर उसे धड़ से अलग कर दिया। घटना के समय घर में मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। घर में मची चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घर के अंदर का दृश्य देखा तो होश उड़ गए। उधर, हत्या के बाद ससुर रघुवीर खुद थाने पहुंच गया। उसने पुलिस को बहू की हत्या की जानकारी दी। हत्यारोपित ससुर ने पुलिस को बताया कि सोमवार की शाम को छोटी बहू प्रियंका का बड़ी बहू से झगड़ा हो गया था। उसने प्रियंका को समझाने का प्रयास किया। बहू उससे ही लड़ने लगी और हाथ छोड़ दिया। अपने साथ हुई घटना के चलते वह पूरी रात नहीं सो सका। मंगलवार की सुबह बहू प्रियंका के खाना बनाते समय पीछे से गर्दन पर प्रहार कर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया।

टाइगर को लगी किसकी नजर

6 महीने में 95 बाघों की मौत से हड़कंप

देहरादून, 27 जून (एजेंसियां)। आगामी 29 जुलाई को ग्लोबल टाइगर्स डे है. देश में इसका मुख्य आयोजन इस बार उत्तराखंड के कार्बेट टाइगर रिजर्व में प्रस्तावित है. लेकिन ग्लोबल टाइगर्स डे से ठीक पहले एक ऐसी खबर आ गई, जिसने इस आयोजन की तैयारियों के उत्साह को फीका कर दिया है. खबर ये है कि इस साल बाघों की मौत के आंकड़े में अचानक उछाल आ गया है. साल के शुरुआती छह महीनों में ये आंकड़ा सौ के करीब पहुंच चुका है. इससे तीन राज्यों मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में हड़कंप मचा हुआ है, जो मौत के मामले में टॉप थ्री पर हैं. बता दें कि प्रोजेक्ट टाइगर के पचास साल पूरे होने पर इस साल अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों 2022 की बाघ गणना के आंकड़े जारी किए गए थे. इसके अनुसार, वर्ष 2018 से अब तक देश में बाघों के कुनबे में दो सौ बाघों की वृद्धि हुई है. लेकिन ये खुशी ज्यादा देर नहीं टिक पाई, क्योंकि इस साल शुरूआती छह महीने में ही इसके आधे बाघों की मौत हो चुकी है. नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी के अनुसार, इस साल 25 जून तक देश भर में 95 बाघों की मौत रिकॉर्ड की गई है. इनमें सबसे अधिक 24 बाघ मध्य प्रदेश, 19 बाघ महाराष्ट्र और 14 बाघ उत्तराखंड में मौत की नींद सो गए. इस चिंताजनक खबर के सामने आने के बाद हरकत में आए केंद्रीय वन मंत्रालय ने सभी राज्यों में जांच के आदेश दे दिए हैं. उत्तराखंड वाइल्ड लाइफ डिपार्टमेंट द्वारा भी इसकी जांच बिठा दी गई है. महानिदेशक वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार सीपी गोयल का कहना है कि जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ वनों पर अतिक्रमण का दबाव बढ़ता जा रहा है. फिर भी बाघों की मौत के मामले में राज्य सरकारों को जांच के आदेश दे दिए गए हैं. उत्तराखंड के चीफ वाइल्ड लाइप वार्डन समीर सिन्हा का कहना है कि निश्चित तौर पर यह चिंताजनक है. इसकी जांच के आदेश कर दिए गए हैं. हालांकि, समीर सिन्हा ये भी कहते हैं कि उत्तराखंड में टाइगर की बढ़ती आबादी के हिसाब से ये संख्या ज्यादा नहीं है. फिर भी कारणों की गहनता से पड़ताल की जा रही है. बीते सालों का आंकड़ा देखें तो 2021 में उत्तराखंड में तीन और 2022 में कुल छह बाघों की मौत हुई थी. लेकिन, 2023 में छह महीने में ही 14 बाघों की मौत ने स्वाभाविक तौर पर सभी को परेशान कर दिया है.

बाघों की संख्या के मामले में देशभर में उत्तराखंड का तीसरा स्थान है-2018 की गणना के अनुसार सबसे टॉप में 526 बाघों के साथ मध्य प्रदेश पहले स्थान पर है. कर्नाटक दूसरे स्थान पर है, कर्नाटक में बाघों की संख्या - 524 है. जबकि, उत्तराखंड तीसरे स्थान पर है, यहां बाघों की संख्या 442 है.-हालांकि, 2018 के बाद 2022 में हुई गणना के आंकड़े अप्रैल 2023 में जारी तो कर दिए गए हैं, लेकिन अभी तक स्टेट वाइज इसका ब्रेकअप जारी नहीं किया गया है. इसके लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है.

दिल्ली के 55 साल पुराने डियर पार्क पर लगेगा ताला

राजस्थान के जंगलों में भेजे जाएंगे हिरण, क्यों लिया यह फैसला

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में रहने वाले या यहां घूमने आने वालों के लिए बीच शहर में एक ऐसी जगह, जहां वह भरी गर्मी में भी ठंडक का अहसास कर सकते हैं. ऐसी जगह जहां शहर के बीच में हिरण अठखेलियां करते नज़र आ जाते हैं, जहां दिन में तितलियां मंडराती हैं तो रात में जुगनू जगह को रोशन करते हैं. खरगोश, गिलहरी जैसे ना जाने कितने जानवरों की पनाहगाह रहा दिल्ली के हौज खास का डियर यानी हिरण पार्क यहां रहने वाले बाशिंदों के लिए एक अलग मायने रखता है. लेकिन अब ये हिरण यहां नहीं होंगे. रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने हाल ही में ए. एन. झा डियर पार्क की 'मिनी जू या छोटे चिड़ियाघर' के तौर पर मान्यता रद्द कर दी है. अब इनमें मौजूद करीब 600 हिरणों को राजस्थान और दिल्ली के वन क्षेत्रों में शिकार का आधार बढ़ाने के लिए स्थानांतरित किया जाएगा. हालांकि इस पार्क को संरक्षित वन के रूप में रखा जाएगा, यह जिम्मेदारी दिल्ली विकास प्राधिकरण की होगी. इस कदम को उठाने के पीछे की एक अहम वजह हिरणों की बढ़ती आबादी है क्योंकि यहां पर उनका प्राकृतिक रूप से शिकार करने वाला कोई जानवर नहीं है.

राजस्थान और दिल्ली के अभ्यारण्य में घूमेंगे हिरण

2022 में पहले यह प्रस्ताव रखा गया था कि सभी हिरणों को राजस्थान के जंगलों में स्थानांन्तरित किया जाए, लेकिन बाद में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के अधिकारियों ने बैठक में यह फैसला लिया कि इनमें से कुछ हिरणों को दिल्ली की असोला भट्टी वन्यजीव अभ्यारण्य में ले जाया जाएगा. इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक दिल्ली के मुख्य वन्यजीव वार्डन सुनील बक्शी का कहना था कि असोला भट्टी वन्यजीव अभ्यारण्य में तेंदुओं की संख्या बहुत बढ़ गई है ऐसे में उनके खाने के लिए शिकार की पूर्ति करने की जरूरत भी है. इसलिए यह फैसला लिया गया है. केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के सदस्य सचिव का कहना है कि चित्तीदार हिरण की आबादी 2022 में 565 पाई गई थी जो अब बढ़कर 600 के करीब हो सकती है. इन्हें अब 70:30 के अनुपात में राजस्थान वन विभाग और एनसीटी दिल्ली के वन विभाग को सौंपा जाएगा.

पार्क को बंद करने की जरूरत क्यों पड़ी

दरअसल 1960 के दशक में इस पार्क की शुरुआत हुई तब यहां पर कुछ हिरणों को लाया गया था. तब से इनकी आबादी में लगातार इजाफा हुआ है, लेकिन दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के कर्मचारी इतनी बड़ी संख्या में हिरणों को संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं हैं. दूसरा वन्य अभ्यारण्य में शिकारियों के शिकार की आपूर्ति करने कि लिए भी यह जरूरी है ताकि पारिस्थितिकीय तंत्र में संतुलन स्थापित हो सके. जहां तक हिरणों के स्थानांतरण की बात है तो यह दिल्ली और राजस्थान के वनविभाग पर निर्भर करता है. दिल्ली वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल जानवरों के प्रजनन का मौसम है तो उन्हें इसके बाद ही ले जाया जा सकता है, ऐसे में सर्दियों का मौसम मुफीद होगा.

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से काम कर रहे दो मजदूरों की हुई मौत

भिंड, 27 जून (एजेंसियां)। जिले में करंट की चपेट में आने से दो लोगो की दर्दनाक मौत होने का मामला सामने आय है। छत से जा रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में काम कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई है। मौके पर मौजूद लोगो ने पुलिस को सुचना दी। सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक कबीर नगर में रहने बाले तुलाराम जाटव के घर दूसरी मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था, जिसके लिए 6 मजदूर गांधीनगर से मजदूरी करने के लिए आये हुए थे। देर शाम निर्माण कार्य समाप्त होने ही वाला था तभी अचानक छत से गुजरी हाईटेंशन लाइन की चपेट में दो मजदूर आ गये। एक मजदूर की तो मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा अशोक खन्ना गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एक मृतक की पहचान अशोक खन्ना निवासी भवानीपुरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि 26 वर्षीय अशोक खन्ना की शादी 1 साल पहले ही हुई थी। जबकि दूसरे अधेड़ मजदूर मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

एनआईए का दावा- दाऊद इब्राहिम की तरह गैंग चला रहा है लॉरेंस बिश्नोई

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। उम्र 31 साल...कद 5 फीट 7 इंच...कविता लिखता है...किताबें पढ़ता है...पर उस पर हत्या, अपहरण और लूटपाट के करीब 50 मुकदमे दर्ज हैं...पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला को उसी ने मरवाया।सुपर स्टार सलमान खान को जान से मारने की धमकी उसी ने दी...वो जब भी कोई वारदात करता है तो सोशल मीडिया पर उसकी मुनादी करता है...कहा जाता है कि उसके गैंग में 700 शूटर हैं...वो सालों से जेल में बंद है, लेकिन उसका गैंग देश के जिस हिस्से में जब चाहे वारदात को अंजाम दे सकता है।ये क्राइम कुंडली है लॉरेंस बिश्नोई की।देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी कहती है कि वो दाऊद इब्राहिम जैसा है।एनआईए ने अपने आरोपपत्र में कहा है कि जिस तरह से 1990 के दशक में दाऊद इब्राहिम ने देश में अपना नेटवर्क बनाया था ठीक उसी तर्ज पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई भी अपने आतंकी नेटवर्क का विस्तार कर रहा है।उसमें और दाऊद इब्राहिम में कई समानताएं हैं।चलिए उसकी क्राइम फाइल को तलाशने की कोशिश करते हैं.

कौन हैं लॉरेंस बिश्नोई?

ये संयोग है कि दाऊद इब्राहिम और लॉरेंस बिश्नोई के पिता पुलिस कांस्टेबल रहे हैं।लेकिन दाऊद का जन्म 26 दिसंबर 1955 को मुंबई में हुआ और लॉरेंस का जन्म 12 फरवरी 1993 को पंजाब के फिरोजपुर में। लॉरेंस के पिता का नाम लविंदर बिश्नोई और माता का नाम सुनीता बिश्नोई है।परिवार पंजाबी है लेकिन नाम रखा ईसाई। लॉरेंस जब पैदा हुआ तो काफी चमकीले रंग का था लिहाजा परिवार ने नाम रख दिया- लॉरेंस यानी उज्जवल।उसका एक भाई भी है जिसका नाम है अनमोल बिश्नोई।वो पेशे से बॉक्सर है।लॉरेंस के क्राइम की कहानी शुरू होती है डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ से।वहां उसने स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन ऑफ पंजाब यूनिवर्सिटी यानी 'सोपू' के बैनर तले छात्र यूनियन का चुनाव लड़ा। चुनाव में उसे हार मिली। उसे अपनी हार बर्दाश्त नहीं हुई और मामला इतना बिगड़ा की फायरिंग की नौबत आ गई।पुलिस ने लॉरेंस को पकड़ा।हालत ये हो गई कि परीक्षा देने के लिए भी वो कॉलेज मे हथकड़ी पहन कर आया।यहीं से उसके क्राइम लाइफ की शुरूआत हुई.

आपका बिल्ली-कबूतर नाटक खत्म हो गया

सीएम भगवंत मान पर अकाली नेता विरसा सिंह वल्टोहा का पलटवार

अमृतसर, 27 जून (एजेंसियां)। पंजाब में गुरबाणी के फ्री प्रसारण को लेकर शुरू हुआ घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर शिरोमणि अकाली दल और आप सरकार के बीच तीखी बहस जारी है।ऐसे में सीएम भगवंत मान द्वारा शिरोमणि अकाली दल की बैठक पर किए गए ट्वीट के बाद नेता विरसा सिंह वल्टोहा ने मान पर जमकर हमला बोला है। दरअसल, शिरोमणि अकाली दल के नेता ने सीएम से कहा कि, 'आपका बिल्ली कबूतर का नाटक आज खत्म हो गया है।आज तुमने शेरों की दहाड़ सुनी है, यदि तुम इसे अभी खोल सकते हो तो अपनी आंखें निकाल लो और यदि नहीं खोल सकते तो भाग जाओ।नहीं तो मस्सा रांगड़ बहुत शरारतें करते थे, लेकिन सिंहों को आपकी शरारतें पसंद नहीं आती।इतिहास अकाली सिंहों के साथ जो हुआ उससे भरा पड़ा है और पूरी दुनिया इससे वाकिफ है. बता दें कि,सीएम मान ने ट्वीट कर कहा कि, 'अकाली दल बादल के मुख्य प्रवक्ता हरजिंदर सिंह धामी जी, क्या आज की बैठक में सभी के लिए पवित्र गुरबाणी के मुफ्त प्रसारण के बारे में कोई चर्चा हुई या फिर मुझे शाप देने का प्रस्ताव पारित करके बैठक समाप्त कर दी गई? जब कबूतर आंख मारता है तो बिल्ली भागती नहीं.' वहीं इससे पहले सीएम ने कहा था कि, अमृतसर में हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) से गुरबानी का प्रसारण सभी के लिए मुफ्त होना चाहिए।

पति करता था चरित्र पर शक, झगड़े के बाद पत्नी को गला घोंटकर मार डाला

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। मुंबई के थाणे में पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, दोनों में अक्सर झगड़ा होता रहता था।रात को शराब पीने के बाद भी पति-पत्नी ने आपस में झगड़ा किया था। इसके बाद पति ने उसे मार डाला। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।मामला थाणे जिले के बदलापुर पुलिस स्टेशन का है। यहां घरेलू विवाद में पति ने पत्नी की हत्या कर दी। दोनों में आए दिन किसी न किसी बात को लेकर झगड़ा होता रहता था। रात भी शराब पीने के बाद दोनों में झगड़ा हुआ था। इसके बाद गुस्से में आकर पति ने पत्नी को गला घोंटकर मार डाला. बदलपुर थाने के पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी 42 साल का है और उसकी पत्नी 37 साल की है।

टिकट कटने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाएगी टीएमसी, लिस्ट में 52 नाम शामिल

कोलकाता, 27 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं, इस चुनाव से पहले राज्य में जमकर हिंसा देखी गई।वहीं टिकट बंटवारे को लेकर भी खूब बवाल हुआ। टीएमसी के भी कई नेताओं ने टिकट कटने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया, जिसके बाद अब पार्टी उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी कर रही है।पार्टी ने एक बार फिर इस बात को दोहराया है कि उन तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा, जो पार्टी के खिलाफ जाकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि करीब 52 टीएमसी कार्यकर्ताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। जिनमें अलग-अलग जिलों के नेता शामिल हैं। इनमें दक्षिण दिनाजपुर में 19, मालदा में पांच, नादिया में 21 और बांकुरा में एक टीएमसी कार्यकर्ता शामिल है, जिन्हें निष्कासित करने की तैयारी है। इसे लेकर टीएमसी की तरफ से पहले ही अपना रुख साफ कर दिया गया है। टीएमसी के महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने साफ कहा है कि जिन नेताओं ने निर्दलीय चुनाव लड़ा है उन्हें किसी भी हाल में वापस नहीं लिया जाएगा।वो अगर पंचायत चुनाव में जीत भी हासिल करते हैं, तो भी उनके लिए पार्टी के दरवाजे बंद ही रहेंगे।इसके अलावा सीएम ममता बनर्जी भी ये बात दोहरा चुकी हैं, उन्होंने एक चुनावी जनसभी के दौरान कहा था कि टिकट कटने पर उम्मीदवार चाहें तो निर्दलीय लड़ सकते हैं, लेकिन उनके लिए पार्टी में वापसी के सभी रास्ते बंद हो जाएंगे।

कार्यकर्ताओं को सख्त मैसेज

टीएमसी नेताओं ने ऐसे कार्यकर्ताओं को सख्ती से मैसेज देते हुए कहा है कि जो भी व्यक्तिगत तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं, या फिर जिन्होंने अपने रिश्तेदारों को प्रत्याशी के तौर पर खड़ा किया है उन सभी को पार्टी से निकाला जाएगा। बता दें कि पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे, जिसके बाद 11 जुलाई को नतीजे जारी होंगे। इससे पहले राज्य में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए जा रहे हैं।

पंजाब में आतंकी हमले की फिराक में आइएसआई , खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट

अमृतसर, 27 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआई पंजाब में बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। खुफिया एजेंसियों की गृह मंत्रालय को भेजी गई रिपोर्ट के बाद सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि आइएसआई ड्रोन के जरिये पंजाब से लगती भारतीय सीमा में हथियारों की खेप गिरा चुकी है। भारतीय सीमा में इसे तस्कर ठिकाने भी लगा चुके हैं। इस सारे मामले को लेकर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी गई है। खुफिया एजेंसियां पंजाब पुलिस के अधिकारियों के साथ मिलकर पुराने आतंकियों का रिकार्ड भी खंगाल रही हैं। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, पाकिस्तान में आतंकी परमजीत सिंह पंजवड़ व कनाडा में खालिस्तान टाइगर फोर्स के चीफ हरदीप सिंह निज्जर की हत्या तथा खालिस्तान समर्थक अवतार सिंह खंडा की मौत के बाद आइएसआई ऐसे हैंडलर की तलाश कर रही है

आखिर हमें मोदी की जरूरत क्यों है

कांग्रेस प्रवक्ता ने बीजेपी चीफ जेपी नड्डा से पूछा सवाल

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। एक तरफ जहां केंद्र की सत्ता में सत्तारूढ़ बीजेपी पीएम मोदी के नेतृत्व वाले शासन के 9 साल पूरे होने पर कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है तो वहीं कांग्रेस ने भी पीएम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इसी क्रम में कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी चीफ जेपी नड्डा से सवाल पूछा कि आखिर पीएम मोदी की उनको क्या जरूरत है? बीजेपी की मोदी फिर से कैंपेन की आलोचना करते हुए गौरव वल्लभ ने कहा, हमें मोदी की जरूरत फिर से क्यों है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, देश में मोदी सरकार के आने के बाद बीते 9 सालों में जीडीपी कमजोर हुई है, बेरोजगारी बढ़ी है, गरीबी-भुखमरी बढ़ी है, पीएम मोदी अपनी शुरू की हुई एक भी योजना को अब तक सफल नहीं बना पाए हैं।

'आपने देश में गरीबी कम कर दी मोदी जी'

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ के बयानों के बीच आज यानी मंगलवार को पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा मध्य प्रदेश में 5 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का उद्घाटन करते हुए नजर आए। इसके बाद उन्होंने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित मेरा बूथ, सबसे मजबूत कार्यक्रम में पीएम मोदी की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़े। जेपी नड्डा ने कहा, आपने बीते 9 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था को 10वें नंबर से उठाकर 5वें नंबर पर पहुंचा दिया, उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की गरीबी को 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत से भी कम कर दिया। अभी आप अमेरिका और मिस्र हो कर आए हैं। अमेरिका में जिस तरीके से आपने चर्चा की और जो समझौते हुए वो भारत और अमेरिका के रिश्तों को आज एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। आपने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। आप पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्हें अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दो बार संबोधित करने का अवसर मिला इसके लिए हमें आपके नेतृत्व पर गर्व है।

अनिल परब सहित उद्धव गुट के 5 नेताओं पर एफआईआर बीएमसी इंजीनियर के साथ मारपीट और धमकी का मामला

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने बीएमसी के एक इंजीनियर पर हमला करने और उसे धमकी देने के आरोप में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधान पार्षद एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल परब और चार अन्य के खिलाफ मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की। वकोला के एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अनिल परब ने अन्य शिवसेना (यूबीटी) पदाधिकारियों के साथ सोमवार दोपहर बाद बीएमसी के एच-ईस्ट वार्ड में एक मोर्चा निकाला था और पिछले हफ्ते उपनगरीय बांद्रा में एक पार्टी कार्यालय पर की गई कार्रवाई को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। परब के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल एच-ईस्ट वार्ड अधिकारी स्वप्ना क्षीरसागर से मिलने बीएमसी के कार्यालय पहुंचा। प्राथमिकी के मुताबिक, उन्होंने क्षीरसागर से उन अधिकारियों को अपने सामने बुलाने को कहा, जिन्होंने पार्टी कार्यालय को तोड़ने की कार्रवाई की थी, जबकि उस समय पार्टी कार्यालय के बोर्ड पर छत्रपति शिवाजी महाराज और शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की तस्वीरें लगी थीं। जब नगर निगम के कुछ कर्मी सामने आए तो शिवसेना (यूबीटी) के पदाधिकारियों ने बीएमसी के सहायक अभियंता अजय पाटिल (42) के साथ कथित तौर पर मारपीट की और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद बीएमसी अधिकारियों ने वकोला थाने में शिकायत की, जिसके आधार पर परब, संतोष कदम, सदा परब, उदय दलवी और हाजी अलीम खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि मामला भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है, जिसमें 353 (लोक सेवक को कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला करना या आपराधिक बल का इस्तेमाल करना) और 506-2 (आपराधिक धमकी देना) शामिल हैं।

नौकरी की बात कर गांव लौट रहे नाबालिग की ट्रेन हादसे में हुई दर्दनाक मौत

इंदौर, 27 जून (एजेंसियां)। शहर की एसेसरीज दुकान में नौकरी की बात कर गांव लौट रहे नाबालिग की ट्रेन हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। मृतक नाबालिक अजनोद का रहने वाला था। मृतक सोमवार को इंदौर आया था। जहा उसने कार एसेसरीज की दुकान पर काम की बात की थी। इसके बाद यहां से लौटकर अपने गांव अजनोद जा रहा था। लेकिन अजनोद के कुछ दूर पहले रेलवे फाटक के यहां गेट से पैर फिसल गया। जिससे वह ट्रेन के नीचे आ गिरा। उसका एक पैर कट कर अलग हो गया, जबकि दूसरा पिचक गया था। पुलिस के मुताबिक मृतक कार्तिक (17) पुत्र जगराम पटेल है। घटना की जानकारी मिलते ही गेटमैन ने उसे एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

बेटी ने किया मुस्लिम से निकाह तो पिता ने थाने में ओढ़ाया कफन

मंदसौर, 27 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंदसौर से एक चौंकाने वाली घटना आमने आई है यहाँ मुस्लिम लड़के संग प्रेम विवाह करने से नाराज पिता ने अपनी बेटी को कफन ओढ़ाकर फूल माला पहना दी थी। थाने में हुए इस घटनाक्रम का वीडियो वायरल होने के पश्चात एसपी ने एक एएसआई एवं 2 सिपाही लाइन अटैच कर दिए हैं। मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाने की यह पूरी घटना है। थाना इलाके के कयामपुर गांव में रहने वाली एक हिंदू लड़की डेढ़ वर्ष पहले अपने एक मुस्लिम शख्स के साथ घर से भाग गई थी। फिर उसने मुस्लिम मित्र से निकाह रचाकर इस्लाम धर्म अपना लिया था। उधर, लड़की के पिता ने नाहरगढ़ थाने में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस ने तलाश की तो पता चला कि लड़की निकाह के पश्चात अपने शौहर संग मुंबई में रहने लगी है। पुलिस के बोलने पर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए लड़की नारगढ़ थाने आई। मुंबई से वह अपने साथ वकील भी लाई थी।

वहीं, लड़की की शिनाख्त और चर्चा के लिए उसके पिता को भी थाने बुलवाया गया। जहां पुलिस को दिए बयान में लड़की ने अपने परिवार से बात करने से मना कर दिया तथा कहा कि वह साहिल से निकाह कर चुकी है। अब वह उसी के साथ रहना चाहती है। समझाइश देने के पश्चात भी वह पिता के साथ जाने के लिए राजी नहीं हुई। तत्पश्चात, पिता ने थाने में ही अपनी जीवित बेटी को सफेद कफन ओढ़ाकर फूल माला पहना दी तथा कहा कि आज के बाद हमारे लिए मर चुकी है। थाने में चले इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी परिजन ने ही अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामला जब सोशल मीडिया में वायरल हुआ तो मंदसौर एसपी अनुराग सूजनिया ने नाहरगढ़ थाने में पदस्थ एएसआई जगदीश ठाकुर सहित सिपाही महेंद्र और भावना नागदा को लाइन हाजिर कर दिया है। इस पूरी घटना को लेकर एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने भी बताया कि थाने के अंदर लड़की पर कफन डालने के मामले में लापरवाही बरतने पर 2 आरक्षकों एवं एक एएसआई को लाइन हाजिर कर दिया गया है। साथ ही इस मामले की तहकीकात जारी है। उधर, लड़की के पिता ने बताया, "मेरी बच्ची जो कॉलेज पढ़ने जाती थी। डेढ़ वर्ष पूर्व कॉलेज जाते हुए बस स्टैंड पर उसका अपहरण हुआ या किसी के साथ भागी? कुछ पता नहीं चला। लड़की डेढ़ वर्ष पश्चात अपना वकील लेकर थाने आई तथा उसने अपने शादी के कागज पेश किए। जो मुझे मान्य नहीं हैं। न ही समाज और धर्म को मान्य हैं। मैंने अपनी बेटी को वहीं से मृत मानते हुए, कफन पहनाकर उसको अंतिम विदाई दे दी।"

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 28 जून- 2023

रेल परिसर में बदहाली

अमूमन देश के हर बडे स्टेशनों पर भीड और बदहाली की व्यवस्था एक जैसी ही दिखाई देती है। लेकिन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के परिसर में हुई लापरवाही के कारण जिस तरह से एक महिला को अपनी जान देकर कीमत चुकानी पड़ी, वैसी मिसाल कम ही देखने व सुनने को मिलती है। बहरहाल यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि किसी जानलेवा दुर्घटना के बाद ही है कि सरकारी महकमों को होश आता है। देखा जाए, तो राजधानी होने के नाते नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की व्यवस्था हर स्तर पर चाक-चौबंद मानी जाती है। लेकिन उसी स्टेशन परिसर में खड़ा एक बिजली का खंभा एक महिला के लिए जानलेवा साबित हो जाता है। खबरों के अनुसार रविवार की सुबह चंडीगढ़ जाने के लिए स्टेशन पहुंचे एक परिवार को परिसर में जमा बारिश के पानी को पार करके आगे बढ़ना था। उसी समय एक स्कूल शिक्षिका ने जब पानी में फिसल कर गिरने से बचने के लिए पास के एक खंभे का सहारा लेने की कोशिश की, तो उसमें प्रवाहित करंट की वजह से उनकी जान ही चली गई। प्रथम दृष्टया तो यह एक हादसा लग सकता है, लेकिन परिसर में पानी जमा होने से लेकर खंभे में करंट प्रवाहित होने तक यह सिर्फ और सिर्फ दायित्वों के प्रति लापरवाही और व्यवस्थागत बदहाली का नमूना है। इसी लापरवाही की भेंट एक शिक्षिका चढ़ गई। ऐसे में सवाल लाजमी है कि बिजली के खंभे में करंट प्रवाहित होने की वजह क्या हो सकती है। जाहिर है उसकी देखरेख और निगरानी करने वाले संबंधित महकमे ने अपना काम ढंग से नहीं किया। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने भी अपना दायित्व सही तरीके से न निभाकर पूरी तरह से लापरवाही बरती। स्टेशन परिसर में बने पार्किंग क्षेत्र को किस तरह बनाया गया है कि वहां बारिश का पानी इस कदर भर गया था कि लोगों के लिए आना-जाना भी खतरनाक हो गया था। यह तो सभी जानते होंगे कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन एक भीड़भाड़ वाली जगह है और वहां अमूमन हर वक्त ही अपने गंतव्य तक जाने वाले लोगों की खासी तादाद मौजूद रहती है। दूसरी ओर, राजधानी का स्टेशन होने की वजह से व्यवस्था और सुविधाओं की कसौटी पर इस स्टेशन को हर स्तर पर बेहतर बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है। लेकिन यह कैसी व्यवस्था है कि वहां ट्रेन से अपने किसी गंतव्य की ओर जाने के लिए पहुंचा कोई व्यक्ति अपनी जान ही गंवा बैठता है? क्या यह साफ तौर पर लापरवाही से हुई मौत का मामला नहीं है? इसके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? देखा जाए तो व्यवस्थागत कोताही का यह कोई अकेला मामला नहीं है। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनमें यह बताया जाता है कि सड़क किनारे किसी बिजली के खंभे में प्रवाहित हो रहे करंट से अनजान कोई व्यक्ति धोखे से उसकी चपेट में आ जाता है और उसकी मौत हो जाती है। इसी तरह, मुख्य रास्ते के बीच या किनारे मैनहोल या फिर खुले नाले किसी की मौत को न्यौता दे रहे होते हैं, जिनमें गिर कर असमय ही किसी की जान चली जाती है। इस तरह के मामलों को आमतौर पर एक साधारण हादसा मान लिया जाता है और इसके लिए शायद ही किसी की जिम्मेदारी तय की जाती है। जबकि ऐसी घटनाएं सीधे-सीधे संबंधित महकमों के दायित्वों के निर्वहन में बरती गई घनघोर लापरवाही का ही नतीजा होती हैं। सरकार को ऐसे मामलों में मृतक के परिजन को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए। आम रास्तों या लोगों की आवाजाही वाले इलाकों में नागरिक सुविधाएं मुहैया कराने के साथ-साथ उनके रखरखाव के लिए भी विभागीय पुख्ता तंत्र होता है। दुर्भाग्य से यह तंत्र सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है, जिसका खमियाजा आम लोगों को उठाना पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि ऐसी हर घटना के बाद लापरवाही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय की जाए और दोषी पाए जाने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में इस तरह से हादसों को रोका जा सके।

मोदी को ही सर्वोच्च सम्मान क्यों ?

डॉ. वेदप्रकाश

मोदी को ही सम्मान अथवा सर्वोच्च सम्मान क्यों? यह प्रश्न कुछ लोगों के मन में अवश्य आता होगा। ऐसे लोगों से निवेदन है कि वे निहित स्वार्थों का चश्मा हटाकर, तटस्थ भाव से प्रधानमंत्री मोदी का विश्लेषण करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे शिखर व्यक्तित्व हैं, जिनके कृतित्व के कारण उन्हें न केवल भारतवर्ष में अपितु समूचे विश्व में सर्वोच्च सम्मानों से सम्मानित किया जा रहा है। हाल ही में उन्हें मिस्र का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द नील मिला है। यह उन्हें विदेश से मिला 13 वां सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। वे भारतवर्ष के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें सर्वाधिक सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। ध्यातव्य है कि वर्ष 2016 में सऊदी अरब ने उन्हें ऑर्डर आफ अब्दुल अजीज अल सऊद नामक सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया था। यह गैर मुस्लिम गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाने वाला सऊदी अरब का सर्वोच्च सम्मान है। वर्ष 2016 में ही अफगानिस्तान ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान द स्टेट ऑर्डर आफ गाजी अमीर अमानुल्ला खान से सम्मानित किया। वर्ष 2018 में फलस्तीन का सर्वोच्च सम्मान द ग्रैंड कालर आफ द स्टेट आफ फलस्तीन अवार्ड मिला। वर्ष 2019 में संयुक्त अरब अमीरात ने उन्हें ऑर्डर आफ जायद अवॉर्ड से सम्मानित किया। वर्ष 2019 में ही रूस ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर आफ सेंट एंड्रयू अवार्ड से सम्मानित किया। वर्ष 2019 में ही मालदीव ने उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर आफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ़ निशां इज्जुद्दीन सम्मान से सम्मानित किया। वर्ष 2019 में ही बहरीन ने अपने शीर्ष सम्मान किंग हम्माद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां से नवाजा। वर्ष 2020 में अमेरिका ने उन्हें असाधारण सेवाओं के लिए सैन्य सम्मान लीजन ऑफ मेरिट से सम्मानित किया। वर्ष 2021 में भूटान ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान आर्डर ऑफ द ड्रक ग्याल्प से सम्मानित किया। वर्ष 2023 में पलाऊ गणराज्य के राष्ट्रपति ने उन्हें एबाकल अवार्ड से सम्मानित किया। वर्ष 2023 में ही फिजी ने प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व को मान्यता देने हेतु अपने सर्वोच्च सम्मान द कंपेनियन आफ द ऑर्डर आफ फीजी से सम्मानित किया।

वर्ष 2023 में ही प्रशांत महासागर के द्वीपीय देशों की एकता की वकालत करने और ग्लोबल साउथ के मुद्दे का नेतृत्व करने के लिए पापुआ न्यू गिनी ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान कंपेनियन आफ द ऑर्डर आफ लोगोहू से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी को मिले ये सभी सर्वोच्च सम्मान भारत के जन जन के लिए गर्व का विषय हैं। ध्यातव्य है कि मिस्र द्वारा दिया गया ऑर्डर आफ द नील सम्मान उन राष्ट्राध्यक्षों अथवा प्रमुखों को दिया जाता है जिन्होंने मिस्र या मानवता की अमूल्य सेवा की हो। मिस्र के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार ग्रैंड मुफ्ती डा. शाकी ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की तारीफ की और कहा कि वह सबको साथ लेकर चल रहे हैं और बहुलवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि विश्व के सर्वाधिक राजनीतिक नेतृत्व का अनुभव रखने वाले प्रधानमंत्री मोदी हर क्षण मानवता के कल्याण के लिए चिंतित और प्रतिबद्ध रहते हैं।

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को ललकारा, पीओके भी हमारा

अशोक भाटिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में को पाक अधिकृत कश्मीर (पीओक) को लेकर दोबारा दोहराया है कि हम लोगों को पीओके में ज्यादा कुछ करने की जरुरत नहीं है। पीओके में जो जुल्म ढाया जा रहा है उसी से मांग उठ रही है कि हमको भारत में मिलना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर के लोग देख रहे हैं कि भारत में रह रहे लोग (जम्मू-कश्मीर) अमन और चैन की जिंदगी बिता रहे हैं। जबकि, पीओके में पाकिस्तान सरकार लोगों पर जुल्म पर जुल्म और नाइंसाफी करती है। इससे वहां के लोगों को तकलीफ होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा, पीओके पर सिर्फ गैर कानूनी कब्जा कर लेने से पाकिस्तान का अधिकार नहीं बन जाता, भारत की संसद में पीओके को लेकर एक सर्व सम्मत प्रस्ताव पारित है- 'पीओके भारत का हिस्सा था, है और आगे भी रहेगा।' रक्षा मंत्री ने कहा कि पीओके भारत का हिस्सा है, इसको लेकर संसद में तीन प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि इन दिनों पाकिस्तान की हालात बेहद खराब चल रही है। अवाम भूख और गरीबी से जूझ रही है। साथ ही पाक अधिकृत कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान से भी पाकिस्तान के खिलाफ आवाज उठने लगी है। पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान सरकार पर उनके साथ भेदभाव करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। यहां के नाराज लाग अब पीओके को भारत में मिलाने की मांग करने लगे हैं। शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए कश्मीरी उन्हें भारत के लद्दाख में एक बार फिर से मिलाने की बात कहनी शुरू कर दी है। कुछ समय पूर्व पाक अधिकृत कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान में वहां के लोग पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते देखे जा सकते थे । वहां के हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और जुलूस निकलते रहते हैं। पीओके के लोगों की मांग उन्हें भारत के लद्दाख क्षेत्र में मिला देने की रही है। इस मांग के तेज होते ही पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ी गई थी । इस विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे । रैली में लोगों ने कारगिल सड़क को खोलने की मांग की। उन्होंने नारा लगाया कि 'आर पार जोड़ दो, कारगिल को खोल दो।' स्पष्ट है कि अब पाकिस्तान टूटने वाला है और अब वहां बगावत भी शुरू हो गयी है, जिसकी पुष्टि खुद पाकिस्तान की जनता बार-बार खुल कर मीडिया के सामने कर रही है और साथ ही साथ भारत की प्रगति के कसीदे भी पढ़ते नजर आते हैं। पाकिस्तान की मौजूदा सरकार जोकि अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को नहीं संभाल पा रही है उसने पीओक का भी बेड़ा गर्ग कर दिया है। जानकारी के अनुसार हाल ही में जब कुछ पाकिस्तानी अफसर पीओक पहुंचे थे तो वहीं के लोगों ने उन्हें खदेड़ दिया। गौरतलब है कि इन दिनों पाकिस्तान में घनघोर खाद्यान्न संकट है। पूरा देश आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। आटे के लिए लंबी कतारें और लोगों में संघर्ष देखा जा रहा है। इसको लेकर लोगों में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। वहीं पाक अधिकृत कश्मीर के लोग सेना के खिलाफ भी खुलकर बयान दे रहे हैं। हाल ही में तालिबान की तरफ से भी पाकिस्तान को चेताया गया है। तालिबान की तरफ से भी पाकिस्तान का चुनौती मिलने से वह परेशान दिखने लगा है। इस बीच पीओके में पाकिस्तान विरोध और भारत में शामिल किए जाने की आवाज़ से पाकिस्तान सरकार और सेना की नींद उड़ने लगी है। लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश होने लगी है।गौरतलब है कि पाकिस्तान की मौजूदा हालात पर इन दिनों दुनिया भर की नजरें हैं। इसी बीच अमेरिका के डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मुक्तदर खान ने यह कह कर बवाल खड़ा कर दिया है कि भारत चाहे तो जंग का ऐलान कर पीओके और बाकी इलाकों को अपने में मिला सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस समय एक नाजुक मोड़ पर खड़ा है। ऐसे में भारत चाहे को उस पर चढ़ाई कर सकता है। उधर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने पहले ही कह दिया है कि हमें भारत से युद्ध नहीं करना चाहिए था। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि हमने भारत के साथ तीन युद्ध लड़े। लेकिन बदले में हमें परेशानी, गरीबी और बेरोजगारी मिली। हमने अपना सबक सीख लिया है। हम शांति के साथ रहना चाहते हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ ईमानदारी से बातचीत करने ऑफ़र भी दिया था । जिसपर अमेरिका के डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मुक्तदर खान ने कहा है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ ईमानदारी से बातचीत कहकर यू टर्न लिया है। खान ने कहा है कि पाकिस्तान हर मामले में कमजोर पड़ चुका है। हाल ये है कि कोई भी मुल्क पाकिस्तान पर हावी हो सकता है। भारत चाहे तो वो आसानी से कब्जा कर सकता है। इसके साथ ही मुक्तदर खान ने कहा है कि पाकिस्तान को सबसे पहले भारत का शुक्रिया अदा करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तक पाकिस्तान के नाजुक हालात का फायदा भारत नहीं उठा पा रहा है। पाकिस्तान को यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के नेताओं को समझना होगा कि भारत के नेता अधिक सम्मानित हैं और उनके जैसे नहीं हैं। मुक्तदर खान ने कहा कि पाकिस्तान मौजूदा समय में छह प्रकार के संकट का सामना कर रहा है। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक संकट, आर्थिक संकट, सुरक्षा का संकट, सिस्टम का संकट, पहचान का संकट और पर्यावरण संकट का हवाला दिया। इसके साथ ही हाल ही में वहां बिजली संकट खड़ा हो गया हैं। करीब दो दिन तक बिजली गुल रही थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि अगर मुझे हजारों और लाखों बार भी ये पूछा जाए कि मैं भारत में एक मुस्लिम की तरह रहना चाहूंगा या फिर पाकिस्तान में एक हिंदू की तरह रहना चाहूंगा तो मेरा हर बार जवाब होगा कि मैं हर बार भारत में मुस्लिम बनकर रहना चाहूंगा। गौरतलब है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से ही पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) चर्चा में रहा है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसके पहले भी शौर्य दिवस के मौके पर जम्मू कश्मीर में खड़े होकर पाकिस्तान को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में उसने (पाकिस्तान) जो किया है, उसकी कीमत के रूप में पीओके खोकर चुकानी पड़ेगी। साथ ही भारत के उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कुछ समय पूर्व कहा था कि भारतीय सेना पीओके को वापस लेने जैसे आदेशों को पूरा करने के लिए तैयार है। इस प्रकार की बातों से भी पीओके में रहने वालों को भारत से उम्मीद बंधी हैं। साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा था कि अब पीओके को आजाद कराने और भारत में शामिल कराने का वक्त आ गया है।

ईश्वर से प्रार्थना करें कि हम अपने जीवनकाल में यह अवसर देख पाएं। राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने भी ट्वीट किया था कि 1947 में पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा यूएन में दायर किया प्रस्ताव वापस लेकर पीओके को सेना हासिल कर सकती है। कुल मिलाकर, पीओके हर किसी की जुबान पर है, लेकिन क्या वाकई इसे पाकिस्तान के कब्जे से छुड़ाया जा सकता है? कुछ समय पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल दीपक कपूर के अनुसार सबकुछ संभव है, लेकिन इससे पहले हमें आतंकवाद और पाकिस्तान के प्रति रवैया बदलना होगा। अभी तक हम डिफेंसिव मोड में रहे हैं लेकिन अब हमें ऑफेंसिव-डिफेंस की नीति अपनाना होगी।

चुनौतियों के चंगुल से बाघ को बचाना होगा !

हरिओम शर्मा

देश में बाघों की संख्या में बढ़ोतरी का सिलसिला वर्तमान दशक में पर्यावरण व वन्यजीव प्रेमियों के लिए उत्साह बढ़ाने वाली है। करीब दो माह पहले प्रोजेक्ट टाइगर के पचास साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से जारी की गई बाघों की गणना रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में देश में बाघों का कुनबा 3167 को पार कर गया था । पिछली गणना में यह 2967 थी। इस प्रोजेक्ट से यह बात सिद्ध हो गई कि टाइगर जिंदा है। यह कामयाबी हर प्रकृति व वन्यजीव प्रेमी को उल्लासित करने वाली है। इसके पीछे देश में वन्यजीवों के प्रति सह-अस्तित्व की संस्कृति की भावना भी महत्वपूर्ण है। यह भी सत्य है कि जियो और जीने दो की भावना के कारण ही आज दुनिया के बाघों का सबसे बड़ा कुनबा (करीब 75 प्रतिशत बाघ) भारत में है लेकिन यह खुशी अथवा उल्लास तभी कायम रह सकता है जब बाघों की आबादी में बढ़ोतरी के साथ ही साथ अभयारण्यों और जंगलों में राष्ट्रीय पशु को बचाने के लिए उसके अनुकूल वातावरण बनाने की दिशा में पूरी पहल कर पाएं।

राजस्थान के सरिस्का और रणथम्भौर अभयारण्यों में भी बाधों की संख्या में खासा इजाफा हुआ है लेकिन यहां के अभयारण्यों में विभाग की लापरवाही भी किसी से छुपी नहीं है। एक सप्ताह पहले शावकों के साथ विचरण करने वाली बाघिन के समाचारों से वाह वाही लूटने वाले विभाग के आला अधिकारी शावकों की देखभाल के अभाव में मौत के मामलों में चुप्पी साध लेता है और बचने के तरीके इजाद कर लिए जाते हैं। यदि बाघों को हम कुत्ता-बिल्ली समझने की गलती कर बैठे तो आगामी दशकों में इनका दीदार भी मुश्किल हो जाएगा।

क्षेत्रफल विस्तार और प्राकृतिक फूड चेन की चुनौती

देश में बाघ अभयारण्यों का कुल क्षेत्रफल करीब 3 लाख 80 हजार लाख वर्ग किमी है जबकि गणना में जितने बाघ सामने आए हैं, उनके रहने के लिए 200 वर्ग किमी प्रति बाघ के हिसाब से 6 लाख वर्ग किमी स्थान की जरूरत है। लगभग हरेक बाघ को उसकी आवश्यकता या टैरिटरी के हिसाब से फिलवक्त लगभग आधा ही स्थान उपलब्ध हो पा रहा है जो किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं कहा जा सकता । आबादी के हिसाब से बाघों को पर्याप्त आवास नहीं मिल पाने का ही नतीजा है कि जंगल और अभयारण्यों में बाघों में और बघेरों में आए दिन वर्चस्व की लड़ाई या संघर्ष होता है और इसमें उन्हें जान तक गवांनी पड़ जाती है। इसके अलावा कभी-कभी ये अपनी चहलकदमी का दायरा बढ़ाते हुए इंसानी बस्तियों में भी पहुंच जाते हैं और इंसानों और सामाजिक जीवों पर हमला कर देते हैं। आए दिन ऐसे समाचार हमें देखने और सुनने को मिलते हैं। इस दौरान गांव-ढाणियों में ग्रामीणों के आक्रोश के चलते बाघ-बघेरों की जान भी ले ली जाती है। बाघों के जिंदा रहने के लिए जंगल में प्राकृतिक फूड चेन की उपलब्धता भी जरूरी है। बाघ-बघेरों को जिंदा रहने के लिए जंगल में हिरण, चीतल, नीलगाय व सूअर आदि शाकाहारी जीवों की पर्याप्त संख्या में जरूरी है। इसके लिए बाघ के आहार वाले जीवों के शिकार पर भी सख्ती से रोक लगाने की जरूरत है। अपने शिकार की तलाश में निकले बाघ भी इसके चलते शिकारियों के निशाने पर रहते हैं। बाघ के अंगों की तस्करी भी किसी से छुपी नहीं है। देश के विभिन्न भागों से यदा-कदा बाघ की खाल और अन्य अंगों की तस्करी के समाचार भी देखने को मिलते रहे हैं।

शिकारियों के हाथ मारे जा रहे बाघ

भारतीय वन्यजीव संरक्षण सोसायटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष देश में 2021 में 56 और 2022 में 38 बाघ शिकारियों के हाथों मारे गए। यह गंभीर चिंता वाली बात है। प्रत्येक वन्यजीव प्रेमी को ऐसी रिपोर्ट आहत करती है। इसे देखकर मुझे दो दशक पहले के सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य का वो दृश्य आ जाता है जब सरिस्का अभयारण्य बाघ विहीन हो गया था और इसे पुनः आबाद करने के लिए रणथम्भौर सहित अन्य जगहों से बाघ छोड़े गए थे। यह सब उस समय के कुख्यात बाघ तस्कर संसार चंद्र की देन थी जिसने सरिस्का से चुन चुनकर बाघों का शिकार किया। इस रोकने में वन विभाग का अमला भी विफल ही साबित हुआ। जंगली जीवों के फंदे में फंसाने और जान लेने के तरीके भी शिकारी खूब अपनाते हैं लेकिन ये जिम्मेदारों की पकड़ से दूर ही रहते आए हैं।

प्राकृतिक आवास से नही हो छेड़छाड़

जंगल का स्वरूप किसी भी स्थिति में जंगली जीवों के अनुरूप बने रहना वन्यजीवों के लिए हित में कहा जा सकता है। जीवों के प्राकृतिक आवास से छेड़छाड़ किसी भी हाल में जीव बर्दाश्त नहीं कर पाते। फिर चाहे वह जंगल में अवैध खनन हो या पेड़ों और वनस्पतियों को नुकसान। आए दिन घुसपैठ और शिकार के चलते बाघ सहित अन्य खूंखार जीवों के जीवन में खलल पड़े बिना नहीं रहता। इंसानी गतिविधियों के बढने का खामियाजा भी हम देख चुके हैं।

चलते जंगल पर कब्जे के प्रयासों के चलते बाघ-बघेरे इंसानी बस्ती में पहुंचते हैं और मवेशियों के साथ इंसान का भी शिकार करने से नहीं चूकते। पिछली कई घटनाओं में रणथम्भौर अभयारण्य क्षेत्र में इसकी पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा आवास और शिकार की तलाश में भी जंगल की सीमा से निकले बाघ-बघेरे राजमार्ग और हाइवे पार करने के दौरान हादसों का शिकार होकर जान गंवा बैठते हैं। कई बार जंगल में भी भूख-प्यास से व्याकुल होकर ये जीव दम तोड़ देते हैं जो जिम्मेदारों की देखभाल और बाघ संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़ा करते हैं।

हाथियों का भी हो संरक्षण

बाघ के साथ हाथियों का संरक्षण भी देश में बहुत जरूरी है। सदियों की विरासत समेटे देश और प्रदेश के कई शहरों में पर्यटन को लुभाने के लिए हाथी सफारी का अपना महत्व है। इसमें राजस्थान की राजधानी जयपुर का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। जयपुर में ही वन विभाग की लापरवाही के चलते कोरोना काल में हाथियों का अवैध परिवहन किसी से छुपा नहीं है। यहो से गुजरात सहित अन्य प्रदेशों तक हाथियों का अवैध परिवहन हुआ जिसे विभाग रोकने में विफल रहा है। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि भारत में इस वर्ष प्रोजक्ट टाइगर के 50 साल के साथ प्रोजेक्ट एलिफेंट के भी 30 साल पूरे होने पर जश्न मनाया जा रहा है। सरकार की ओर से हाल ही इन दोनों प्रोजेक्ट के लिए फंड का भी विलय कर दिया गया है। साथ ही दोनों प्रोजेक्ट के लिए प्रशासनिक सेटअप पूर्ववत रहेगा। लेकिन कॉमन हेड के लिए फंड मुहैया कराया जाएगा। खास बात यह है कि हाथियों की घटती संख्या के चलते हाथी संरक्षण पर अधिक ध्यान देने की जरूरत महसूस की जा रही है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2010 से 2020 तक देश में अप्राकृतिक कारणों से 1160 हाथी मारे गए। इनमें से कई करंट से व अन्य हादसों में मरे। ऐसे में जंगलों में बिजली के तारों का भी सही विकल्प ढूंढ़े जाने की आवश्यकता है, जो हाथियों के लिए काल साबित हो रहे हैं।

कव्वाली और घरवाली

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आजकल फेसबुकिया निठल्लों पर कपल चैलेंज का भूत सिर चढ़कर बोल रहा है। बोल नहीं नाच रहा है। एंगल-बेएंगल थोबड़ा लिये फेसबुक पर अपनी किस्मत की कव्वाली करने पर तुले हैं। अब कौन समझाए कि कव्वाली और घरवाली में क्या फर्क है? कव्वाली में एक बार के लिए जुगलबंदी हो सकती है, लेकिन घरवाली के सामने जुबानबंदी के सिवाय कुछ नहीं। जुबान खुली कि नहीं बंदा जान से अनजान, नाम से गुमनाम और पल में शमशान तक पहुँचने में देर नहीं लगती। बावजूद इसके बहुत सारे फेसबुकिया शूर-वीरों में लाइककिंग बनने की ऐसी मरोड़ मची है कि न उन्हें दिन का होश है और न रात का। जब देखो तब एक ही भूत सवार है- कपल चैलेंज। कपल चैलेंज न हुआ ऑस्कर अवार्ड हो गया। नौकर से लेकर तस्कर तक, जोकर से लेकर ब्रोकर तक और छुटकर से बड़कन तक सब में नाशपिटिया ससुरा फेसबुकिया का हव्वा सवार है। जो देखो वही मुँह उठाए चला आता है। मानो गैरों की शादी में अब्दुल्ला की जगह कपल को दीवाना बनना है। एक दिन अचानक फेसबुकिया के मुँह पर लड़की के नाम से किसी लड़के ने कपल चैलेंज का पोस्टर चेप दिया। लिखा था- जो कोई माई का लाल है, उससे यह सवाल है कि आ जाना फलाना तारीख और टाइम को फेसबुकिया चैलेंज लेने। फेसबुकिया बाँकुरों के बीच सवाल ने ऐसा बवाल मचाया कि सबकी चाल बदली-बदली सी लगने लगी। सभी बताए तारीख और टाइम को फेसबुकिया अखाड़े में पहुँचे। कमाल की बात यह थी कि सबके सब चेहरे पर मुखौटा लगाए पहुँचे थे। कोई अपना चेहरा दिखाना नहीं चाहता था उन्हें डर था कि कोई उनकी नकल न कर ले। सभी अपने-अपने कपल के साथ कैट, डॉग, बुल वॉक करते हुए अपनी तस्वीरें चेपने लगे। चूँकि कोरोना काल था इसलिए कपल चैलेंज पर इसका असर साफ-साफ दिखायी दे रहा था। पहले एक कपल ने अपनी तस्वीर ऐसे चेपी जैसे उसे अमेरिका में प्रचार प्रसार के लिए बुलाया गया हो। तस्वीर में युवक अपनी पत्नी के पैर दबा रहा था और पत्नी रिमोट से चैनल। यह कपल तस्वीर कोरोना काल की आधी आबादी की सच्चाई बयान कर रही थी। तस्वीर चेपने वाले की जमकर तारीफ की जा रही थी, लेकिन पैरदबाऊ महाराज दबे पैर वहाँ से गायब नजर आए। किसी ने सब्जी के आगे पब्जी के लिए उदास लड़के की तस्वीर पोस्ट कर दी। सभी को लगा हो न हो यह चीन की ही चाल है। किसी ने यूट्यूब के जरिए कढ़ाई को कोयलाबाबू बनाने वाली लड़की की तस्वीर पोस्ट कर डाली। प्रतियोगिता मानो अपनी ऊफान पर था। लोगों को लगा इसी में से कोई विजेता होगा। लेकिन मास्कधारी प्रतियोगिता आयोजक ने पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त वाला पोस्टर चेप दी।

कठोर श्रम और दृढ़ संकल्प सदैव जीवन को शीर्ष पर ले जाती है

संजीव ठाकुर

अनवरत श्रम हमेशा सफलता की ओर मार्ग प्रशस्त करता है इसमें यदि दृढ़ संकल्प ,संयम की युती भी हो तो सोने पर सुहागा होगी1 हर कदम पर सफलता आपके कदमों पर होगी1 हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि ₹आशाओं पर आकाश टिका हुआ है₹ और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।

सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए।

जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं।

देवशयनी एकादशी कल, मुहूर्त, महत्व, उपाय, मंत्र, कथा, पूजा विधि

मुहूर्त देवशयनी एकादशी 2023 :
जून 29, 2023, गुरुवार को देवशयनी एकादशी
आषाढ़ मास की देवशयनी एकादशी का प्रारंभ 29 जून, गुरुवार को 03.18 ए एम से होकर 30 जून को, शुक्रवार को 02.42 ए एम पर समापन होगा।

दिन का चौघड़िया :
शुभ- 05.26 ए एम से 07.11 ए एम
चर- 10.40 ए एम से 12.25 पी एम
लाभ- 12.25 पी एम से 02.09 पी एम
अमृत- 02.09 पी एम से 03.54 पी एम
शुभ- 05.38 पी एम से 07.23 पी एम

दिन का चौघड़िया :
शुभ- 05.26 ए एम से 07.11 ए एम
चर- 10.40 ए एम से 12.25 पी एम
लाभ- 12.25 पी एम से 02.09 पी एम
अमृत- 02.09 पी एम से 03.54 पी एम
शुभ- 05.38 पी एम से 07.23 पी एम

रात्रि का चौघड़िया :
अमृत- 07.23 पी एम से 08.38 पी एम
चर- 08.38 पी एम से 09.54 पी एम
लाभ- 12.25 ए एम से 30 जून 01.40 ए एम
शुभ- 02.55 ए एम से 30 जून 04.11 ए एम
अमृत- 04.11 ए एम से 30 जून 05.26 ए एम।
पारण समय : पारण/व्रत तोड़ने का समय- 30 जून 2023, शुक्रवार, को 01.48 पी एम से 04.36 पी एम तक।

इस वर्ष 29 जून 2023, गुरुवार को देवशयनी या हरिशयनी एकादशी मनाई जा रही है। इस व्रत से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी के दिन देवशयनी एकादशी मनाई जाती है, जो कि कार्तिक शुक्ल एकादशी तक यानी यह 4 माह श्री विष्णु जी का शयनकाल माना जाता है। आइए यहां जानते हैं इस एकादशी के बारे में संपूर्ण जानकारी एक स्थान पर...

महत्व: आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी/हरिशयनी एकादशी कहते हैं। इस दिन से संसार के पालनहार श्रीहरि भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य नहीं होते हैं, क्योंकि यह समय चातुर्मास का होता है। इस दौरान साधु-संत एक ही स्थान पर निवास करके प्रभु की साधना करते हैं, उनका भ्रमण बंद हो जाता है। देवशयनी एकादशी के दिन भगवान श्रीहरि की विधिवत पूजन से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है। मन शुद्ध, निर्मल होता है तथा विकार दूर हो जाते हैं। इस व्रत से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा मृत्यु पश्चात मोक्ष की प्राप्ति होती है।

उपाय : 1. एकादशी के दिन पीपल में श्रीविष्णु का वास होता है इसलिए पीपल में जल अर्पित करें।
2. भगवान विष्णु को शयन कराने के पूर्व खीर, पीले फल और पीले रंगी मिठाई का भोग लगाएं।
3. यदि धनलाभ की इच्छा है तो श्रीहरि विष्णु के साथ ही माता लक्ष्मी की पूजा करें।
4. इस दिन शाम को तुलसी माता के सामने गाय के घी का दीपक जलाएं और उन्हें प्रणाम करें। ध्यान रखें कि माता तुलसी को जल अर्पित नहीं करना है।
5. दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर एकादशी के दिन भगवान श्री विष्णु का अभिषेक करें।

देवशयनी एकादशी की पौराणिक कथा :
इस एकादशी की पौराणिक कथा के अनुसार सूर्यवंश में मांधाता नाम का एक चक्रवर्ती राजा हुआ है, जो सत्यवादी और महान प्रतापी था। वह अपनी प्रजा का पुत्र की भांति पालन किया करता था। उसकी सारी प्रजा धन-धान्य से भरपूर और सुखी थी। उसके राज्य में कभी अकाल नहीं पड़ता था।

एक समय उस राजा के राज्य में तीन वर्ष तक वर्षा नहीं हुई और अकाल पड़ गया। प्रजा अन्न की कमी के कारण अत्यंत दुखी हो गई। अन्न के न होने से राज्य में यज्ञादि भी बंद हो गए। एक दिन प्रजा राजा के पास जाकर कहने लगी कि हे राजा! सारी प्रजा त्राहि-त्राहि पुकार रही है, क्योंकि समस्त विश्व की सृष्टि का कारण वर्षा है। वर्षा के अभाव से अकाल पड़ गया है और अकाल से प्रजा मर रही है। इसलिए हे राजन! कोई ऐसा उपाय बताओ जिससे प्रजा का कष्ट दूर हो।

राजा मांधाता कहने लगे कि आप लोग ठीक कह रहे हैं, वर्षा से ही अन्न उत्पन्न होता है और आप लोग वर्षा न होने से अत्यंत दुखी हो गए हैं। मैं आप लोगों के दुखों को समझता हूं। ऐसा कहकर राजा कुछ सेना साथ लेकर वन की तरफ चल दिया। वह अनेक ऋषियों के आश्रम में भ्रमण करता हुआ अंत में ब्रह्माजी के पुत्र अंगिरा ऋषि के आश्रम में पहुंचा। वहां राजा ने घोड़े से उतरकर अंगिरा ऋषि को प्रणाम किया।

मुनि ने राजा को आशीर्वाद देकर कुशलक्षेम के पश्चात उनसे आश्रम में आने का कारण पूछा। राजा ने हाथ जोड़कर विनीत भाव से कहा कि हे भगवन! सब प्रकार से धर्म पालन करने पर भी मेरे राज्य में अकाल पड़ गया है। इससे प्रजा अत्यंत दुखी है। राजा के पापों के प्रभाव से ही प्रजा को कष्ट होता है, ऐसा शास्त्रों में कहा है। जब मैं धर्मानुसार राज्य करता हूं तो मेरे राज्य में अकाल कैसे पड़ गया? इसके कारण का पता मुझको अभी तक नहीं चल सका। अब मैं आपके पास इसी संदेह को निवृत्त कराने के लिए आया हूं। कृपा करके मेरे इस संदेह को दूर कीजिए। साथ ही प्रजा के कष्ट को दूर करने का कोई उपाय बताइए।

इतनी बात सुनकर ऋषि कहने लगे कि हे राजन! यह सतयुग सब युगों में उत्तम है। इसमें धर्म को चारों चरण सम्मिलित हैं अर्थात इस युग में धर्म की सबसे अधिक उन्नति है। लोग ब्रह्म की उपासना करते हैं और केवल ब्राह्मणों को ही वेद पढ़ने का अधिकार है। ब्राह्मण ही तपस्या करने का अधिकार रख सकते हैं, परंतु आपके राज्य में एक शूद्र तपस्या कर रहा है। इसी दोष के कारण आपके राज्य में वर्षा नहीं हो रही है।

इसलिए यदि आप प्रजा का भला चाहते हो तो उस शूद्र का वध कर दो। इस पर राजा कहने लगा कि महाराज मैं उस निरपराध तपस्या करने वाले शूद्र को किस तरह मार सकता हूं। आप इस दोष से छूटने का कोई दूसरा उपाय बताइए। तब ऋषि कहने लगे कि हे राजन! यदि तुम अन्य उपाय जानना चाहते हो तो सुनो। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पद्मा या हरिशयनी नाम की एकादशी का विधिपूर्वक व्रत करो।

व्रत के प्रभाव से तुम्हारे राज्य में वर्षा होगी और प्रजा सुख प्राप्त करेगी क्योंकि इस एकादशी का व्रत सब सिद्धियों को देने वाला है और समस्त उपद्रवों को नाश करने वाला है। इस एकादशी का व्रत तुम प्रजा, सेवक तथा मंत्रियों सहित करो। मुनि के इस वचन को सुनकर राजा अपने नगर को वापस आया और उसने विधिपूर्वक पद्मा एकादशी का व्रत किया। उस व्रत के प्रभाव से वर्षा हुई और प्रजा को सुख पहुंचा। अतः इस मास की एकादशी का व्रत सब मनुष्यों को करना चाहिए। यह व्रत इस लोक में भोग और परलोक में मुक्ति को देने वाला तथा समस्त पापों का नाश करने वाला हैं।

पूजा विधि : - देवशयनी एकादशी के दिन सूर्योदय से पहले जागकर दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर स्नान करके साफ-सुथरे वस्त्र धारण करें।
- एक चौकी पर नया कपड़ा बिछाकर भगवान श्री विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें।
- इस दिन श्री विष्णु को प्रसन्न करने के लिए उनका पंचोपचार या षोडषोपचार विधिवत पूजन करें।
- भगवान विष्णु को पीला रंग अधिक प्रिय है, अतः पूजन के समय उन्हें पीले रंग के पुष्प चढ़ाएं।
- विष्णु जी की पूजा करते समय धूप-दीप जलाएं।
- श्री विष्णु की कथा का वाचन करें।
- पूजन के बाद विष्णु जी और लक्ष्मी जी की आरती करें।
- पूजन के उपरांत पीले रंग की मिठाई अथवा पीले फलों का भोग लगाएं।
- श्री विष्णु का निवास पीपल और केले के वृक्ष में भी माना गया है अतः इन पेड़ों की पूजा अवश्य करें और जल भी चढ़ाएं।
- श्री विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।
- भगवान श्रीहरि विष्णु के नामों का अधिक से अधिक जाप करें।

-पंढरीनाथ नर्सिकर

एकादशी मंत्र : 1. हरिशयन मंत्र :
सुप्ते त्वयि जगन्नाथ जमत्सुप्तं भवेदिदम।
विबुद्दे त्वयि बुद्धं च जगत्सर्वं चराचरम।

2. देवशयनी एकादशी संकल्प मंत्र :
सत्यस्थः सत्यसंकल्पः सत्यवितसत्यदस्तथा।
धर्मो धर्मी च कर्मी च सर्वकर्मविवर्जितः।।
कर्मकर्ता च कर्मैव क्रिया कार्यं तथैव च।
श्रीपतिर्नृपतिः श्रीमान्सर्वस्यपतिरूर्जितः।।

3. देवशयनी एकादशी विष्णु क्षमा मंत्र :
भक्तस्तुतो भक्तपरः कीर्तिदः कीर्तिवर्धनः।
कीर्तिर्दीप्तिः क्षमाकान्तिर्भक्तश्चैव दया परा।।

बारिश का पानी किस्मत भी बदल देता है, जानिए कैसे?

इन दिनों वर्षा ऋतु जारी है और बरसात का मौसम भला किसे पसंद नहीं होता। जिस तरह इन दिनों बारिश के पानी में नहाने के कई सारे फायदे होते हैं, उसी तरह बारिश के पानी के कुछ खास ज्योतिषीय उपाय भी किए जाते हैं, जो कि आपके जीवन को खुशहाल बनाने, धन समृद्धि पाने में मदद करते है।

जी हां, यह सच हैं कि बारिश का पानी सिर्फ खेत-खलिहान, फसलों के लिए ही उपयोगी नहीं बल्कि सेहत, सुंदरता में तो चार चांद लगाते ही हैं, साथ ही यह हमारे जीवन में चल रही समस्याओं से निजात दिलाने में बहुत कारगर है। तो आइए यहां आपके लिए प्रस्तुत हैं बारिश के पानी का 1 खास

चमत्कारिक उपाय-

आप एक लोटे या एक मिट्टी के घड़े में बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए उसे अपनी छत पर रख दें और फिर जब बरसात थम जाए और मौसम साफ होकर धूप आने पर इस पानी को अच्छे से धूप दिखाएं। फिर इसे अपने घर की ईशान अथवा उत्तर दिशा में रख दें। फिर यह पानी आप आम के पत्तों पर छिड़क दें, माना जाता है कि यह उपाय आपकी आर्थिक समस्या दूर करने के साथ ही आपकी किस्मत बदल देगा। साथ ही इस पानी को अपने आराध्य देव का ध्यान करते हुए घर के सभी कोनों में छिड़कने मात्र से घर का माहौल सकारात्मक बनेगा तथा घर में लक्ष्मी आगमन के योग बनेंगे।

अमरनाथ यात्रा एक जुलाई से
पहले दिन बने 4 शुभ संयोग

साल 2023 में अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ 1 जुलाई दिन शनिवार से हो रहा है।अमरनाथ यात्रा के पहले दिन 4 शुभ संयोग बन रहे हैं, जो इस दिन को और भी विशेष बना रहे हैं।इस साल अमरनाथ यात्रा 62 दिनों की है।श्रावण पूर्णिमा के दिन इसका समापन होगा।अमरनाथ यात्रा के लिए शिव भक्त पूरे वर्ष इंतजार करते हैं, ताकि उनको पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन हों।बाबा अमरनाथ की यात्रा बेहद कठिन होती है, इसके लिए कई मौसम संबंधी चुनौतियों को पार करना होता है।कभी ठंड तो कभी बारिश का मौसम हर कदम पर शिव भक्तों की परीक्षा लेता है।तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ।कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर कौन से शुभ संयोग बन रहे हैं?

अमरनाथ यात्रा 2023 का शुभारंभ
इस साल अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ 1 जुलाई को आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हो रहा है। इस दिन त्रयोदशी तिथि रात 11 बजकर 07 मिनट तक है।यह शिव आराधना का दिन है।इस दिन प्रदोष व्रत रखा जाता है। अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई 2023 से प्रारंभ होकर 31 अगस्त 2023 तक चलेगी। श्रावण पूर्णिमा को अमरनाथ यात्रा का अंतिम दिन होगा। इस दिन पूजा के बाद यात्रा का समापन हो जाएगा।

अमरनाथ यात्रा के पहले दिन बने 4 शुभ संयोग
पंचांग के आधार पर देखा जाए तो इस साल अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर यानि पहले दिन 4 शुभ संयोग बन रहे हैं।पहला शुभ संयोग है शनि प्रदोष व्रत।इस दिन शनि प्रदोष का व्रत रखकर शाम में शिव पूजा करते हैं, इससे संतान सुख प्राप्त होता है।

अमरनाथ यात्रा के प्रारंभ वाले दिन दूसरा शुभ संयोग है शिववास का। 1 जुलाई को प्रातःकाल से ही शिववास है। इस दिन भगवान शिव का वास नंदी पर रात 11 बजकर 07 मिनट तक है।शिववास रुद्राभिषेक के लिए जरूरी होता है।

इस दिन तीसरा शुभ संयोग है रवि योग। 1 जुलाई को रवि योग दोपहर 03 बजकर 4 मिनट से प्रारंभ हो रहा है, अगले दिन सुबह 05 बजकर 27 मिनट तक रहेगा। इस दिन चौथा संयोग है शुभ योग तथा अनुराधा नक्षत्र। अमरनाथ यात्रा के पहले दिन प्रातःकाल से शुभ योग बना है और अनुराधा नक्षत्र है।शुभ योग रात 10 बजकर 44 मिनट तक है और उसके बाद से शुक्ल योग है।वहीं अनुराधा नक्षत्र दोपहर 03 बजकर 04 मिनट तक है, उसके बाद से ज्येष्ठा नक्षत्र प्रारंभ है।

अमरनाथ यात्रा का महत्व
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव ने पवित्र अमरनाथ गुफा में माता पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई थी।लेकिन वे बीच में ही सो गईं। इस पवित्र अमरनाथ गुफा में हर साल बर्फ का शिवलिंग बनता है और उसकी पूजा की जाती है।बाबा अमरनाथ की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कष्ट दूर होते हैं।

मंगल ग्रह कर रहे राशि परिवर्तन, 4 राशि के लोगों को मिलेगा अपार धन

सेनापति मंगल ग्रह का गोचर 1 जुलाई 2023 को रात में हो रहा है।मंगल ग्रह सिंह राशि में प्रवेश कर राशि चक्र की 12 राशियों को सकारात्मक और नकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को रक्त का कारक ग्रह माना जाता है, साथ ही यह मनुष्य के पराक्रम और साहस को भी प्रदर्शित करता है। नवग्रहों में इस ग्रह को योद्धा के रूप में भी देखा जाता है। मंगल ग्रह का राशि परिवर्तन 4 राशियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा।

मेष राशि के जातक
वैदिक ज्योतिष में बताया गया है कि जिन जातकों के राशि मेष है उनके लिए मंगल ग्रह का गोचर कई अच्छे परिणाम लेकर आ रहा है।इस दौरान विद्यार्थियों को शुभ समाचार मिलेंगे, प्रतियोगी परीक्षा में आपका चयन हो सकता है।यदि आप रियल एस्टेट और प्रॉपर्टी से जुड़े हैं तो ये समय आपको लाभ पहुंचा सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं इंपोर्ट एक्सपोर्ट का बिजनेस करने वाले लोगों को मुनाफा हो सकता है।

तुला राशि के जातक
जिन जातकों की राशि तुला है उनके लिए मंगल ग्रह का गोचर शुभ माना जा रहा है।पार्टनरशिप में कोई व्यापार करना चाहते हैं तो लाभकारी रहेगा।रुका धन मिल सकता है, कहीं इन्वेस्टमेंट करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है।कोर्ट कचहरी के मामले से दूर रहें, नौकरी पेशा लोगों को उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।कुल मिलाकर यह समय आपके लिए अच्छा होने वाला है।

वृश्चिक राशि के जातक
जिन जातकों की राशि वृश्चिक है उनके लिए मंगल ग्रह का गोचर लाभकारी माना जा रहा है।मंगल ग्रह के राशि परिवर्तन से कई क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। ऑफिस में मान सम्मान मिलेगा, कड़े परिश्रम से कठिन से कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकते हैं। घर में मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।प्रेमी के साथ बाहर घूमने जाने का योग बन रहा है।

मीन राशि के जातक
ज्योतिष में बताया गया है जिन जातकों की राशि मेष है उनके लिए मंगल ग्रह का गोचर लाभकारी होने वाला है।नौकरी में मनचाहा प्रमोशन प्राप्त कर सकते हैं। शत्रु परास्त होंगे, भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, विदेश जाने का योग बन रहा है।विश्वास में बढ़ोत्तरी होगी समाज में मान सम्मान बढ़ेगा।

तमन्ना भाटिया के लिए फैन की दीवानगी:हाथ पर बनवाया टैटू

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। 'लस्ट स्टोरीज 2' के लिए 'नो-किसिंग' के अपने नियम को तोड़ने के बाद, तमन्ना ने जी करदा में टॉपलेस होकर बोल्ड सीन करने के बाद विवाद खड़ा कर दिया था। इसी बीच उन्हें मुंबई एयरपोर्ट स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में तमन्ना अपनी एक फैन दीवानगी देख रो पड़ीं।

फैन ने बनवाया हाथ में टैटू

इस वीडियो में तमन्ना ने अपनी एक महिला फैन से मुलाकात की, जिसने अपने हाथ में तमन्ना का टैटू बनवा रखा है। उस महिला ने तमन्ना का एयरपोर्ट पर फूलों के गुलदस्ते से स्वागत किया फिर एक्ट्रेस के पैर भी छुए। इस महिला ने अपना टैटू दिखाया जिसमें तमन्ना का चेहरा बना हुआ था। और लव यू तमन्ना भी लिखा हुआ था। ये सब देख तमन्ना भावुक हो गईं और उसे प्यार से गले लगाते हुए नजर आ रही हैं। ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

तमन्ना भाटिया जल्द ही लस्ट स्टोरीज 2 में नजर आएंगी। तमन्ना के साथ इस सीरीज में विजय वर्मा, नीना गुप्ता, अमृता सुभाष, अंगद बेदी, कुमुद मिश्रा, काजोल, मृणाल ठाकुर और तिलोत्तमा शोमे भी हैं। यह सीरीज 29 जून को OTT पर स्ट्रीम होने वाली है।

लस्ट स्टोरीज 2 में अपनी भूमिका और नो-किसिंग नियम को तोड़ने के बारे में बात करते हुए, तमन्ना ने फिल्म कंपैनियन को दिए इंटरव्यू में कहा,' मैं वाकई में सुजॉय के साथ काम करना चाहती थी। मैं खुश हूं कि उन्होंने सिरीज के इस पार्ट में मुझे कास्ट करने के बारे में सोचा। मैंने अपने फिल्मी करियर में कभी भी किसी फिल्म में इतना इंटिमेट सीन नहीं किया है, ऐसे सीन्स वाकई बेहद कम हैं।

उन्होंने आगे कहा- 'मैं ऐसी ऑडियंस में से एक थी, जिसके लिए यह सब बेहद ऑकवर्ड होता था। मैं हमेशा सोचती थी कि मैं ये सब कभी नहीं करूंगी, मैं कभी भी ऑनस्क्रीन किस नहीं करूंगी। मेरे लिए उस ढांचे से बाहर निकलना वाकई एक बड़ी बात थी।' तमन्ना ने आगे कहा- 'भारत बहुत बड़ा देश है। इसके कई हिस्सों का अभी विकास होना बाकी है। मैं नहीं चाहती थी कि यह सब मुझे पीछे खींच ले। यह पूरी तरह से क्रिएटिविटी के लिए था। ऐसा नहीं है कि मैं 18 साल बाद मशहूर होने की कोशिश कर रही हूं। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है।

'हसीन दिलरुबा' को याद आए शाहरुख-काजोल, सिक्स पैक ने खींचा ध्यान

फिल्म 'हसीन दिलरुबा' में तापसी पन्नू के अंदाज ने दर्शकों का ध्यान खींचा था. इस फिल्म का अब दूसरा पार्ट आने वाला है और इसे लेकर अक्सर तापसी फोटोज शेयर करती रहती हैं. तापसी ने एक बार फिर व्हाइट साड़ी में अपना नया फोटो शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस फोटो के साथ उन्हें शाहरुख खान और काजोल के हिट गाने की लाइनें लिखी हैं.

तापसी पन्नू ने इंस्टाग्राम पर जो फोटो साझा किया है, उसमें तापसी सिक्स पैक प्लांट करती नजर आ रही है और इसके अलावा अन्य तस्वरी में सूरज अस्त होता दिख रहा है और बीच में पानी नजर आ रहा है. तापसी ने व्हाइट साड़ी में बैक पोज दिया है. तापसी ने इस फोटो के साथ लिखा, 'मैं ठहरी रही जमीं चलने लगी, धड़का ये दिल सांस थमने लगी....'. शाहरुख खान और काजोल के फेमस रोमांटिक सॉन्ग की लाइनें उनके फोटो पर सूट कर रही हैं. तापसी पन्नू का ये खूबसूरत फोटो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. तापसी के इस फोटो पर फैंस फायर और हार्ट इमोजी शेयर कर रहे हैं. साथ ही अपने अंदाज में उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं.

तापसी के एक फैन का कहना था, 'देखूं मैं तूझे या देखूं कुदरत के नजारे...'. तापसी की ये फोटोज उनकी आने वाली फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' के प्रमोशन का हिस्सा भी कही जा सकती हैं क्योंकि फिल्म में उनका किरदार ऐसे ही लुक में है. तापसी पन्नू की फिल्म 'हसीन दिलरुबा' 2 जुलाई 2021 को रिलीज हुई थी. फिल्म में तापसी के साथ विक्रांत मेसी और हर्षवर्धन राणे थे. अब फिल्म का दूसरा पार्ट 'फिर आई हसीन दिलरुबा' अगस्त में रिलीज होगा.

हसीन दिलरुबा ' में तापसी पन्नू के अंदाज ने दर्शकों का ध्यान खींचा था

सोनू सूद ने शर्टलेस होकर किया वर्कआउट

पहाड़ों के बीच की एक्सरसाइज, 49 साल की उम्र में फ्लॉन्ट किए एब्स

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद जल्द ही फिल्म 'फतेह' में नजर आएंगे। इस फिल्म के लिए एक्टर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस बीच सोनू ने अपना एक वर्कआउट वीडियो सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वह हिमांचल में पहाड़ों के बीच शर्टलेस होकर वर्कआउट करते हुए दिखाई दिए।

फ्लॉन्ट किए सिक्स पैक एब्स

इस वीडियो में एक्टर नदी के किनारे जबरदस्त एक्सरसाइज कर रहे हैं। इस दौरान 49 साल के एक्टर ने अपने सिक्स पैक एब्स भी फ्लॉन्ट किए। वीडियो में एक्टर पहाड़ों के बीच रनिंग करते दिखे तो कभी पत्थरों के बीच पुश-अप्स मारते हुए नजर आए। वीडियो सामने आते ही फैंस उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं।

फतेह में नजर आएंगे सोनू

फिल्म 'फतेह' एक एक्शन थ्रिलर है, जो पंजाब पर ही आधारित है। फिल्म फतेह में सोनू एक दमदार विलेन का रोल निभाएंगे। इसे सोनू सूद की ही होम प्रोडक्शन शक्ति सागर प्रोडक्शन के बैनर तले ही तैयार किया जा रहा है। इस फिल्म में उनके साथ जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

सुशांत के निधन पर हुई ट्रोलिंग पर रिया बोलीं

लोगों ने मेरे बारे में क्या-क्या कहा, मैं उनकी नहीं सुनूंगी..हार नहीं मानूंगी

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में बताया कि उनके बॉयफ्रेंड दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद उनका जीवन कैसा था। रिया ने याद किया कैसे एक्टर के निधन के बाद बहुत से लोगों ने उनके बारे में बहुत सी बातें कहीं। रिया ने जिक्र किया कि सुशांत की मौत के बाद उन्हें मीडिया ने सवालों से घेर लिया। लोगों के मन में उन्हें लेकर नफरत फैल गई। रिया ने खुद यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- कभी हार मत मानो।

बहुत से लोग बहुत सी बातें कहते हैं-रिया

रियलिटी शो रोडीज सीजन 19 के नए एपिसोड के प्रोमो में रिया एक कंटेस्टेंट से बात करती नजर आती हैं। इस दौरान एक्ट्रेस अपनी लाइफ के स्ट्रगल के बारे में खुलकर बात करती हैं और शो में आए कंटेस्टेंट का हौसला बढ़ाती हैं। चर्चित वीडियो में रिया ने कहा- बहुत से लोग बहुत सी बातें कहते हैं। लोगों ने मुझे भी बहुत सी बातें बताईं। उन्होंने मुझे किस तरह के नाम दिए। मेरे बारे में क्या-क्या कहा, लेकिन क्या मैं उनकी वजह से चीज मानूंगी? क्या मैं एक्सेप्ट कर लूंगी, जो मेरे बारे में उन्होंने कहा? क्या मैं उनके कारण से अपनी जिंदगी में रुकूंगी? बिल्कुल भी नहीं!

आखिर ये लोग कौन हैं जो आपके बारे में कहते हैं

रिया ने महिला कंटेस्टेंट को मन की बात सुनने और नेगेटिव बातें कहने वालों पर ध्यान न देने की सलाह दी। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने हमेशा अपनी लाइफ में इस बात को फॉलो किया है। उन्होंने कहा- 'क्या मैं उनकी आवाज को महत्व दूंगी? नहीं! मेरी अपनी आवाज है और आपकी भी। आप उसे सुने और जिंदगी में वैसा ही करें, जो आपका मन कहता है। आखिर ये लोग कौन हैं जो आपके बारे में कहते हैं।'

रिया ने 2012 में की थी करियर की शुरुआत

रिया चक्रवर्ती ने 2012 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उनका फिल्मी करियर कुछ खास नहीं रहा। हालांकि, 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस काफी सुर्खियों में आईं। दरअसल, सुशांत की मौत के बाद एक्टर की फैमिली ने रिया पर सुशांत को मेंटल टॉर्चर करने और उसने पैसे ऐठने का आरोप लगाया था। परिवार ने दावा किया था कि एक्ट्रेस सुशांत को ड्रग्स देती थीं। इसके बाद रिया ड्रग्स केस के चलते काफी दिनों तक जेल में भी नहीं थीं।

हालांकि, सुशांत के निधन के 2 साल बाद रिया ने रोडीज के जरिए अपने करियर में वापसी की है। रिया चक्रवर्ती आखिरी बार 2021 में फिल्म चेहरे में नजर आईं थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, इमरान हाश्मी क्रिस्टल डिसूजा, सिद्धांत कपूर और अन्नु कपूर जैसे एक्टर्स ने काम किया है।

सामांथा के एक्स हसबैंड संग अफेयर पर शोभिता ने तोड़ी चुप्पी

सामांथा रुथ प्रभु के एक्स हसबैंड नागा चैतन्य तलाक के बाद से ही अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला के साथ डेटिंग को लेकर चर्चा में हैं. शोभिता खुद ही अपने काम से ज्यादा नागा चैतन्य के साथ अपने कथित रिश्ते को लेकर हमेशा सुर्खियां बटोरने में कामयाब रही हैं. पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि वे कभी किसी एक्टर को डेट नहीं करेंगी क्योंकि इसमें गुरूर बहुत ज्यादा होता है.' लेकिन उन्होंने अब इससे एक दम उलट प्रतिक्रिया दी है और चैतन्य के साथ भी अपनी डेटिंग पर रिएक्शन दिया है.

बताई अपने पार्टनर की खूबियां

शोभिता धूलिपाला से जब हाल ही में पूछा गया कि किसी अभिनेता के साथ डेटिंग के बारे में सवाल किया गया तो वे काफी शरमा गई. उन्होंने जवाब में कहा कि वे अब किसी अभिनेता के साथ डेट करने के लिए तैयार हैं. गुडाचारी अभिनेत्री ने फिल्म कंपेनियन के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'हां मुझे लगता है कि मेरे जजमेंट्स थोड़े कम हो गए हैं.' फिर उन्होंने खुद को संभाला और कहा, उन्हें नहीं लगता कि जजमेंटल होना कोई बुरी बात है. मुझे ऐसा लगता है कि जब हम डिसीजन लेते हैं तभी ह म मूल्यांकन कर सकते हैं.

शोभिता ने आगे कहा, 'अगर हम किसी व्यक्ति को जानने के लिए उसका लगातार विश्लेषण करते हैं और जजमेंटल बने रहते हैं, तो यह सही नहीं है. लेकिन मुझे लगता है, जजमेंटल होना बहुत स्वाभाविक है. हो सकता है कि मुझमें एक निश्चित मात्रा में कंडीशनिंग रही हो, जो मैं वर्षों से कम कर रही हूं.'

शोभिता ने अपने पार्टनर की खूबियों के बारे में भी बताया जो वो एक आदर्श साथी में तलाशती हैं. उन्होंने कहा, 'मैं ग्राउंडिंग की तलाश में हूं. मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो जमीं से जुड़ा हो और उसे यह समझ हो कि हम सभी आएंगे और जाएंगे और जीवन छोटा है. मैं चाहती हूं कि वो दयालु और अच्छा हो और जानता हो कि हम सब कुछ नहीं हैं.'

एक इंटरव्यू में शोभिता से पूछा गया कि वे नागा चैतन्य में क्या पसंद करती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि उनका स्वभाव. वे एक शांत दिमाग वाले, शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं. मैं वास्तव में इसकी प्रशंसा करता हूं.' गौरतलब है कि शोभिता के साथ चैतन्य की डेटिंग रूमर्स सामंथा से तलाक के बाद से ही शुरू हो गई थीं. हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते की इन अफवाहों पर ध्यान नहीं दिया है लेकिन हमेशा इनडायरेक्ट हिंटी दी है कि इनके बीच कुछ तो चल रहा है.

दरअसल, कुछ महीने पहले लंदन से शोभिता और चाय की एक तस्वीर ने इंटरनेट पर आग लगा दी थी. उन्हें चाय के बैकग्राउंड में बैठे हुए देखा गया जब थैंक यू अभिनेता एक शेफ के साथ पोज दे रहे थे. पिछले साल नवंबर में, कथित तौर पर दोनों की लंदन छुट्टियों की एक तस्वीर वायरल हुई थी.

बात अगर वर्कफ्रंट को लेकर करें तो शोभिता धूलिपाला मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियन सेलवन' के दूसरे भाग में नजर आई थीं. फिल्म में उनकी एक्टिंग की काफी सराहना हुई थी. अब वे जल्द ही वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर 2' में अभिनय करती दिखने वाली हैं. वहीं नागा चैतन्य आखिरी बार Custody में दिखे थे और फिलहाल उनके पास कोई बड़ी फिल्म नहीं है।

कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों के बीच फ्लॉन्ट किया टोन्ड फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों नई फिल्म सत्यप्रेम की कथा के प्रमोशन्स में खूब बिजी चल रही हैं. सत्यप्रेम की कथा प्रमोशन्स के बीच ही एक्ट्रेस को लेकर एक खबर वायरल हो रही है कि वह प्रेग्नेंट हैं. लेकिन कियारा आडवाणी ने अपने नए लुक से सारी अफवाहों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है. जी हां...कियारा आडवाणी ने ग्रीन कलर की साइड से कटी ड्रेस पहन जमकर अपना परफेक्ट टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट किया है.

कियारा आडवाणी ने एक बार फिर से अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों को ताला लगा दिया है. अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा के प्रमोशन के दौरान ऐसी ड्रेस पहनकर पहुंची हैं, जिसमें वह जमकर अपना परफेक्ट टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं.

ग्रीन कलर की टाइट और साइड से कटी ड्रेस में कियारा आडवाणी ने जमकर अपने कर्व्स को फ्लॉन्ट किया है. कियारा आडवाणी के इस प्रमोशनल लुक ने सभी अफवाहों को हवा कर दिया है.

कियारा आडवाणीके फैशनसेंस की बात करें तो एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर की समरकूल ड्रेस के साथ मैचिंग कलर की हाई हील्स कैरी की है. कियारा ने बालों को बीच से पार्टिशन देकर खुला छोड़ा है. न्यूड मेकअप के साथ कियारा ने ब्राउन लिपस्टिक से अपना कुल पूरा किया है. बता दें, कियारा आडवाणी बीते दिनों सत्यप्रेम की कथा फिल्म के प्रमोशन के लिए जयपुर गई थीं. जहां से उन्होंने को-एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ एक तस्वीर शेयर की थी. उस तस्वीर को देख ही नेटीजन्स ने एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी के कयास लगाने शुरू कर दिए थे. कियारा आडवाणी के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की सत्यप्रेम की कथा 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. सत्यप्रेम की कथा के बाद कियारा आडवाणी फिल्म गेम चेंजर में सुपरस्टार राम चरण के साथ दिखाई देंगी.

पोता-पोती के इग्नोरेंस से डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं बुजुर्ग!

बच्चों को सिखाएं उनका सम्मान करना

आजकल बुजुर्गों पर ध्यान नहीं देना, घर वालों यहां तक पोते-पोतियों द्वारा उन्हें ओल्ड एज होम छोड़ देने की बात करना बहुत काम सी बात है। खासतौर से छोटे बच्चे ये जानते ही नहीं कि बड़े-बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज का कितना अहम हिस्सा हैं। इसी कारण बुजुर्गों में डिप्रेशन, अकेलपान फील करने जैसी समस्याएं आ जाती हैं। घर में दादी- दादा अक्सर पोते-पोती का इग्नोरेंस झेलते हैं। वहीं मोहल्ले और पास- पड़ोस के बुजुर्गों को तो बच्चे बिल्कुल बोझ समझते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि समाज में बुजुर्गों को सही स्थान मिले। इसकी शुरूआत बच्चों से ही करनी चाहिए, क्योंकि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनको जररूरत है बदलने की ताकि बुजुर्गों का बेहतर सम्मान हो सके।

खुद भी करें बुजुर्गों का सम्मान

बच्चे घर में बड़ो को देखकर ही सिखते हैं। तो बच्चों के सामने बुजुर्गों के पैर छुएं, नमस्ते करें और उनका हाल पूछें। इससे बच्चे इन

चीजों को सीखेंगे। आमतौर पर माता-पिता बच्चों से कह तो देते हैं बुजुर्ग को नमस्ते करने के लिए, लेकिन जब आप सिर्फ बच्चों को न कहकर खुद भी इस बात पर अमल करेंगे तो बच्चों पर इसका ज्यादा असर पड़ेगा। फिर वो भी इन चीजों को खुद ही अपनी आदतों में शुमार कर लेंगे।

खाने में टेबल में दें बुजुर्गों को प्राथमिकता

खाने में टेबल पर बुजुर्गों को प्राथमिकता दें। उनके पसंद का खाना बनाएं। अक्सर माता-पिता बच्चों की जिद तो पूरी कर देते हैं, लेकिन बुजुर्गों को क्या चाहिए, इसका ख्याल नहीं करते हैं। हफ्ते में कम से कम 1 से 2 बार खाने में ऐसी चीजें भी रखें जो बुजुर्गों को पसंद हो। इससे बच्चों पर साइकोलॉजिकल इफेक्ट पड़ेगा और उन्हें लगेगा कि घर में दादा-दादी का भी महत्व है। अगर मोहल्ले में भी कोई बुजुर्ग दंपति अकेली रहती हो तो हफ्ते में उन्हें एक दिन खाने पर बुलाएं। ध्यान रखें घर के बच्चे और बुजुर्ग एक साथ ही खाना खाएं।

बच्चों को बताएं बुजुर्गों का योगदान

बुजुर्गों ने जो काम किए, उसका महत्व, त्याग और योगदान बच्चों से शेयर करें। खासतौर से दादा-दादी ने किन मुश्किल परिस्थितियों को झेला वह बच्चों से शेयर करें। अगर मोहल्ले में भी कोई बुजुर्ग हों तो उनकी जिंदगी के बारे में पता कर बच्चों के बताएं। इससे बच्चों के मन में बुजुर्गों के प्रति सम्मान बढ़ेगा।

घूमने जाते वक्त बुजुर्गों को भी लें साथ में

घूमने जाते वक्त बुजुर्गों को भी लेकर जाएं। अक्सर परिवार में घूमने का कार्यक्रम बनता है तो बुजुर्गों को घर पर छोड़ दिया जाता है। ये बहुत जरूरी है कि कभी-कभी घर के बुजुर्ग भी साथ चलें। अगर सिंगल फैमिली में रहते हैं तो आसपड़ोस के बुजुर्ग लोगों संग किसी शाम पार्क में टहलने जाएं और साथ में बच्चों को भी रखें। घर में बुजुर्ग के साथ यदि स्वास्थ्य समस्या है तो कम से कम बच्चों के सामने उनसे चलने के लिए पूछें जरूर बेशक वह मना कर दें।

ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरुकता कम करेगी बीमारी का जोखिम

आज दुनिया भर से कई सारी महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से जुझ रही हैं। इसके बारे में पर्याप्त जानकारी ना होने के कारण महिलाओं को इस बीमारी का सामना करना पड़ता है। हाल ही में हुए अध्ययन के अनुसार, दुनियाभर में स्तन कैंसर से जुझ रही महिलाओं के मौत के मामलों में बीते दशक के दौरान कमी आई है। 1990 के दशक की तुलना में बीते दशक के मुकाबले ब्रेस्ट कैंसर के कारण मौत के मामले लगभग दो तिहाई कम थे। आंकड़ों के कम होने का कारण है कि महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरुक किया गया है। ब्रिटेन में दस साल तक हुए शोध में यह बात सामने आई है कि जागरुकता फैलाने से स्तन कैंसर का जोखिम कम हुआ है।

क्या हुआ अध्ययन में साबित?

अध्ययन में यह बात सामने आई है कि 1990 के दशक में स्तन कैंसर के इलाज के बाद अगले पांच सालों में मौत का जोखिम सिर्फ 14.4 फीसदी था वहीं 2010-15 में यह जोखिम 4.9% रह गया। यह अध्ययन बीजोएम जर्नल में प्रकाशित हुआ है। ऑक्सफॉर्ड में हुए इस शोध में अध्ययन में जनवरी में 1993 और दिसंबर 2015 के बीच स्तन कैंसर का इलाज कराने वाली 5,12,447 महिलाओं को शामिल किया गया था।इसके अलावा शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में राष्ट्रीय कैंसर पंजीकरण डाटा के 2020 तक के आंकड़ों का भी इस्तेमाल किया है।

हर उम्र की महिलाओं का जोखिम होगा कम

शोधकर्ताओं के अनुसार, पिछले 20 सालों के दौरान स्तन कैंसर के कारण मृत्यु दर में कमी आई है परंतु शोध से पता चला है कि मौत का जोखिम हर उम्र की महिलाओं के लिए कम हुआ है। इलाज के प्रकार में भी जागरुकता का प्रभाव पड़ा है चाहे कैंसर का इलाज स्क्रीनिंग के जरिए हो या स्क्रीनिंग का इस्तेमाल न किया गया हो परंतु जागरुकता फैलाने से इस खतरनाक कैंसर का जोखिम कम हुआ है।

ऐसे फैलाई जा रही है लोगों में जागरुकता

स्तन कैंसर के प्रतिलोगों में बीते तीन दशकों से जागरुकता फैलाई जा रही है। अक्टूबर महीने को स्तन कैंसर जागरुकता माह के रुप में बीते 37 सालों से मनाया जा रहा है। ब्रेस्ट कैंसर की थीम भी गुलाबी रंग की है इसलिए इसे गुलाबी महीना भी कहा जाता है। इसके अलावा साल 2009 से लगातार ऑस्ट्रेलिया के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में नए साल की शुरुआत में एक टेस्ट मैच खेला जाता है जिसे पिंक टेस्ट कहते हैं।

एक्सपर्ट्स ने बढ़ाई जांच

शोधकर्ताओं ने बताया कि 1990 के दशक से स्तन कैंसर के प्रति जागरुकता बढ़ाई है। इसके अलावा महिलाओं के लिए हो रही नियमित जांच में भी इजाफा हुआ है। शोधकर्ताओं का मानना है कि अध्ययन के साथ रोगियों के इलाज में बेहतर जानकारी मिलेगी।

इतना है भारत में जीवन दर

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में करीबन 40 फीसदी युवा महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से जुझ रही हैं। भारत में स्तन कैंसर रोगियों के जीवित रहने का

दर सिर्फ 66 से 70 फीसदी तक है वहीं विकसित देशों में यही जीवन दर 99 फीसदी तक पहुंच गया है। वहीं आंकड़ों की मानें तो देश में हर चार मिनट में एक महिला में स्तन कैंसर का पता चलता है।

ऐसे कम हुए आंकड़े

साल 1993-99 तक मौत का खतरा 14.4 था, 2000-2004 तक 11.2 मौत का खतरा था, साल 2005-2009 तक मौत का खतरा 9.1 था वहीं साल 2010 से 2015 तक मौत का खतरा 4.9 था।

ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण

. स्तन या अंडरआर्म्स में गांठें पड़ना
. ब्रेस्ट के कुछ हिस्सों का मोटा पड़ना और सूजन आना
. स्तन की त्वचा में जलन होते रहना
. निप्पल या स्तन में लाल धब्बे दिखाई देना
. निप्पल में खिंचाव महसूस होना
. निप्पल से खून आना
. स्तन की शेप और साइज बदलना
. ब्रेस्ट के किसी हिस्से में दर्द और बिना मतलब के दर्द होना

पापा मैं छोटी से बड़ी हो गई क्यों...

कठोर से कठोर पिता भी रो पड़ता है बेटी की विदाई पर

पापा मेरी नन्ही दुनिया, तुमसे मिल कर पली-बढ़ी, आज तेरी ये नन्ही बढ़कर, तुझसे इतनी दूर खड़ी... पिता और बेटी का रिश्ता सबसे अनमोल और खास होता है। कहा जाता है कि पिता का दिल बहुत मजबूत होता है वह मां की तरह हर छोटी- छोटी बात पर आंसू नहीं बहाते, लेकिन बेटी की विदाई पर वह अपने आंसू रोक नहीं पाते।

जब घर में बेटी का जन्म होता है तो सबसे ज्यादा खुशी पिता को ही होती है, देखा भी यही गया है कि बेटियां सबसे ज्यादा करीब अपने पिता के ही होती हैं। जब पिता को कोई तकलीफ होती है तो बेटी ही सबसे पहले उनके पास दौड़ी चली आती है। ये रिश्ता इतना प्यारा है जिसे शब्दों में बयां करना बेहद मुश्किल है।

जो पिता कभी अपनी बेटी की आंखों में आंसू नहीं देख सकता,

जरा सोचिए उसे घर से विदा करना कितना मुश्किल होता होगा। कोई भी पिता नहीं चाहता की उसकी बेटी उससे दूर रहे लेकिन समाज का दस्तूर यही है, ऐसे में दिल पर पत्थर रखकर बेटी को विदाई देनी ही पड़ती है। जब बेटी का रिश्ता तय होता है तो सबसे ज्यादा खुश भी पिता ही होते हैं और सबसे ज्यादा दुख भी उन्हें ही होता है।

सीता की विदाई के समय राजा जनक जैसे ज्ञानी भी अपने धैर्य पर संयम नहीं रख सके थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार विदाई के समय माता सीता अपने महल में एकांत में रो रही थी। जानकी जी का रोना देखकर जनक जी भी खुद को रोक नहीं पाए और फूट-फूट कर रोने लगे।

तभी तो कहा जाता है कि पिता और बेटी के संबंध का दुनिया में कोई भी मोल नहीं हो सकता। इस रिश्ते में प्यार के अलावा और कुछ नहीं होता। भले ही बेटी अपनी मां से एक बार के लिए कुछ छुपा सकती हैं परंतु वह अपने पिता को सब कुछ बता देती हैं। तभी उसके जाने के बाद पिता खुद को बेहद अकेला महसूस करते हैं।

शादी के समय जब बेटी की विदाई होती है मां तो अपना दर्द बयां कर देती है, लेकिन पिता किसी तरह अपने आंसुओं को रोक पाते हैं। क्योंकि वह जानते हैं कि अगर वह अपनी लाडली के आगे रो पड़े तो वह बुरी तरह से टूट जाएगी उसके लिए कदम आगे बढ़ाना बेहद मुश्किल हो जाएगा, तभी वह आखिर में रोते हैं।

बाकी सब भावुकता में रोते है पर पिता उस बेटी के बचपन से विदाई तक के पल याद कर कर के रोता है। एक पिता किसी कोने में जाकर कितना फुट फुट रोता है यह बात वही जान सकता है जिसने अपनी बेटी को विदा किया है।

फ्रिज के ऊपर ये चीजें रखने से घर में आती है नेगेटिवीटी

आज के जमाने में तो फ्रिज हर घर में होती है। हर घर में ये एक जरूरी मशीन है। ठंडे पानी से लेकर बचा हुआ खाना रखने के लिए ये बहुत उपयोगी है। लेकिन लोग फ्रिज के अंदर ही नहीं, ऊपर भी सामान रख देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कुछ चीजें हैं जो फ्रिज के ऊपर नहीं रखनी चाहिए। इससे आपको भविष्य में धन की हानि झेलनी पड़ती है।

न रखें पौधे

कई लोग सजावट के लिए फ्रिज के ऊपर प्लांट आदि भी रख देते हैं। वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार बांस के पौधे को कभी भी फ्रिज के ऊपर नहीं रखना चाहिए। वैसे को घर

के प्रवेश द्वार में बांस के पौधा रखना शुभ माना जाता है, लेकिन फ्रिज के ऊपर रखने से इसका कोई लाभ नहीं मिलता।

फ्रिज खत्म करती हैं दवाइयों का असर

फ्रिज के ऊपर दवाइयों को रखने से उनका असर खत्म हो जाता है। विज्ञान भी इस बात को मानता है। फ्रिज से निकलने वाली गर्माहट का असर दवाइयों पर पड़ता है।

किस दिशा में रखें फ्रिज

फ्रिज को हमेशा दीवार से कम-से-कम एक फीट की दूरी पर रखना चाहिए। घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए फ्रिज को हमेशा पश्चिम दिशा में ही रखें। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम दिशा भी शुभ मानी गई है।

मेहमानों के लिए ऐसे बनाएं गर्मा-गर्म आलू का हलवा

आप सब ने कभी न कभी तो गाजर, सूजी और मूंग दाल का हलवा खाया ही होगा, लेकिन क्या आपने कभी आलू का हलवा खाया है। इसका टेस्ट बहुत ही बेहतरीन होता है और रेसिपी तो बहुत ही आसान। अगर आप इंस्टेंट हलवा तैयारी करना चाहती हैं तो आलू का हलवा बनाना बेस्ट ऑप्शन है। थोड़ा सॉफ्ट और क्रिस्पी भी, इस हलवे का स्वाद आपको जरूर पसंद आएगा।

सामग्री

उबले आलू - 6 लगभग 380 ग्राम
घी - 100 ग्राम
चीनी - 2/3 कप 150 ग्राम
दूध - 3-4 टेबल स्पून 50 मिली
केसर - 5-10 धागे
इलाइची पाउडर - एक चुटकी (एक इलाइची का)
पिस्ता या बादाम सजाने के लिए

विधि

1. सबसे पहले आलू लेने है तो सबसे पहले 6 आलू को अच्छे से धो लें और कुकर में 4 गिलास पानी डालकर 3 सीटी आने तक उबाल लें।

2. इससे ज्यादा सीटी ना लगाएं नहीं तो आलू में पानी हो जाएगा. आलू उबलने के बाद इनको छील लेंगे।

3. इसके बाद सभी आलुओं को मैश कर लें. आप चाहें तो इन्हें ग्रेट भी कर सकते हैं।

4. अब हम हलवा बनाना शुरू करेंगे. कोशिश करें कि हलवा बनाने के लिए नॉन स्टिक कढ़ाही का ही यूज करें।

5. कढ़ाही में लगभग 100 ग्राम घी डालकर गर्म करें। जब घी गर्म हो जाए तो मैश किए हुए आलू इसमें डालकर चला दें।

6. धीरे-धीरे आलू घी अब्सॉर्ब करने लगेगा। इस दौरान फ्लेम को लो ही रखें।

7. इसे बीच-बीच में चलाते भी रहें। 10 मिनट बाद इसे पकने दें इतने में हम दूसरा काम कर लेंगे। एक छोटे पैन में 1 कटोरी दूध को उबालें।

8. जब दूध में उबाल आ जाए को गैस बंद करके इसमें 5-6 धागे केसर के जालकर मिक्स करके रख देगें।

9. अब आलू के हलवे को लगातार चलाते रहें. 5 मिनट बाद इसमें चीनी डालकर चला दें।

10. जब आलू चीनी को अच्छे से सोख लें इसके बाद इसमें केसर वाला दूध डालकर चला दें।

11. इसके बाद इसमें आधा चम्मच इलायची पाउडर देंगे। 5 मिनट बाद ऊपर से कटे हुए पिस्ता डालकर सर्व करें।

मौसम के साथ बदल रही हैं बीमारियां

मानसून की दस्तक के बाद बढ़ गया है इन बीमारियों का खतरा, ऐसे रखें ख्याल

बरसात का मौसम अच्छा तो लगता है लेकिन जरा सी लापरवाही से ये सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है.मानसून के मौसम में बैक्टीरिया जनित कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है जिनसे बचाव के उपाय जानने जरूरी है. चिलचिलाती गर्मी के बाद जब मानसून आता है तो चारों ओर हरियाली छा जाती है. बरसात वाकई सुखदायी है लेकिन मानसून का ये मौसम सेहत के लिए काफी सारे रिस्क लेकर आता है. इस दौरान काफी सारी बीमारियां एक साथ हमला बोलती है और अधिकतर लोग बचाव की जानकारी के बगैर इनकी चपेट में आ जाते हैं.

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि मानसून में टेंपरेचर और ज्यादा उमस के चलते वातावरण में बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया एक्टिव हो जाते हैं और कई तरह की इंफेक्शन वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. चलिए जानते हैं कि मानसून में किन बीमारियों का रिस्क ज्यादा होता है और इनसे बचाव के लिए क्या तरीके अपनाने सही रहते हैं.

मानसून में डायरिया का खतरा

मानसून के मौसम में गंदा पानी और दूषित भोजन के चलते डायरिया बहुत तेजी से फैलता है.

इसके चलते उल्टी दस्त की परेशानी हो जाती है. बारिश का गंदा पानी पेट में जाने से पेट खराब हो जाता है. ऐसे में खाने की क्वालिटी पर भी भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि दूषित और बासी भोजन उल्टी दस्त का कारण बन सकता है.

वायरल इंफेकशन

मानसून के मौसम में सबसे ज्यादा खतरा वायरल इंफेक्शन का होता है क्योंकि ये व्यापक स्तर पर फैल जाता है. इस इंफेक्शन में फंगल इंफेक्शन, बैक्टीरियल इंफेक्शन, पेट का इंफेक्शन और पैरों का इंफेक्शन शामिल होता है. कई ऐसे संक्रमण हैं जो सीधा शरीर की इम्यूनिटी पर हमला करते हैं जिससे शरीर काफी कमजोर होता है और दूसरी बीमारियां हमला करने में सफल हो जाती है.

निमोनिया का खतरा

मानसून के मौसम में हवा में फैले निमोनिया के बैक्टीरिया शरीर को कमजोर कर डालते हैं. ये सांस के जरिए शरीर में पहुंचते हैं और इससे लंग्स में सूजन और पानी भर जाता है. छोटे बच्चे और बुजुर्ग इस मौसम में बहुत जल्दी निमोनिया के शिकार होते हैं. खासकर जो लोग लंबे समय तक भीगे रहते हैं वो इसकी चपेट में जल्दी आते हैं.

मानसून की बीमारियों से कैसे होगा बचाव

मानसून की बारिश में कम से कम भीगें।

खाना ताजा, गर्म और अच्छी तरह पका हो।

मानसून में पानी उबाल कर पिएं

एंटी बैक्टीरियल दवाएं समय पर लेनी चाहिए।

दूषित जगहों पर जाने से बचें और बाहर का खाना खाने से बचें।

अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

शरीर के अंगों को देर तक पानी में ना रखें।

कोशिश करें कि आपके कपड़े सूखे रहें।

इम्यूनिटी बढ़ाने वाली डाइट लेते रहें।

डायरिया के मरीज को समय समय पर ओआरएस का घोल देते रहना चाहिए।

ऐसे बनाएं दिल्ली की फेमस चटपटी आलू चाट

हमारे देश में कई जगहों पर लोग मीठा खाना ज्यादा पसंद करते हैं तो वहीं कई जगहों पर तीखा। अगर बात करें स्ट्रीट फूड की तो देश में कई शहर ऐसे हैं भी है जिनका स्ट्रीट फूड बहुत फेमस है। जिनमें से एक नाम दिल्ली शहर का भी है। जहां की चाट बहुत फेमस है। जिसे घर पर बनाना बहुत आसान है। तो चलिए जानते है उसकी रेसिपी के बारे में।

सामग्री

तलने के लिए ऑयल
आलू- 2 आलू (उबले हुए)

चाट के लिए

नीबू का रस-3 बड़े चम्मच
नींबू का रस
जीरा पाउडर- 1 चम्मच (भुना हुआ पाउडर)
पुदीना पत्तियां-1 चम्मच (सूखी हुई)
चाट मसाला- आधा चम्मच
काला नमक- स्वादानुसार
लाल मिर्च पाउडर -1 चौथाई चम्मच
ताजा धनिया

गार्निश के लिए

अदरक- आधा चमम्च (कद्दूकस किया हुआ)
नमक -1 चुटकी नमक
नींबू का रस - आधा चमम्च
तीनों को मिक्स करें
एक बाउल में रख लें

बनाने की विधि

आलू को छिलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक पैन में आलू डालकर हल्का फ्राई करें और निकाल लें। अब एक बड़े कटोरे में तला हुआ आलू लें।

इसमें नींबू का रस सहित सारी सामग्री को अच्छे से मिक्स करें। फिर गर्निश करने के लए अदरक, नींबू का मिश्रण डालेंगे।

आपके टेस्टी आलू चाट बनकर तैयार है। इसे सबको गर्मागर्म सर्व करें।

अमेरिका में पीएम मोदी के साथ राजकीय भोज में शामिल अरबपति का हादसे में निधन, ओबामा ने कही ये बात

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी व्यवसायी, अरबपति निवेशक और जेपी मॉर्गन चेस के लंबे समय तक निदेशक रहे जेम्स क्राउन की रविवार को कोलोराडो में एक कार रेसिंग दुर्घटना में मौत हो गई, जब वह अपना 70 वां जन्मदिन मना रहे थे। कोलोराडो सन के अनुसार, क्राउन की वुडी क्रीक में एस्पेन मोटरस्पोर्ट्स पार्क में एक इम्पैक्ट बैरियर से टकराने के बाद एकल-वाहन दुर्घटना में मृत्यु हो गई। पिटकिन काउंटी कोरोनर कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "मौत का आधिकारिक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा।

हालांकि उनकी मौत के तरीके को दुर्घटना मानने से इनकार किया गया है। क्राउन कोलोराडो स्की कंट्री में अक्सर आते थे और उनके परिवार के पास एस्पेन स्कीइंग कंपनी का मालिकाना हक जो एस्पेन में स्थित पर्वत और स्की क्षेत्र सुविधाओं का एक ऑपरेटर है। क्राउन अपने परिवार के व्यवसाय, निवेश फर्म हेनरी क्राउन व कंपनी के सीईओ और अध्यक्ष थे, जहां से उन्हें अपनी लगभग $ 10.2 बिलियन की संपत्ति विरासत में मिली थी। 1919 में शिकागो में निजी तौर पर स्थापित यह कंपनी एक परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी थी जो निर्माण सामग्री व्यवसाय से जुड़ी थी। वह जेपी मॉर्गन, जनरल डायनामिक्स और सारा ली सहित कई कंपनियों के निदेशक भी थे। 2014 में, राष्ट्रपति बराक ओबामा ने क्राउन को राष्ट्रपति के खुफिया सलाहकार बोर्ड में नियुक्त किया था। पिछले हफ्ते वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में व्हाइट हाउस में आयोजित राजकीय रात्रिभोज में भी शामिल हुए थे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि उनके निधन से उनका और उनकी पत्नी मिशेल का दिल टूट गया है। उन्होंने ट्वीट किया, जिम क्राउन शिकागो के एक स्तंभ थे, जिन्होंने हमारे शहर को एक ऐसी जगह बनाने के बारे में गंभीर योगदान दिया जहां हर कोई कामयाब हो सके। मिशेल और मैं भी उसे एक प्रिय दोस्त कह सकते थे इस मामले में हम बहुत भाग्यशाली थे। आज हमारा दिल टूट गया है, और हम इस कठिन समय में पाउला और उनके अद्भुत परिवार को अपना प्यार भेजते हैं।

रुकेगा निवेशकों की रकम का दुरुपयोग

शेयर खरीदने पर ही कटेगा पैसा, एक जनवरी से लागू

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। शेयरों की खरीद-फरोख्त में निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए सेबी ने नियम लाया है। निवेशकों के खातों से तभी रकम कटेगी, जब वे शेयर खरीदेंगे। उन्हें ब्रोकरों को पहले यह पैसा नहीं देना होगा। सेबी ने कहा, जिस तरह से आईपीओ में अस्बा की सुविधा है, उसी तरह से अब शेयर बाजार में शेयर खरीद पर भी अस्बा शुरू किया जाएगा। यह एक जनवरी, 2024 से लागू होगा। सेबी ने सोमवार को बताया, अप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लॉक्ड अमाउंट (अस्बा) की सुविधा से निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाने में मदद मिलेगी। इसके तहत निवेशक की रकम क्लियरिंग कॉरपोरेशन (सीसी) को ट्रांसफर की जाएगी, लेकिन यह तब तक ग्राहक के खाते में रहेगी, जब तक कि शेयर की खरीद-फरोख्त पूरी नहीं हो जाती है। जो निवेशक एकमुश्त रकम ब्लॉक करना चाहते हैं, उनकी रकम कई बार में खाते से कटेगी। यह उनके खाते में जमा पर निर्भर होगा। यह सुविधा यूपीआई के आधार पर दी जाएगी, जहां एक बार रकम को ब्लॉक किया जाएगा और खरीद-फरोख्त के लिए कई बार में इसे निकाला जा सकेगा।

वैकल्पिक होगी ये सुविधा

सेबी ने कहा, यह सुविधा निवेशकों और स्टॉक ब्रोकरों के लिए वैकल्पिक होगी। जिन निवेशकों के पास ढेर सारे ब्रोकिंग खाते हैं, वे चाहें तो कुछ खातों के लिए यूपीआई ब्लॉक और कुछ के लिए गैर यूपीआई की सुविधा चुन सकते हैं। नए ढांचे से ग्राहकों के गारंटी के जोखिम भी खत्म हो जाएंगे।

चांदी के दाम में जबरदस्त इजाफा

खूब महंगी हो गई चमकीली मेटल

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। मजबूत हाजिर मांग के बीच ताजा सौदों की लिवाली होने से वायदा कारोबार में मंगलवार को सोने की कीमतों में तेजी देखी गई है। हालांकि आज की स्टार परफॉर्मर चांदी रही है जिसके दाम में जोरदार बढ़त दर्ज की जा रही है। चांदी के कारोबारियों के चेहरे आज खिले हुए हैं क्योंकि इसकी बढ़ी मांग से उन्हें अच्छा मुनाफा मिलने की उम्मीद है। कमोडिटी बाजार के जानकारों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में तेजी आई ही, चांदी के दाम भी जबरदस्त उछल गए हैं।

सोने के दाम में मामूली तेजी

सुनहरी मेटल सोना आज हल्की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है और सोना 58500 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर कारोबा कर रहा है। सोने में 88 रुपये या 0.15 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ कारोबार देखा जा रहा है। सोना आज नीचे में 58401 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था। सोना के दाम ऊपर में 58532 रुपये प्रति 10 ग्राम तक चले गए थे।

चांदी के दाम में जोरदार इजाफा

चांदी के दाम में आज जबरदस्त तेजी देखी जा रही है और ये जल्द ही और ऊंचाई पर जा सकती है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चमकीली मेटल चांदी 424 रुपये या 0.61 फीसदी की उछाल के साथ कारोबार कर रही है। चांदी के दाम 69609 रुपये प्रति किलो पर हैं और इसमें करीब 425 रुपये की बढ़त दर्ज की गई है। चांदी में नीचे की तरफ 69395 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार देखा जा रहा है। इसके अलावा ऊपर में चांदी में 69650 रुपये प्रति किलो के रेट तक देखे गए हैं। चांदी का ये दाम इसके जुलाई वायदा के लिए है।

रिटेल बाजार में सोने के क्या हैं दाम

दिल्लीः 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम 60 रुपये बढ़कर 59730 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। मुंबईः 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम 100 रुपये गिरकर 54350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। चेन्नईः 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम 60 रुपये बढ़कर 59730 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। कोलकाताः 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम 100 रुपये गिरकर 59150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं।

दैनिक पंचांग

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-48 सूर्य अस्त- 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 03 -18 तक उपरान्त एकादशी
मास - आषाढ शुक्ल पक्ष , बुधवार June 28
नक्षत्र - चित्रा - 16- 00 - तक उपरान्त स्वाति
योग - परिघ - 06 - 07 - तक उप शिव
करण- तैतिल - 15 -18 - तक उप- गर
विशेष:- व्रत -त्योहार - पूर्ण रवि योग

ग्रह स्थिति		लग्नारभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	01-10 बजे
चंद्र-	तुला में	वृष--	02-56 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	04-57 बजे
बुध-	मिथुन में	कर्क...	07-08 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	09-19 बजे
शुक्र-	कर्क में	कन्या..	11-28 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	13-32 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	15-42 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	17-56 बजे
		मकर..	20-03 बजे
		कुभ...	21-53 बजे
		मीन...	23-31 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:19 से 13:58 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	05:48 - 07:24 शुभ	उत्पात	18:50 - 20:15 अशुभ
अमृत	07:24 - 09:03 शुभ	शुभ	20:15 - 21:36 शुभ
काल.	09:03 - 10:41 अशुभ	अमृत	21:36 - 22:58 शुभ
शुभ.	10:41 - 12:19 शुभ	चंचल	22:58 - 00:19 शुभ
रोग	12:19 - 13:58 अशुभ	रोग	00:19 - 01:41 अशुभ
उत्पात	13:58 - 15:36 अशुभ	काल	01:41 - 03:03 अशुभ
चंचल	15:36 - 17:15 शुभ	लाभ	03:03 - 04:24 शुभ
लाभ	17:15 - 18:50 शुभ	उत्पात	04:24 - 05:48 अशुभ

गूगल ने सुप्रीम कोर्ट से सीआईआई के निर्देशों को रद्द करने की अपील की

लगा था 1336 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दिग्गज बहुराष्ट्रीय टेक कंपनी गूगल ने सुप्रीम कोर्ट से भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की ओर से कंपनी के खिलाफ दिए गए सभी निर्देशों को रद्द करने का अनुरोध किया है। सीसीआई ने गूगल को एंड्रॉयड बाजार में अपने दबदबे के दुरुपयोग का दोषी ठहराते हुए उसे 10 करोड़ निर्देश दिए थे और 16.1 करोड़ डॉलर (1,336 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया था, जिसका कंपनी ने भुगतान कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को गूगल ने शीर्ष कोर्ट में दलील दी है कि उसने मार्केट में अपनी स्थिति का गलत इस्तेमाल नहीं किया है और उसे जुर्माना चुकाने के लिए जिम्मेदार नहीं बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही कंपनी ने यह भी बताने की अनुमति मांगी है कि एंड्रॉयड से कैसे उपयोगकर्ताओं और एप डवलपर्स को फायदा मिला है।पिछले साल अक्तूबर में सीसीआई ने गूगल को अपने एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम को लेकर मोबाइल निर्माताओं पर लगाए प्रतिबंधों को भी हटाने का निर्देश दिया था, जिसमें गूगल के कुछ एप को मोबाइल में पहले से ही इंस्टाल करना जरूरी होता है। देश में 60 करोड़ स्मार्टफोन्स में से लगभग 97 फीसदी एंड्रॉयड पर चलते हैं।

एक जुलाई से होगा एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी का विलय लागू

13 जुलाई को शेयर मार्केट से हट जायेंगे एचडीएफसी के शेयर्स

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी का विलय एक जुलाई 2023 से लागू हो जाएगा। एचडीएफसी समूह के चेयरमैन दीपक पारिख ने ये ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि 13 जुलाई को हाउसिंग फाइनैंस कंपनी एचडीएफसी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज से हट जायेंगे और 14 जुलाई से एचडीएफसी के शेयर्स में ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। 30 जून को एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी दोनों ही के बोर्ड की आखिरी बैठक होगी। वहीं एचडीएफसी बैंक में एचडीएफसी के विलय से पहले हाउसिंग फाइनैंस कंपनी के बोर्ड की ये आखिरी बैठक होगी। दीपक पारिख ने कहा कि 30 जून को मार्केट बंद होने के बाद दोनों वित्तीय संस्थानों के बोर्ड की बैठक होगी जिसमें विलय पर मुहर लगाई जाएगी। एचडीएफसी के वाइस चेयरमैन और सीईओ केकी मिस्त्री ने कहा कि एचडीएफसी के शेयर्स की डिस्लिटिंग 13 जुलाई से लागू माना जाएगा। विलय के लागू होने के बाद नियमों के मुताबिक एचडीएफसी के शेयरधारकों को हर 25 शेयर्स के एवज में 42 शेयर्स एचडीएफसी बैंक के मिलेंगे। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के विलय के बाद नई कंपनी मार्केट कैपिटलाईजेशन के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद देश की दूसरी कंपनी बन जाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,83,950 करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ पहले स्थान पर है। 27 जून को एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के मार्केट कैप को जोड़ दें तो टीसीएस को पीछे छोड़ 14,45,958 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर आ जाएगा। विलय के औपचारिक ऐलान के बाद स्टॉक एक्सचेंजों पर एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के स्टॉक में शानदार तेजी देखने को मिली है। एचडीएफसी बैंक का स्टॉक 1.76 फीसदी के उछाल के साथ 1663 रुपये पर कारोबार कर रहा है। जबकि एचडीएफसी 1.86 फीसदी की तेजी के साथ 2771 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। विलय के बाद एचडीएफसी बैंक दूसरी निजी बैंक आईसीआईसीआई बैंक से दोगुनी बड़ी बैंक मार्केट कैपिटलाईजेशन के लिहाज से बन जाएगी। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6,52,555 करोड़ रुपये है। तो सबसे बड़ी सरकारी बैंक एसबीआई से तीन गुना बड़ी बैंक होगी। एसबीआई का मार्केट कैप 5.03 लाख करोड़ रुपये है।

अडाणी ग्रुप ने जारी किया डिस्क्लोजर, कहा- 'हिंडनबर्ग रिसर्च की टाइमिंग और उद्देश्य था बिलकुल गलत'

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप पर जानबूझकर एक हानिकारक रिपोर्ट जारी की थी। इसका साफ तौर पर उद्देश्य समूह की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना और अडानी के शेयरों में गिरावट के माध्यम से मुनाफा कमाना था। अडानी एंटरप्राइजेज की सालाना रिपोर्ट में गौतम अडानी ने ये भी कहा कि समूह अपने गवर्नेंस और डिस्क्लोजर स्टैंडर्ड्स को लेकर पूरी तरह भरोसेमंद है। वहीं अडानी समूह की ओर से एक डिस्क्लोजर जारी किया गया है जिसके तहत हिंडनबर्ग रिसर्च के गलत उद्देश्य को पूरी तरह सामने लाने की कोशिश की गई है।

गौतम अडानी ने दिलाया अपने शेयरधारकों को भरोसा

डिस्क्लोजर में दी गई जानकारी के अलावा गौतम अडानी ने अपने शेयरधारकों को अपने संदेश में कहा कि हमारे गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, अमेरिका स्थित एक शॉर्टसेलर ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जब हम भारत के इतिहास में सबसे बड़ी फॉलो-ऑन सार्वजनिक पेशकश (एफपीओ) लॉन्च करने की

योजना बना रहे थे। यह रिपोर्ट टार्गेटेड गलत सूचना और पुराने, बदनाम आरोपों का एक संयोजन थी, जिसका उद्देश्य हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना और हमारे स्टॉक की कीमतों में जानबूझकर गिरावट के माध्यम से मुनाफा कमाना था। गौतम अडानी ने ये भी कहा कि उन्होंने एफपीओ को वापस लाने का फैसला लिया और निवेशकों के पूंजी लौटाने का निर्णय लिया जिससे उनके हितों को सुरक्षित रखा जा सके। साथ ही डिस्क्लोजर में साफ किया गया है कि अडानी पोर्टफोलियो कंपनियों और उसके सभी कारोबारों ने नियमों के अनुसार काम किया है और उन सभी कानूनी दायरों में रहकर नियमों का पालन किया है जिसके अंतर्गत हम आते हैं।

अडानी समूह ने डिस्क्लोजर भी जारी किया

डिस्कलोजर में ये भी कहा गया है कि भारत की सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही अडानी समूह द्वारा दी गई रिपोर्ट्स को देख लिया है और माना है कि अडानी समूह ने अपने कर्ज कम करने, निवेश बढ़ाने जैसे कई कदम उठाए हैं जो निवेशकों के हित में रहे हैं। इससे भी निवेशकों की संख्या में इजाफा हुआ है। जहां तक सेबी की जांच का सवाल है- कोर्ट ने सेबी को समय दिया है और हमें भरोसा है कि ये निष्पक्ष तरीके से होगी क्योंकि अडानी समूह इसके लिए सभी प्रकार से सहयोग कर रहा है। हम यही देखना चाहते हैं कि समय से जांच पूरी हो जाए निवेशकों के हित में सर्वश्रेष्ठ परिणाम निकलकर आए। शॉर्ट-सेलिंग की घटना के चलते कई प्रतिकूल नतीजे हुए जिनका हमें सामना करना पड़ा, भले ही हमने तुरंत एक व्यापक खंडन जारी कर दिया था। विभिन्न निहित स्वार्थों ने शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग द्वारा किए गए दावों का अवसरवादी रूप से फायदा उठाने की कोशिश की। इन संस्थाओं ने कई समाचारों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर झूठी कहानियों को शामिल किया और प्रोत्साहित किया।

टाटा टेक्नोलॉजी के आईपीओ को सेबी ने दिखाई हरी झंडी

2 दशक बाद आने वाला है टाटा समूह की कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सेबी ने टाटा टेक्नोलॉजीज को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। सेबी के अप्रूवल के साथ ही दो दशक के बाद टाटा समूह की किसी कंपनी के लिए आईपीओ लाने का रास्ता तैयार हो गया है। टाटा टाटा टेक्नोलॉजीज ने मार्च 2023 में सेबी के पास आईपीओ लाने के लिए ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल किया था। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में सभी शेयर्स ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचा जाएगा। यानि कंपनी के प्रमोटर टाटा मोटर्स आईपीओ के जरिए अपनी हिस्सेदारी बेचेगी। यानि मौजूदा निवेशक 9.57 करोड़ शेयर्स आईपीओ में बेचेंगे जो कि 23.60 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में नए शेयर्स नहीं जारी किए जायेंगे। टाटा टेक्नोलॉजीज में टाटा मोटर्स की 74.42 फीसदी हिस्सेदारी है।टाटा मोटर्स की सब्सिडियरी कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने 9 मार्च 2023 को आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल किया था।

आज शेयर बाजार में शानदार तेजी सेंसेक्स 446 अंक बढ़कर 63,416 पर बंद

एचडीएफसी लाइफ का शेयर 5.50% चढ़ा

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। आज यानी मंगलवार (27 जून) को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 446 अंक बढ़कर 63,416 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 126 अंक की तेजी रही और यह 18,817 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी और 4 में गिरावट देखने को मिली है। एचडीएफसी लाइफ के शेयर में आज 5.50% की तेजी देखने को मिली है।

आज खुला साइएंट डीएलएम का आईपीओ

इलेक्ट्रिक मैन्युफैक्चरिंग सर्विस उपलब्ध कराने वाली कंपनी साइएंट डीएलएम का आईपीओ आज ओपन हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 592 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 27 जून से 30 जून तक बिडिंग कर सकते हैं।10 जुलाई को कंपनी के शेयर्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा सोमवार (26 जून) को ड्रोन बनाने वाली कंपनी आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ ओपन हुआ है, जिसके लिए आप 29 जून तक बिडिंग कर सकते हैं।

इससे पहले कल यानी सोमवार (26 जून) को शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 9 अंक गिरकर 62,970 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 25 अंक की तेजी रही और यह 18,691 के स्तर पर बंद हुआ।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

वाहन चलाते समय ध्यान रखें। लंबे समय से आपने जो पैसा बचाया था, वह आज काम आ सकता है। हालांकि, खर्च आपके मनोबल को कम कर सकता है। आकस्मिक परिचितों से अपने निजी मामले साझा न करें। वैचारिक मतभेद के कारण निजी संबंध टूट सकते हैं। साझेदारी में नया उद्यम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपकी आत्मविश्वासपूर्ण अपेक्षाएं आपकी आशाओं और इच्छाओं की प्राप्ति का द्वार खोलती हैं। इस राशि के कुछ जातकों को आज संतान के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व होगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा इसलिए अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए टहलने के लिए बाहर निकलें। पैसों का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से निजात दिला सकता है। आपके फ़ैसले में माता-पिता का सहयोग आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगा। लव लाइफ उम्मीद लेकर आती है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

कोई आपका मूड खराब कर सकता है लेकिन इन झुंझलाहटों को खुद पर हावी न होने दें। ये अनावश्यक चिंताएँ और चिंताएँ आपके शरीर पर निराशाजनक प्रभाव डाल सकती हैं और त्वचा की समस्या पैदा कर सकती हैं। आपके ख़र्चे आपके बजट से अधिक हो सकते हैं, जिससे चल रही कई परियोजनाएँ अचानक रुक सकती हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास व्यक्ति से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अप्रत्याशित बिल आर्थिक बोझ बढ़ाएंगे। परिजनों के बीच पैसों के मामले में विवाद होने की संभावना है। आपको परिवार के सभी सदस्यों को वित्त और नकदी प्रवाह के बारे में स्पष्ट रहने की सलाह देनी चाहिए।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपका मजबूत लचीलापन और निडरता मानसिक संकायों की शक्ति को जबरदस्त रूप से बढ़ाएगी। इस गति को जारी रखें ताकि यह आपको किसी भी स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रोत्साहित करे। धन लाभ आपकी उम्मीद के अनुरूप नहीं रहेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

स्वास्थ्य समस्या के कारण किसी महत्वपूर्ण कार्य में जाने में असमर्थता के कारण कुछ असफलताओं का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन आपको प्रेरित करने के लिए अपने तर्क का उपयोग करें। लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना चाहिए।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपका आकर्षक व्यवहार ध्यान आकर्षित करेगा। कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित होंगी जिससे आपको नए वित्तीय लाभ होंगे। अगर आप उन चीज़ों पर पैसा ख़र्च करेंगे जिनकी आपको तुरंत ज़रूरत नहीं है तो आप अपने जीवनसाथी को नाराज़ करेंगे। आज आप किसी दिल को टूटने से रोक लेंगे।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

किसी मित्र का ज्योतिषीय मार्गदर्शन आपको अपने स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। जिन लोगों को आप जानते हैं उनके माध्यम से आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। घर में वाद-विवाद और असहमति के कारण कुछ तनावपूर्ण क्षण हो सकते हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

अपने विचार और ऊर्जा को उस ओर मोड़ें जो आप भौतिक वास्तविकता में देखना चाहते हैं। केवल इमेर्जिंग का कोई मतलब नहीं है। आपके साथ अब तक की समस्या यह है कि आप कोशिश नहीं करते बल्कि केवल इच्छा करते हैं। आज धन की लगातार निकासी होती रहेगी और धन संचय करने में आज आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

किसी मित्र के साथ मतभेद आपको गुस्सैल बना सकता है। अनावश्यक तनाव से बचने के लिए आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। अगर आप विद्यार्थी हैं और विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर में आर्थिक तंगी आज आपको परेशान कर सकती है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

ध्यान से राहत मिलेगी। आज आपको अपना पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि घर का कोई बड़ा आपके पैसों में आपकी मदद कर सकता है। आपको अपना खाली समय बच्चों के साथ आनंद लेने में बिताना चाहिए- भले ही ऐसा करने के लिए आपको अपने रास्ते से हटना पड़े।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

एयरपोर्ट पर भीड़ से मिलेगी निजात : अब आप सात से 10 मिनट में होंगे बोर्डिंग गेट पर, लागू हुई नई व्यवस्था

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। वह सभी लोग जो दिल्ली एयरपोर्ट से डोमेस्टिक या इंटरनेशनल फ्लाइट लेते होंगे उनको अपना सामान चेक इन कराने के लिए लंबी-लंबी लाइनों में लगना पड़ा होगा। न जाने कितना वक्त यात्रियों ने लाइन में लगकर बर्बाद किया, लेकिन अब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर इस तरीके की समस्या से निजात मिल गई है। यहां पर अब सेल्फ बैगेज ड्रॉप इन की सुविधा शुरू हो गई है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड प्रबंधन के मुताबिक, अब महज 7 से 10 मिनट के भीतर कोई भी यात्री अपने सामान को चेक इन कराने के साथ बोर्डिंग गेट पर पहुंच जाएगा। फिलहाल शुरुआती दौर में असुविधा इंडिगो एयरलाइंस के यात्रियों के लिए शुरू हुई है। जल्द ही इसको डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट के यात्रियों के लिए भी शुरू कर दिया जाएगा।बीते कुछ दिनों से दिल्ली एयरपोर्ट पर सेल्फ बैगेज ड्रॉपिंग की सुविधा का ट्रायल रन किया जा रहा था। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि

सफल ट्रायल के बाद एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर 14 सेल्फ बैगेज ड्रॉप इन मशीनों को लगा दिया गया है। आधिकारिक तौर पर इसका ट्रायल होने के साथ ही इसको अब यात्रियों की सुविधा के लिए शुरू कर दिया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के सीईओ विदेह जयपुरिया कहते हैं कि इस सुविधा से यात्री महज 20 सेकंड के भीतर अपने सामान को चेक इन करके आगे बढ़ सकेगा। वो कहते हैं कि शुरुआती दौर में यह सुविधा इंडिगो के यात्रियों के लिए शुरू की गई है। जल्द ही इसको अन्य डॉमेस्टिक फ्लाइट और इंटरनेशनल फ्लाइट्स के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। सबसे ज्यादा यात्रियों को बैगेज चेक-इन के लिए ही लाइन में लगना पड़ता है।

तख्तापलट की कोशिशों के बाद पुतिन गायब

सिर्फ रिकॉर्डेड भाषण : बयान से भी पलटी सरकार, क्या ये पुतिन के पतन की शुरुआत

मास्को, 27 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)।'यह हमारे देश और हमारे लोगों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। यह बिल्कुल वही झटका है जो 1917 में रूस को लगा था जब देश ने प्रथम विश्व युद्ध लड़ा था। रूसी प्राइवेट आर्मी वैगनर के प्रमुख प्रिगोजिन गद्दार हैं। जिन्होंने सशस्त्र विद्रोह का रास्ता चुना है, उन्हें कड़ी सजा भुगतनी होगी।'

रूस में शनिवार को तख्तापलट की साजिश के बीच राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने ये रिकॉर्डेड बयान जारी किया गया। इसके कुछ घंटे बाद ही पुतिन के प्रेस सेक्रेटरी कहते हैं कि प्रिगोजिन पर कोई केस नहीं चलेगा। वैगनर आर्मी के विद्रोह के बाद से पुतिन अब तक सार्वजनिक रूप से कहीं दिखाई नहीं दिए हैं। मंगलवार को एक बार फिर से पुतिन का रिकॉर्डेड बयान जारी किया गया। अभी भी वह कहां है इसे लेकर कुछ नहीं बताया गया है। इस बगावत के बाद कहां गायब हैं पुतिन और क्या ये रूस में उनके पतन की शुरुआत है?

वैगनर ग्रुप की बगावत

रूस की प्राइवेट आर्मी के चीफ प्रिगोजिन शुक्रवार सुबह 11 बजे सोशल मीडिया पर कई पोस्ट के जरिए यूक्रेन में युद्ध के औचित्य पर सवाल उठाते हैं। साथ ही उन्होंने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु पर यूक्रेन में वैगनर लड़ाकों पर मिसाइल हमले का आदेश देने का आरोप लगाया। रात 9 बजे के आसपास पोस्ट की गई एक वॉयस रिकॉर्डिंग में उन्होंने कहा कि देश के सैन्य नेतृत्व द्वारा पैदा की गई बुराई को रोका जाना चाहिए। शुक्रवार की आधी रात रूस की सुरक्षा एजेंसियों ने प्रिगोजिन के बयान की निंदा की। रूस की मुख्य खुफिया एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने सशस्त्र विद्रोह के लिए प्रिगोजिन के खिलाफ जांच शुरू की और गिरफ्तारी का आदेश दिया। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में सैन्य और राष्ट्रीय गार्ड के बख्तरबंद वाहनों को मॉस्को और रोस्तोव-ऑन-डॉन में तैनात होते हुए दिखाया गया है। प्रिगोजिन ने कहा कि उनके लड़ाके आ रहे हैं। शनिवार सुबह 7:30 बजे वैगनर लड़ाकों ने रोस्तोव शहर और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया। प्रिगोजिन ने एक वीडियो पोस्ट में इसका दावा किया। इसमें वैगनर के लड़ाके प्रमुख चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करते हुए और शहर में घूमते हुए दिख रहे थे। इसके बाद वैगनर लड़ाकों और बख्तरबंद वाहनों का काफिला मॉस्को की तरफ कूच करता दिखाई दिया। वह रूस के वोरोनिश क्षेत्र को भी पार कर गया। काफिले ने रास्ते में कई रूसी सैन्य विमानों को मार गिराया। शनिवार सुबह 10 बजे राष्ट्रपति पुतिन देश को संबोधित करते हैं। इसमें वह प्रिगोजिन को गद्दार बताते हुए सख्त कार्रवाई की बात करते हैं। इसके बाद वैगनर लड़ाकों का काफिला मॉस्को से लगभग 400 किमी पहले लिपेत्स्क में रुक गया। शनिवार रात 8:30 बजे खबर आती है कि बेलारूस के राष्ट्रपति और प्रिगोजिन के बीच

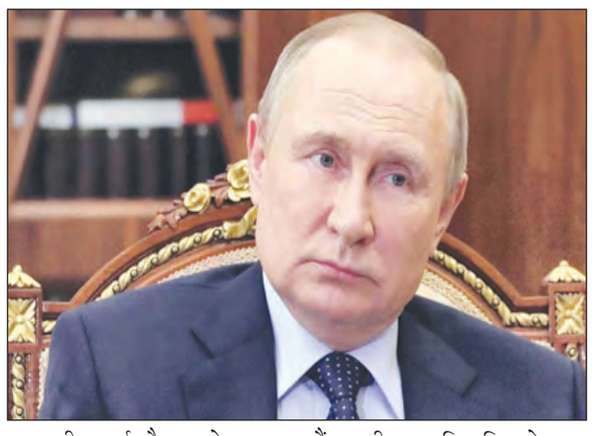

एक डील हुई है। इसके तहत प्रिगोजिन ने मॉस्को कूच रोक दिया।

इसके बाद प्रिगोजिन एक ऑडियो मैसेज में कहते हैं कि उनकी सेनाएं मॉस्को से 200 किमी पास पहुंच गई थीं और अब लड़ाके अपने ट्रेनिंग कैंप में जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद वैगनर लड़ाके रोस्तोव शहर छोड़ देते हैं और प्रिगोजिन भी भारी सुरक्षा वाली काली एसयूवी से शहर के बाहर जाते नजर आते हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने रूस में शनिवार को वैगनर चीफ प्रिगोजिन पर धोखा देने का आरोप लगाया। हालांकि 23 साल के शासन की सबसे बड़ी चुनौती के दो दिन बीत जाने के बाद भी पुतिन अब तक नहीं दिखे थे। इसके बाद रूस की सरकारी मीडिया टीएएसएस ने पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से बताया कि उनके बॉस शनिवार को संकट के समय क्रेमलिन में काम कर रहे थे। वहीं ट्विटर पर कुछ लोगों ने फ्लाइट रडार प्लेन ट्रैकिंग के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति पुतिन का विमान जिसका आइडेंटिफिकेशन नंबर I196-300पीयू है ने मॉस्को से शनिवार दोपहर 2.16 बजे उड़ान भरी। हालांकि इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि पुतिन कहां गए या वह विमान में थे भी या नहीं। बीबीसी ने बताया कि पुतिन के विमान को रडार पर सेंट पीटर्सबर्ग के लिए उड़ान भरते हुए ट्रैक किया गया था, लेकिन टवर शहर के पास वह गायब हो गया। दो दिन बाद मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने दूसरी बार देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने फिर से वैगनर लड़ाकों को रूसी सेना में शामिल होने या घर लौट जाने के लिए कहा। रूस से जुड़े एनालिस्ट पावेल फेलगेनहाउर ने पुतिन के देश के नाम दूसरे संबोधन को जनता के लिए विजयी स्पीच जैसा बताया। उन्होंने कहा कि लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि समस्याएं खत्म हो गई हैं। उन्होंने कहा कि अभी वास्तव में कुछ ठीक नहीं हैं क्योंकि पुतिन ने वैगनर लड़ाकों को रूसी सेना में शामिल होने के लिए कहा था।

हालांकि वैगनर लड़ाके ऐसा नहीं कर रहे हैं। वे अभी भी अपने हथियारों के साथ हैं और अच्छी तरह से संगठित हैं। वे इस समय जमीन लड़ाई लड़ने वाले सबसे अच्छे लड़ाकों में से एक हैं। उनका अगला कदम क्या होगा ये साफ नहीं है?

फिलहाल उन्हें इस वक्त सबसे ज्यादा खतरा महसूस हो रहा है, लेकिन वे गायब नहीं हुए। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि पहले गद्दारी करने का आरोप लगाना और फिर आपराधिक मामले हटाकर अपने कदम पीछे हटा लेना, ये पुतिन की शख्सियत का हिस्सा नहीं लगता। इस घटना के बाद निश्चित रूप से पुतिन कमजोर दिखते हैं। आप यह नहीं कर सकते कि पहले आप घोषणा करें कि ये लोग अपराधी हैं और फिर उसी दिन अपने प्रेस सचिव को असहमत होने दें और कहें कि नहीं, उन लोगों ने कोई आपराधिक काम नहीं किया है।

हालांकि तथ्य यह है कि पुतिन के सामने इस तरह का विद्रोह हुआ जो कि राष्ट्रपति के लिए शर्मनाक है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि राष्ट्रपति पुतिन रूसी सेना के कमांडर-इन-चीफ भी हैं। बेलारूस के पूर्व राजनयिक और यूरोपीय काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस एनालिस्ट पावेल स्लंकिन कहते हैं कि पुतिन हार गए हैं क्योंकि उन्होंने दिखाया कि उनका सिस्टम कितना कमजोर है। उन्हें बड़ी आसानी से चुनौती दी जा सकती है। प्रिगोजिन ने चुनौती दी, बहुत ही बोल्ड तरीके से विद्रोह किया और फिर वह हारे हुए व्यक्ति की तरह पीछे हट गए। यहां पर सिर्फ बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको सफल साबित हुए।

वह कहते हैं कि विद्रोह भले ही खत्म हो गया, लेकिन इसने रूस की वैश्विक स्थिति को प्रभावित किया है। इसकी वजह से चीन जैसे साझेदार पुतिन की अथॉरिटी और स्ट्रेंथ का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं।

कैबिनेट बैठक में 43 प्रस्तावों को मंजूरी

निकाय चुनाव में ओबीसी कोटा तय करने के लिए होगा ट्रिपल टेस्ट

रांची, 27 जून (एजेंसियां)। झारखंड कैबिनेट की सोमवार को हुई बैठक में 43 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। इन प्रस्तावों में मेडिकल कॉलेज और एक अस्पताल का निर्माण भी शामिल है। इसके अलावा कैबिनेट ने शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण पर निर्णय लेने के लिए ट्रिपल टेस्ट आयोजित करने के लिए एक आयोग गठित करने की मंजूरी दे दी।

विपक्षी दल, मुख्य रूप से आजसू पार्टी, यूएलबी चुनाव कराने से पहले ट्रिपल टेस्ट की मांग कर रही थी। रांची समेत कई इलाकों में निकाय चुनाव लंबित हैं। ट्रिपल टेस्ट में स्थानीय निकायों के संबंध में पिछड़ेपन की प्रकृति और निहितार्थ की जांच करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन करना शामिल है। कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने कहा, कैबिनेट ने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की पात्रता की

समीक्षा के लिए आयोग का गठन करने को मंजूरी दे दी। आयोग का गठन सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के आधार पर किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2021 में ट्रिपल टेस्ट निर्धारित किया था जिसे राज्य सरकारों को स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए कोटा अधिसूचित करने से पहले पूरा करना होगा। शहरी विकास सचिव विनय कुमार चौबे ने बताया, समर्पित आयोग एक सर्वेक्षण करेगा, समीक्षा करेगा और जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।

मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की होगी स्थापना

कैबिनेट बैठक में 43 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए दी गई भूमि पर मेडिकल कॉलेज और एक अस्पताल स्थापित करने को भी मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने गोड्डा जिले के महागामा में 307.44 करोड़ रुपये की लागत से कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत 300 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण को भी मंजूरी दी।

अब महिलाएं रात में कर सकेंगी काम

झारखंड के 6850 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में विकसित किया जाएगा। पोषण वाटिका (पोषण उद्यान), वर्षा जल संचय (वर्षा जल संचयन) और एलईडी स्क्रीन के विकास के लिए प्रत्येक को एक-एक लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा कैबिनेट ने महिलाओं को रात की पाली में काम करने की अनुमति देने के श्रम विभाग के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

जवानों ने मुठभेड़ में नक्सल जनताना सरकार अध्यक्ष को मार गिराया, सर्चिंग जारी

सुकमा, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ हो गई। इसमें जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया है। उसकी पहचान नक्सलियों के जनताना सरकार अध्यक्ष के रूप में बताई जा रही है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन अभी जारी है। एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। मुठभेड़ एराबोर थाना क्षेत्र में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, सीआरपीएफ 219वीं बटालियन और डीआरजी के जवान संयुक्त रूप से मंगलवार सुबह सर्चिंग पर निकले थे। इस दौरान भेज्जी इलाके में नक्सलियों ने अचानक हमला कर दिया। इस पर जवानों ने भी पोजिशन लेते हुए जवाबी कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ के दौरान जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया है।

बारिश से कई बस्तियां, कॉलोनियां जलमग्न

रायपुर में लोगों के बेडरूम डूबे, किचन-डायनिंग एरिया में भरा पानी, लोग होते रहे परेशान

रायपुर, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे शाम 5 बजे तक बलौदाबाजार, बेमेतरा, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कोरबा, कोरिया, मुंगेली, सूरजपुर, सरगुजा के लिए अलर्ट जारी किया है। यहां तेज हवाओं के साथ बारिश होगी और आकाशीय बिजली भी गिर सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 28, 29 और 30 जून को भी प्रदेश के सभी जिलों में बारिश होगी। बुधवार को दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां बारिश की संभावना जताई गई है। बिलासपुर, मुंगेली, रायपुर, बेमेतरा और कबीरधाम जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। रायपुर शहर में सोमवार को पूरे दिन और रातभर बारिश होती रही। इस वजह से कई जगहों पर जल जमाव हो गया। बोरियाखुर्द, गोकुलनगर, तेलीबांधा और

पुरानी बस्ती के कुछ हिस्सों में पानी भर जाने, पेड़ गिरने जैसी समस्याओं से लोगों को दो चार होना पड़ा। लोग पार्षदों को फोनकर नाराजगी जाहिर करते रहे। तेलीबांधा आनंद विहार और आनंद नगर में तो जरा सी बारिश कॉलोनी वालों के लिए आफतों का पहाड़ बन गई। किसी की गाड़ी डूब गई तो किसी का बेडरूम। लोगों के किचन, डायनिंग एरिया में नाली का पानी भर गया। घर में बदबूदार पानी में सोफा, फर्नीचर सब डूबा रहा। वजह थी आस-पास के कुछ प्रॉपर्टी डीलर्स की मनमानी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कॉलोनी के पास से गुजरने वाले पुराने नाले को पाटकर जमीन का सौदा कर दिया गया। वार्ड के पार्षद कामरान अंसारी ने बताया कि जब लोगों के घरों में पानी भरा तो हमने निगम आयुक्त को इसकी जानकारी दी। वो भी मौके पर आए और इस संबंध में कार्रवाई की बात कही।

'तो कलेक्टर भी मार खाएगा'

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर मुआवजा मिलने की बात पर भड़के, कहा- ऐसा बोलने वाला दलाल

कोरबा, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री और भाजपा विधायक ननकी राम कंवर कोरबा में उरगा-चांपा नेशनल हाईवे मामले में मुआवजा मिलने की बात को लेकर भड़क गए हैं।

उन्होंने कहा कि, ऐसा बोलने वाला बेवकूफ और ठेकेदार का दलाल है। कहा कि, अगर कलेक्टर ऐसे लोगों को छोड़ेंगे तो वह भी मार खाएंगे। भाजपा विधायक ने कहा कि, वह इस मामले की शिकायत प्रधानमंत्री से करेंगे। दो दिन पहले ही एनएचएआई के अफसरों ने बताया था कि, विधायक ने छह महीने पहले खुद 2 करोड़ 34 लाख 67 हजार 324 रुपये का मुआवजा लिया, बावजूद इसके अभी तक अपनी राइस मिल नहीं हटाई है।

पूर्व गृहमंत्री ने ननकी राम ने कहा कि, उरगा–चांपा नेशनल हाइवे के लिए जमीन देने वाले दर्जनों ग्रामीणों को मुआवजा नहीं मिला है। मुआवजा दिए बगैर ही उनके मकान को तोड़ दिया गया। अब बारिश में तो बिल्कुल भी तोड़ने नहीं देंगे। वहीं खुद को मुआवजा मिलने के एनएचएआई अफसर के बयान पर कहा कि, मेरे बारे में ऐसा बोलने वाला बेवकूफ है। ये आदमी ठेकेदार का दलाल या गुंडा होगा। उन्होंने कहा कि अगर ठेकेदार का आदमी मेरे सामने आ जाए और बहस करे। मैं बहुत लोगो को मार चुका हूं, नहीं छोड़ूंगा। ननकीराम ने कहा कि, गलत करने वालो को कलेक्टर छोड़ेंगे तो वे भी मार खाएंगे।

चार दिन पहले ही ग्रामीणों के साथ लगाया था जाम

दरअसल, कोरबा-चाम्पा मार्ग पर ग्राम पताढ़ी में हाईवे के लिए ली गई जमीन पर कब्जे को लेकर प्रशासन ने गुरुवार शाम उरगा इलाके में कई मकानों और दुकानों को ढहा दिया।

इसके विरोध में शुक्रवार को भाजपा विधायक और पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने ग्रामीणों के साथ मिलकर हाईवे जाम कर

दिया। आरोप लगाया कि प्रशासन ने बिना मुआवजा और नोटिस दिए उनके मकानों और दुकानों को गिराया। इसके बाद एनएचएआई के अफसरों ने बताया था कि, विधायक ने खुद मुआवजा लिया है। जब ग्रामीणों ने विधिवत फॉर्म ही नहीं भरा है, तो उनको मुआवजे की रकम भला कैसे जारी होगी।

बिना विधिवत फार्म भरे कैसे मिलेगा मुआवजा

हाईवे अथॉरिटी के अफसरों का कहना था कि, भाजपा के लोग ही कार्य मे व्यवधान उतपन्न कर रहे हैं। पहले वे क्षेत्र की सड़क खराब होने की बात कहते हुए धरना और विरोध जताते रहे। एनएचएआई प्रोजेक्ट के डायरेक्टर डीडी पार्लावार का कहना है कि विधिवत फॉर्म भरकर कई लोगों ने मुआवजा लिया है। जिनका पारिवारिक विवाद है, उनके घर के लोगों ने ही नहीं लिया है, जबकि ऐसे लोगों को कई बार नोटिस दी जा चुकी है। दूसरी तरफ कई ऐसे भी लोग हैं जो मुआवजा लेने के बाद भी निर्माण नहीं हटा रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया है कि जनप्रतिनिधि और जनता निर्माण में सहयोग करें।

लव जिहाद के आरोपी तनवीर को नहीं मिली जमानत

रांची सिविल कोर्ट में हुई पेशी, मॉडल ने लगाए हैं कई गंभीर आरोप

रांची, 27 जून (एजेंसियां)। रांची में लव जिहाद के आरोपी तनवीर अख्तर को रांची सिविल कोर्ट में पेश किया गया। आरोपी तनवीर ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी जिसे कोर्ट ने इनकार कर दिया। आरोपी पर कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है यश मॉडलिंग एजेंसी के संचालक तनवीर अख्तर पर एक मॉडल ने धर्म बदलने के लिए दबाव देने, जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

आरोपी की आज पेशी हुई और रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) की कोर्ट में जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने तनवीर की जमानत याचिका खारिज कर दी गयी है । रांची पुलिस ने तनवीर को बिहार से गिरफ्तार किया था। रांची पुलिस ने मॉडल का कोर्ट में 164 का बयान दर्ज और मेडिकल टेस्ट कराया था।

मॉडल के तनवीर पर 3 आरोप

1. डेढ़ साल मानसिक परेशानी से गुजरी

मॉडल ने बताया, एक्टिंग और मॉडलिंग का सपना लेकर यश मॉडल स्कूल में एडमिशन लिया था। सीखते- सीखते इसी जगह काम भी शुरू कर दिया। यहीं तनवीर से मुलाकात हुई। मैंने वहां डेढ़ साल काम किया इस दौरान कई तरह की मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ा।

2. मेरी फोटो का गलत इस्तेमाल किया

मॉडल ने कहा, मैं किसी तरह मुंबई आ गई। इसके बाद भी तनवीर मुझे ब्लैकमेल कर रहा है। उसने मुझे यहां आकर मारने की भी कोशिश की है। मेरी फोटो का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रहा है। वह मुझसे शादी करना चाहता है, मेरा धर्म बदलना चाहता है। इससे पहले भी उसने ऐसी ही हरकत की थी। मैंने शिकायत की थी तो उसने कोर्ट में एफिडेविट में लिखकर दिया था कि वह आगे से ऐसी हरकत नहीं करेगा। मैंने उसके खिलाफ शिकायत वापस ले ली, लेकिन वह नहीं माना और लगातार मुझे तंग करता रहा।

3. गंदे मैसेज भेजे, ब्लैकमेल करता रहा

उसने ने बताया, तनवीर के परिवारवालों को भी इसकी जानकारी है। उसकी बहन शाजिया और पिता शादाब खान को जानकारी है। दोनों मुझसे कहते रहे कि तनवीर किसी भी तरह शादी कर लेगा। 23 मई को मेरा जन्मदिन था, उस दिन भी तनवीर ने मुझे ब्लैकमेल किया। गंदे मैसेज करता रहा। मेरे घरवालों को जान से मारने की धमकी दी।

तनवीर ने आरोपों पर कहा, उसने व्यापार में मेरा नुकसान किया है। मैंने पैसे मांगे तो अब मुझ पर आरोप लगा रही है। उसने मेरी न्यूड तस्वीर भी वायरल की है। मेरे पास 60 हजार का डाटा है, जो वह मुझसे चाहते हैं। वो लव जिहाद का सहारा ले रही है। मैं मुस्लिम हूं इसलिए मुझ पर इस तरह का आरोप लगाया जा रहा है। मेरा उनसे कोई संबंध नहीं है। उनके दोस्त सरबजोत सिंह, राहुल जैसे लोग इसमें शामिल हैं।

क्या लव जिहाद का है मामला?

मॉडल का यह भी दावा है कि वह पहली लड़की नहीं है, जिसके साथ तनवीर खान ऐसा किया। इस मामले में मुंबई पुलिस ने बताया कि यह मामला झारखंड का था, इसलिए शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज कर झारखंड पुलिस के पास भेज दिया गया है। पुलिस को इस मामले में प्रथम दृष्टया लव जिहाद का मामला भी नजर आया है।

पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर तनवीर अख्तर के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 376 (2), 376 (एन), 328, 506, 504, और 323 और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया है।

विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाएगी भाजपा

बीजेपी ने विधायक दल की बैठक में किया तय, बोले-कांग्रेस भ्रष्टाचार शिरोमणी, जनता के मुद्दों पर होगी तीखी बहस

रायपुर, 27 जून (एजेंसियां)। 18 से 21 जुलाई के बीच छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने विधायक दल की बैठक की। ये बैठक सोमवार की शाम नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के घर पर हुई। बैठक में सबसे पहले वैशाली नगर विधायक दिवंगत विद्यारतन भसीन को श्रद्धांजलि दी गई।

करीब एक से डेढ़ घंटे चली बैठक के बाद भाजपा नेताओं ने तय किया कि करना क्या है। विधायकों की इस बैठक में संगठन के नेताओं का अहम रोल रहा। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, महामंत्री पवन साय और प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव भी इस बैठक में शामिल हुए। भाजपा के नेता पूरी कोशिश कर रहे हैं कि 4 दिनों की विधानसभा की कार्रवाई में पुरजोर तरीके से कांग्रेस को घेरें। वैशाली नगर विधायक दिवंगत विद्यारतन भसीन को श्रद्धांजलि दी गई।बैठक खत्म होने के बाद नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा- हमने तय किया है कि हम कांग्रेस के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे।

यह सत्र बहुत छोटा है संभवतः यह विधानसभा का अंतिम सत्र है, इसलिए कम से कम 10 बैठक होनी चाहिए जो नहीं हो रही हैं।

बारिश ने किया पानी-पानी, लुढ़का पारा

मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

बालोद, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में मानसून की पहली बारिश ने ही पूरे जिले को भिगोकर रख दिया है। चार दिन से हो रही लगातार जारी बरसात ने गर्मी से राहत दी है। पारा नीचे जाने से रात को हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। वहीं जगह-जगह जल भराव होने से लोग परेशान भी हो रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी अब किसानों को है। खेत अब ओवरफ्लो होने के कारण किसान उन्हें सुरक्षित करने में लगे हुए हैं।

बालोद में कई जगह भरा पानी

पानी निकासी की की समस्या होने के चलते रेलवे कालोनी, बूढ़ा तालाब का क्षेत्र, हाईवे किनारे राजहरा चौक पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। नगर पालिका अध्यक्ष अपनी टीम के साथ शहर का दौरा कर रहे हैं और सुचारू व्यवस्था बनाने में जुटे हुए हैं। वहीं अधूरे सड़क निर्माण क्षेत्रों में भी जलभराव और कीचड़ के चलते लोगों को आने-जाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिले के सभी विकासखंडों में बारिश का यह चौथा दिन है। रात में तेज बारिश दर्ज की गई है। अभी हालात और बिगड़ सकते हैं। मौसम विभाग ने बालोद जिले के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया है। लगातार हो रही बारिश से मौसम शुष्क नम हो चुका है। लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट भी दर्ज की गई है। मौसम विभाग की माने तो अधिकतम तामपान 25 और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज की है। बदलते मौसम बारिश और बीमारियों के खतरे को देखते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक लेकर पहले ही सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिसके परिणाम स्वरूप जिला चिकित्सालय में पहले से ही सारी सुविधाओं को मुहैया कराए जाने के साथ साथ ग्रामीण स्तर पर मितानिनों के भी अलर्ट पर रखा गया है।

भारत को हथियार बेचने की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग

अमेरिकी संसद में द्विदलीय प्रस्ताव पेश

वॉशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में भारत के साथ संबंधों को कितनी अहमियत दी जा रही है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिकी संसद में एक द्विदलीय प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसमें मांग की गई है कि भारत को हथियार बेचने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। इस प्रस्ताव का उद्देश्य भारत-अमेरिका के संबंधों को मजबूत करना और हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करना है।

इन सांसदों ने प्रस्ताव किया पेश

इस प्रस्ताव को भारतीय अमेरिकी मूल के डेमोक्रेटिक सांसद राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और मार्क वीसे के साथ ही रिपब्लिकन पार्टी के सांसद एंडी बार और माइक वाल्ट्ज ने संसद में पेश किया। इस प्रस्ताव के समर्थन में एक और सहयोगी प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसे डेमोक्रेटिक सांसद मार्क वार्नर और रिपब्लिकन सांसद जॉन कोर्निन ने पेश किया है। प्रस्ताव को लेकर एंडी बार के कार्यालय ने अपने बयान में कहा है कि 'यह प्रस्ताव भारत को अमेरिका के अन्य करीबी सहयोगियों के बराबर खड़ा कर देगा। साथ ही इस प्रस्ताव से आर्म्स एक्सपोर्ट कंट्रोल एक्ट की फॉरेन मिलिट्री सेल्स (एफएमएस) नीति के तहत हथियारों की बिक्री तेजी से और आसानी से हो सकेगी।'

क्या होता है द्विदलीय प्रस्ताव

बता दें कि जब सदन में दोनों दलों के सदस्य मिलकर कोई प्रस्ताव पेश करते हैं तो उसे द्विदलीय प्रस्ताव कहा जाता है। यह द्विदलीय प्रस्ताव ऐसे समय अमेरिकी संसद में पेश किया गया है, जब हाल ही में पीएम मोदी अमेरिका का अपना सफल दौरा पूरा करके भारत लौटे हैं। इस दौरे पर ही अमेरिका और भारत के बीच फाइटर जेट विमान के इंजन बेचने संबंधी कई अहम सौदों को मंजूरी मिली है।

भारत को मिलेगा फायदा

प्रस्ताव पेश करने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा कि आर्म्स एक्सपोर्ट कंट्रोल्स एक्ट के तहत अमेरिका के सहयोगी देशों के जल्द और आसानी से हथियार बेचे जाते हैं। अब भारत को भी उन सहयोगियों में शामिल करने से भारत-अमेरिका के संबंध मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव के पास होने के बाद भारत को सभी जरूरी हथियार मिल सकेंगे। कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत और अमेरिका के मजबूत संबंध ना सिर्फ दोनों देशों के लिए अच्छे हैं बल्कि यह पूरी दुनिया के लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है।

बीआरआई परियोजना पर चीन की बात को नेपाल ने काटा

क्या इससे रिश्तों में बढ़ेगी कड़वाहट?

काठमांडू, 27 जून (एजेंसियां)। जिस समय नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल अपनी चीन यात्रा की तैयारी में बताए जाते हैं, तभी देश में इस मुद्दे पर विवाद खड़ा हो गया है कि चीन की महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना के तहत नेपाल में अब तक कोई निर्माण हुआ है या नहीं। कुछ समय पहले नेपाल में पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन हुआ था। तब चीन ने 'एकतरफा ढंग' से एलान कर दिया था कि इस हवाई अड्डे का निर्माण बीआरआई के तहत हुआ है। सोमवार को नेपाल की संसद में दो सदस्यों- नेपाली कांग्रेस के राम हरि खतिवाडा और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के असीम शाह ने विदेश मंत्री एनपी सउद और पर्यटन मंत्री सुदान किराती से पूछा कि पोखरा हवाई अड्डा बीआरआई का हिस्सा है या नहीं।

रूस में हुई बगावत में नेपाल का हाथ!

वैगनर ग्रुप में शामिल हुए कई गोरखा सैनिक, नेपाली सरकार भी परेशान

मॉस्को, 27 जून (एजेंसियां)। रूस में हाल ही में प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के चीफ येवगेनी प्रिगोझिन ने वहां की सरकार के खिलाफ बगावत कर दी थी। अब खबर आई है कि उस बगावत का एक एंगल नेपाल से भी जुड़ रहा है। दरअसल खबर आई है कि वैगनर ग्रुप में कई गोरखा सैनिक भी शामिल हैं। इनमें से कई नेपाल की सेना से रिटायर्ड सैनिक हैं तो कुछ बेरोजगार युवा हैं। अब वैगनर ग्रुप और रूसी सरकार में समझौते के बाद इन गोरखा सैनिकों को रूस की सदस्यता मिल सकती है।

रूस की सेना में शामिल होंगे गोरखा सैनिक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैगनर ग्रुप और रूसी सरकार के बीच हुए समझौते के तहत वैगनर ग्रुप के लड़ाकों को रूस की सेना में भर्ती किया जा सकता है। ऐसे में वैगनर ग्रुप से लड़ने वाले गोरखा सैनिक भी रूस की सेना में शामिल हो सकते हैं। इससे नेपाल के अधिकारी भी हैरान हैं। इसकी वजह ये है कि नेपाल और रूस के बीच नेपाल के नागरिकों को सैन्य दायित्व में लगाने संबंधी कोई समझौता नहीं है लेकिन अब समझौते के तहत वैगनर ग्रुप के जरिए नेपाली युवा रूस की सेना में शामिल हो सकते हैं।

रूस ने आसान किए नागरिकता नियम

गौरतलब है कि रूस ने बीती 16 मई को ही विदेशी नागरिकों को रूसी नागरिकता लेना आसान कर दिया है। यूक्रेन के साथ जारी युद्ध को देखते हुए विशेष परिस्थिति में यह प्रावधान किए गए हैं। रूस की सरकार ने रूसी नागरिकता लेने वाले विदेशियों के परिजनों को भी नागरिकता देने की पेशकश की है।

रूस के इस ऑफर से नेपाल के युवा खासे आकर्षित हो रहे हैं। नेपाल में बेरोजगारी दर 11 प्रतिशत के ऊपर बनी हुई है, यही वजह है कि नेपाल के युवा रोजगार की तलाश में रूस का रुख कर रहे हैं। खबर आई है कि दर्जन भर से ज्यादा नेपाली युवाओं ने रूस में युद्ध की ट्रेनिंग ली है।

नेपाल के सैन्य रणनीतिकारों ने जताई चिंता

नेपाल के रणनीतिक विश्लेषक और रिटायर्ड मेजर जनरल विनोद बसनयात का कहना है कि 'यह एक चिंताजनक स्थिति है। नेपाल सरकार इस बारे में कुछ नहीं कर पा रही है और लोग अपनी निजी हैसियत से रूस जा रहे हैं। अगर कोई नागरिक विदेशी सेना में शामिल होता है तो यह सरकार की विदेश नीति के तहत होना चाहिए। इसे लेकर देशों के बीच समझौता होना चाहिए लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है।'

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें नेपाली नौजवान युद्धभ्यास करते दिख रहे हैं। नेपाल से भी ऐसी खबरें आई हैं कि कुछ नौजवान रूस चले गए हैं और वहां की सेना में शामिल हो गए हैं।

भारतीय मूल की आरती बनीं संयुक्त राष्ट्र बाह्य अंतरिक्ष कार्यालय की प्रमुख

लंदन, 27 जून (एजेंसियां)। भारतीय मूल की आरती होला-मैनी को वियना में बाहरी अंतरिक्ष मामलों के संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओओएसए) के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि मैनी के उपग्रह उद्योग में अनुभवों को देखते हुए यह फैसला लिया है। बता दें, मैनी इटली की सिमोनेटा डि पिप्पो की जगह लेंगी।

गौरतलब है, होला-मैनी को 25 साल से ज्यादा प्रबंधकीय और वकालत कार्यों सहित अंतरिक्ष क्षेत्र में अनुभव है। इन्हीं सबको देखते हुए उन्हें बाहरी अंतरिक्ष मामलों के संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सोमवार को जारी एक बयान में बताया गया कि हाल ही में उन्होंने नॉर्थस्टार अर्थ एंड स्पेस में कार्यकारी उपाध्यक्ष स्थिरता, नीति और प्रभाव की भूमिका निभाई है। इससे पहले, मैनी ने ग्लोबल सैटेलाइट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के महासचिव के रूप में 18 साल से अधिक समय बिताया।

ये सेवाएं भी दे चुकी हैं मैनी

*विश्व आर्थिक मंच की अंतरिक्ष पर वैश्विक भविष्य परिषद के सदस्य के रूप में काम किया है।

*कोल पॉलिटेक्निक फेडरेल डी लॉजेन (ईपीएफएल) स्पेस सेंटर में ईस्पेस द्वारा प्रबंधित स्पेस सस्टेनेबिलिटी रेटिंग के सलाहकार समूह की सदस्य भी रही हैं।

*सैटेलाइट इंडस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सलाहकार बोर्ड की सदस्य की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं।

*फोरम यूरोप की वरिष्ठ अंतरिक्ष नीति सलाहकार रह चुकी हैं।

*यूरोपीय संघ अध्ययन 2021-2023 के लिए अंतरिक्ष यातायात प्रबंधन पर विशेषज्ञ सलाहकार के रूप में काम किया है।

आरती ने की है ये पढ़ाई

अगर भारतीय मूल की होला मैनी की पढ़ाई की बात करें तो उन्होंने अपना स्नातक जर्मन लॉ में यूके में स्थित किंग्स कॉलेज लंदन से किया है। वहीं, पेरिस के एचईसी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर किया है। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा भी रही हैं। उन्हें कई भाषाओं का ज्ञान है। वह अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन और पंजाबी बोलती हैं और उन्हें डच भी थोड़ी बहुत आती है।

पाकिस्तान फौज के कई अफसर बर्खास्त

रावलपिंडी, 27 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की फौज ने एक लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अफसर समेत कई अफसरों को बर्खास्त कर दिया है। इन सभी का कोर्ट मार्शल भी किया जाएगा। फौज के मीडिया विंग के डायरेक्टर जनरल (डीजी-आईएसपीआर) अहमद शरीफ चौधरी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इन सभी अफसरों पर दो आरोप हैं। पहला- 9 मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद फौज के ठिकानों पर खान समर्थकों ने जो हमले किए, उन्हें इन अफसरों ने नहीं रोका। दूसरा- शक है कि ये अफसर हिंसा की साजिश रचने वालों में भी शामिल हैं।

माना जा रहा है कि अब जल्द ही इमरान को भी गिरफ्तार करके उनके खिलाफ केस मिलिट्री कोर्ट में चलाया जाएगा। 9 मई की हिंसा में 11 लोग मारे गए थे। 283 घायल हुए थे। 9 मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 60 अरब रुपए के अल कादिर यूनिवर्सिटी ट्रस्ट स्कैम में गिरफ्तार किया गया था। एंटी करप्शन यूनिट ने यह गिरफ्तारी इस्लामाबाद हाईकोर्ट के स्कैन रूम से की थी। गिरफ्तारी के फौरन बाद इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने देश के तमाम हिस्सों में मौजूद फौज के अहम ठिकानों, शहीदों के स्मारकों, वॉर मेमोरियल, हेडक्वार्टर और पाकिस्तान रेडियो के दफ्तरों पर हमले किए।

इस हिंसा के तमाम वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसके बाद शाहबाज शरीफ सरकार और फौज ने करीब 7 हजार खान समर्थकों को गिरफ्तार किया। क्रैक डाउन शुरू हुआ तो खान की पार्टी के तमाम बड़े नेताओं ने पीटीआई छोड़ दी। अब खान अकेले पड़ चुके हैं।

अमेजन में 4 बच्चों को बचाने वाली टीम सम्मानित

बोगोटा, 27 जून (एजेंसियां)। अमेजन के जंगलों से 40 दिन बाद 4 बच्चों को रेस्क्यू करने वाले सेना के जवानों को कोलंबिया की सरकार ने सम्मानित किया है। इस रेस्क्यू मिशन को ऑपरेशन होप नाम दिया गया था और इसमें शामिल जवानों और बाकी मेंबर्स को ऑर्डर ऑफ बोयाका अवॉर्ड दिया गया। ये कोलंबिया के नागरिकों को दी जाने वाली सबसे बड़ी उपाधि और आर्म्ड फोर्सेज को दी जाने वाली दूसरी सबसे बड़ी उपाधि है। अवॉर्ड देते हुए राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने कहा- मेडल सिर्फ एक सिंबल है। असली अवॉर्ड तो जीवन है और ये इन रेस्क्यू वर्कर्स ने साबित कर दिया है। बचावकर्मियों ने ऑपरेशन में बच्चों की कम्यूनिटी के लोगों को शामिल करके साबित कर दिया कि कैसे एकजुट होकर हम कई जिंदगियां बचा सकते हैं। उन्होंने कहा- अब इस पर कोई विवाद नहीं बचा है कि पश्चिमी या पारंपरिक रिवाजों में से बेहतर क्या है। दोनों विचारधाराओं ने मिलकर ही इन बच्चों को रेस्क्यू करके घर पहुंचाया है। इस ऑपरेशन में शामिल मिलिट्री के स्निफर डॉग विल्सन को भी सम्मानित किया गया। बच्चों को जंगल से रेस्क्यू करने के बाद ये डॉग अमेजन में ही खो गया था। इसे ढूंढने के लिए भी ऑपरेशन चलाया गया है। हालांकि, कोलंबिया के एक मिलिट्री ऑफिसर ने कहा- हमें आशंका है कि अब विल्सन नहीं मिल पाएगा। रेस्क्यू ऑपरेशन के हेड जनरल पेड्रो सांशेज ने कहा कि 6 साल के डॉग विल्सन की लेगेसी को याद करने के लिए एक मॉन्यूमेंट बनवाया जाएगा।

दरअसल, 1 मई को अमेजन के जंगल में सेसना 206 प्लेन क्रैश हो गया था। इस हादसे में पायलट समेत 3 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें इन बच्चों की मां भी शामिल थी। 16 दिन बाद प्लेन का मलबा बरामद हुआ था, लेकिन तब बच्चे वहां से लापता थे।

न्यूयॉर्क में दीपावली पर स्कूलों में छुट्टी

मेयर बोले- शुभ दिवाली, अमेरिकी संसद में सरकारी छुट्टी के लिए पेश हो चुका है बिल

न्यूयॉर्क, 27 जून (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में अब से दिवाली पर स्कूलों में छुट्टी रहेगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक स्टेट असेंबली में इसके लिए बिल पारित हो गया है। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक ऐडम्स ने सोमवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा- मुझे भरोसा है कि गवर्नर कैथी इस बिल पर साइन कर देंगी। इससे न्यूयॉर्क में रह रहे 2 लाख से ज्यादा परिवारों को बेहतर तरह से त्योहार मनाने का मौका मिलेगा।

मेयर ने कहा- मुझे खुशी है कि दिवाली पर छुट्टी घोषित करवाने की इस लड़ाई में मैं लोकल कम्युनिटी और असेंबली मेंबर जेनिफर राजकुमार के साथ खड़ा रहा। इसी के साथ उन्होंने ट्विटर पर शुभ दिवाली भी लिखा। गवर्नर के साइन के बाद ये बदलाव सभी स्कूलों में लागू होगा। इस साल दिवाली 12 नवंबर यानी रविवार को मनाई जा रही है। इसलिए इस साल के कैलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

मेयर बोले- न्यूयॉर्क में सबको अपनाया जाता है

न्यूयॉर्क में दिवाली पर स्कूलों में छुट्टी से जुड़ा ये बिल असेंबली मेंबर जेनिफर राजकुमार ने पेश किया था। मेयर ऐडम्स के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने कहा- मुझे खुशी है कि मैंने न्यूयॉर्क के लोगों की तरफ से इस लड़ाई की शुरुआत की और इसे जीता भी। ऐडम्स ने कहा- ये फैसला उन लोगों के लिए एक मैसेज है जिन्हें न्यूयॉर्क में रहकर ऐसा महसूस होता है कि यहां उन्हें स्वीकार नहीं किया जा रहा। न्यूयॉर्क सबके लिए बना है और यहां हर किसी को अपनाया जाता है।

25 मई को अमेरिकी संसद में पेश हुआ था बिल

इससे पहले अमेरिका में 25 मई को निचले संदन की सांसद ग्रेस मेंग ने दिवाली को सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने संसद में एक बिल भी पेश किया था। इस बिल को 'दिवाली डे ऐक्ट' नाम दिया गया था। बिल के तहत दिवाली को अमेरिका में 12वीं सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग की गई थी।

हाल ही में पेन्सिल्वेनिया राज्य की सीनेट में भी दिवाली पर ऑफिशियल छुट्टी घोषित करने से जुड़ा बिल पास हो चुका है। इसकी पहल विधायक निखिल सवल ने की थी। उधर, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी-सेंटिस भी 2019 से गवर्नर हाउस में इंडियन-अमेरिकन समुदाय के लोगों के साथ दिवाली मनाते आ रहे हैं। व्हाइट हाउस में 14 साल पहले 2009 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने दिवाली मनाने की शुरुआत की थी। तब से हर साल यहां दीपों का पर्व मनाया जाता है।

अमेरिका में 44 लाख भारतवंशी

यूएन इंटरनेशनल माइग्रेशन रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में करीब 1.80 करोड़ प्रवासी भारतीय हैं। इनमें से 44 लाख लोग अमेरिका में रहते हैं। यहां 6 राज्यों के 10 जिलों में भारतीय-अमेरिकी लोगों की तादाद 6-18% हैं। कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, इलिनोइस में इनकी सबसे ज्यादा आबादी है।

अमेरिकी एडमिनिस्ट्रेशन में 80 से ज्यादा भारतवंशी अहम पदों पर तैनात हैं। इसके अलावा अमेरिका में करीब 38% डॉक्टर भारतीय मूल के हैं। भारतीय-अमेरिकी यूएस में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले जातीय समूह हैं।

जापान में भी दिखे थे चीन के स्पाई बैलून

सरकार बोली- दोबारा नजर आए तो इन्हें मार गिराएंगे, फरवरी में अमेरिका में दिखे थे गुब्बारे

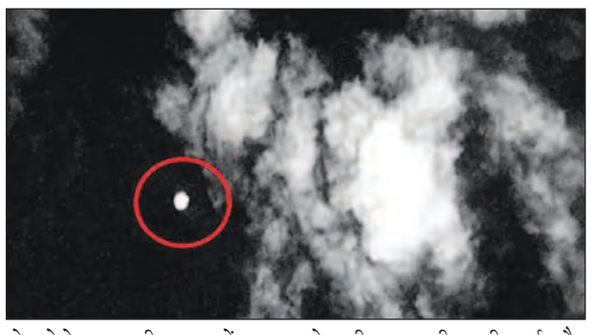

वॉशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के बाद अब जापान ने भी चीन का स्पाई बैलून दिखने की पुष्टि की है। बीबीसी पेनोरामा ने एक AI कंपनी की मदद से कई चीनी स्पाई बैलून की सैटेलाइट इमेज जारी की हैं। ये गुब्बारे ईस्ट एशिया को क्रॉस करते नजर आए हैं। AI कंपनी के मालिक कोरी जैस्कोलस्की ने बताया कि ये बैलून उत्तरी चीन से लॉन्च किए गए थे। जापान ने कहा है कि अगर ये बैलून दोबारा उनके क्षेत्र में नजर आए तो उन्हें मार गिराया जाएगा।

बीबीसी के मुताबिक, ये बैलून सितंबर 2021 में जापान में नजर आए थे। हालांकि, इसकी तस्वीर पहली बार सामने आई है। जापान के रक्षा मंत्रालय में काम करने वाले यूको मुराकामी ने कहा- जापान की सरकार ऐसे जासूसी गुब्बारों की गतिविधि पर नजर रखे हुए है। अगर जरूरत पड़ी तो देश और नागरिकों की रक्षा के लिए इन्हें मार गिराया जाएगा। जैस्कोलस्की ने बताया कि ऐसी ही बैलून ताइवान के क्षेत्र में भी नजर आ चुके हैं। ईस्ट एशिया क्षेत्र में काम कर चुके सीआईए के पूर्व एनालिस्ट जॉन कुल्वर ने बीबीसी को बताया- चीन पिछले 5 सालों से ऐसे जासूसी गुब्बारों का इस्तेमाल कर रहा है। ये एक लॉन्ग रेंज मिशन का हिस्सा हैं और अक्सर पृथ्वी के चक्कर लगाते रहते हैं। जैस्कोलस्की ने बताया कि जासूसी गुब्बारे कई बसों के बराबर होते हैं और इनमें डेटा कलेक्ट करने के लिए इक्विपमेंट लगे होते हैं। हालांकि, ये आसमान में काफी ऊपर उड़ते हैं और नीचे से देखने पर सफेद रंग के आम गुब्बारे जैसे नजर आते हैं।

फरवरी में अमेरिकी में नजर आया था चीनी जासूसी गुब्बारा

अमेरिका के मोंटाना शहर में 2 फरवरी को चीनी स्पाई बैलून नजर आया था। तब से दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ी हुई है। अमेरिका ने 5 फरवरी को एफ-22 फाइटर जेट से बैलून को मार गिराया था और इसका मलबा चीन को लौटाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद चीन भड़क गया था। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा था- किसी भी वेदर बैलून का दूसरे देश में घुस जाना नॉर्मल बात है। बैलून तबाह करके अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया है। चीन ने दावा किया था कि 2022 से अब तक 10 अमेरिकी गुब्बारे उनके क्षेत्र में घुस चुके हैं।

अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट एचआई सटन ने दावा किया था कि जनवरी 2022 में चीन के जासूसी गुब्बारे ने भारत के सैन्य बेस की जासूसी की थी। इस दौरान चीन के जासूसी गुब्बारे ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर के ऊपर से उड़ान भरी थी। उस दौरान सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर भी वायरल हुई थी। हालांकि, उस वक्त भारत सरकार की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इंटेलिजेंस एजेंसी ने ये भी कहा था कि स्पाई बैलून के जरिए चीन दुनियाभर के देशों की मिलिट्री साइट्स पर नजर रख रहा है। पिछले कई साल से चीन ऐसा कर रहा है और वह अब तक पांच महाद्वीप के 12 देशों में इसी तरह के बैलून भेजकर खुफिया जानकारी जुटा चुका है।

फरवरी में न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट में दावा किया था कि चीन की डिफेंस टेक्नोलोजी की नेशनल यूनिवर्सिटी के पास एक पूरी टीम है जो जासूसी बैलून पर स्टडी कर रही है। साल 2020 में चीनी सेना के अखबार पीपल्स लिबरेशन आर्मी डेली ने एक आर्टिकल पब्लिश किया था।

जिंदा रहने के लिए एक-दूसरे का मांस खाते थे प्राचीन मानव?

नैरोबी, 27 जून (एजेंसियां)। एक प्राचीन मानव संबंधी प्रजाति की हड्डी पर मिले कट के निशानों से पता चलता है कि 15 लाख साल पहले उसे किसी दूसरे मानव ने मार डाला था और फिर खा लिया था। इसे 'इंसानों के मांस खाने का' सबसे पुराना सबूत माना जा रहा है। स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के शोधकर्ताओं ने होमो सेपियन्स से जुड़ी एक प्रजाति के बाएं टिबिया पर ये निशान खोजे हैं। ये प्रजाति आज के केन्या में रहती थी। 11 में से लगभग 9 कट पत्थर के औजारों से मेल खाते हैं जबकि अन्य निशानों के लिए विलुप्त हो चुका 'सेबर दांत वाला एक जीव' जिम्मेदार था। प्रोजेक्ट के प्रमुख शोधकर्ता, ब्रियाना पोबिनर ने कहा कि कट के निशान यह साबित नहीं करते हैं कि हत्या करने वाले शख्स ने भी उसका मांस खाया लेकिन इसकी संभावना जरूर है। इस हड्डी की खोज 1970 में पेलियोएंथ्रोपोलॉजिस्ट मैरी लीकी ने की थी और तब से इसे केन्या के नैरोबी म्यूजियम में रखा गया था। हाल ही में पोबिनर ने जानवरों के काटने के निशानों की खोज में टिबिया पर दोबारा नजर डाली तो उन्हें नए और रहस्यमय निशान नजर आए। एक बयान में उन्होंने कहा, 'हमारे पास जो जानकारी है वह हमें बताती है कि कम से कम 14-15 लाख साल पहले होमिनिन संभवतः दूसरे होमिनिन को खा रहे थे।' पोबिनर ने कहा, 'ह्यूमन इवोल्यूशन ट्री की प्रजातियों के अपना पेट भरने के लिए एक-दूसरे को खाने के कई अन्य उदाहरण मौजूद हैं लेकिन यह जीवाश्म बताता है कि हमारे अनुमान से और पहले से, हमारी प्रजाति के करीबी अतीत में जिंदा रहने के लिए एक-दूसरे को खा रहे थे।'

पाकिस्तान में सिखों पर हमले बढ़े

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सिख कम्युनिटी पर हमले बढ़ गए हैं। अप्रैल से जून तक चार मामले सामने आए हैं। भारत सरकार ने इस मामले पर नोटिस लेते हुए सोमवार को पाकिस्तान हाईकमीशन के सीनियर डिप्लोमैट को तलब किया।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक- पाकिस्तान के डिप्लोमैट से कहा गया है कि वो सिखों पर हुए हमलों की गंभीरता से जांच करे और इस जांच रिपोर्ट को भारत के साथ शेयर किया जाए। इसके अलावा पाकिस्तान से ये भी कहा गया है कि वो पाकिस्तान में माइनोरिटीज की हिफाजत के पुख्ता इंतजाम करे। भारत का कहना है कि हालिया हमलों से साफ हो जाता है कि उनसे मजहब के आधार पर भेदभाव किया जा रहा है। पाकिस्तान के अखबार 'द न्यूज इंटरनेशनल' की रिपोर्ट के मुताबिक- शनिवार को दुकान से घर लौट रहे एक सिख कारोबारी पर बाइक से आए दो लोगों ने हमला किया था। इस हमले में मनमोहन सिंह नाम के इस सिख कारोबारी की मौत हो गई थी। यह हमला पेशावर के ककशाल इलाके में हुआ था। 34 साल के मनमोहन एक ऑटो रिक्शा से घर जा रहे थे। एक चौराहे पर इस ऑटो को रोका गया और करीब से सिंह पर गोलियां चलाई गईं। पुलिस ने जांच के नाम पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया और बाद में इन्हें छोड़ भी दिया।

कुछ खबरों में कहा गया है कि पुलिस को इलाके में लगे कुछ सीसीटीवी कैमरों के फुटेज हाथ लगे हैं। इनके आधार पर जांच की जा रही है। हालांकि, पुलिस ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- शुक्रवार को भी एक सिख कारोबारी पर हमला किया गया था। इस सिख का नाम तरलोक सिंह बताया गया है। ऐन वक्त पर सिंह सतर्क हो गए और फायर उनके दाएं पैर में लगे। उन्हें फौरन हॉस्पिटल ले जाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

मई में अज्ञात हमलावरों ने सरदार सिंह नामक सिख की लाहौर में हत्या कर दी थी। वो 63 साल के थे। सिंह के सिर में दो गोलियां लगी थीं। सरदार सिंह बड़े कारोबारी थे और उनके साथ सिक्योरिटी टीम मौजूद रहती थी। हमले में उनके गनमैन को भी एक गोली लगी। इसके पहले अप्रैल में पेशावर में दयाल सिंह नाम के सिख की हत्या कर दी गई थी।

पेशावर शहर में पिछले साल जून में एक सिख डॉक्टर की उनके क्लिनिक में घुसकर हत्या कर दी गई थी।

महिलाओं को 25 जुलाई से मिलेंगे स्मार्टफोन

सीएम गहलोत बोले- पहले फेज में 40 लाख मोबाइल देंगे, 3 साल फ्री मिलेगा इंटरनेट

उदयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा के तहत महिलाओं को स्मार्टफोन देने का काम जुलाई से शुरू होगा। सीएम गहलोत ने सोमवार को उदयपुर में कहा- पूरी उम्मीद है कि 25 जुलाई से महिलाओं को स्मार्टफोन दे दिए जाएंगे। पहले फेज में 40 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन देंगे। उनको 3 साल की इंटरनेट सेवा भी फ्री मिलेगी। गहलोत उदयपुर के बलीचा में किसान महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। गहलोत ने यही बात सलूंबर में भी दोहराई।

पीएम किसानों को 6000 रुपए, मैं 21600 रुपए देता हूं : सीएम

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतने चालाक हैं कि वे किसानों को सालाना 3 किस्तों में सिर्फ 6 हजार रुपए की मदद देते हैं। जबकि प्रदेश की कांग्रेस सरकार किसानों को 2000 यूनिट बिजली मुफ्त दे रही है। इसका मतलब 1800 रुपए प्रतिमाह यानी सालाना 21600 रुपए की मदद हुई। फिर भी मोदीजी मार्केटिंग में माहिर हैं।

उन्होंने कहा- मैं मुख्यमंत्री बना था तब मोदीजी गुजरात के सीएम थे। मोदीजी कहते थे... एमएसपी के लिए यूपीए सरकार कानून बनाए। अब मैं मोदीजी से पूछना चाहता हूं कि आपको बतौर प्रधानमंत्री 9 साल हो चुके हैं। आपने एमएसपी कानून क्यों नहीं बनाया?

मैंने पीएम को पत्र में कहा- मुआवजे के पुराने नियम वापस लाएं

सीएम गहलोत ने कहा- गाय सबकी माता है, फिर भी हमारे विपक्ष के साथी (भाजपाई) हमें बदनाम करते हैं। असली गो-भक्त कोई है तो वह हमारी ही सरकार है। हमने भारत में पहली बार गो निदेशालय बनाया। भाजपा की सरकार ने गोपालकों को सिर्फ 500 करोड़ अनुदान दिया और हमारी सरकार ने 3000 करोड़ दे दिए। लम्पी रोग से मृतक गायों के गोपालकों को 40-40 हजार रुपए मुआवजा दिया है। सभी पशुओं का बीमा करा दिया है, जिसका प्रीमियम सरकार देगी। उन्होंने कहा कि पहले आंधी आई, फिर ओलावृष्टि हुई, इसके बाद तूफान आया। फसलें खराब हो गईं, खंभे उखड़ गए, घरों की छत गिर गईं, पेड़ गिर गए।

एसडीआरएफ में पहले पैसा मिलता था। अब भारत सरकार ने ऐसी स्थिति बना दी है कि मुआवजे को किसानों के कृषि बीमा से लिंक कर दिया है। ऐसे में किसानों को समय पर राहत नहीं मिल पा रही है। मैंने पीएम को पत्र भेजकर कहा है कि पुराने नियम अच्छे थे, जिन्हें वापस लाएं।

कांग्रेस को चंदा देने वालों के घर ईडी भेजी जाती है

सीएम ने कहा कि जो कारोबारी कांग्रेस को चंदा देता है उसके घर ईडी भेजी जाती है। आप चाहे जो कर लें... राज वही करेगा, जिसको जनता चुनेगी। उदयपुर में मुख्यमंत्री ने किसान सम्मेलन में कई घोषणाएं भी कीं। उदयपुर के बलीचा में 100 बीघा जमीन पर 50 करोड़ की लागत से फल-सब्जी मंडी बनवाने की घोषणा की। गौण मंडी बलीचा को स्वतंत्र मंडी घोषित करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने उदयपुर जिले में सीताफल, आम वनोपज और औषधियों पादपों के अनुसंधान व उत्पादन की आधुनिकतम तकनीक विकसित किए जाने की दृष्टि से 3 सेंटर स्थापित करने की घोषणा की। इसके तहत कोटड़ा में सीताफल, झाड़ोल-फलासिया में वन उपज व औषधीय पादपों तथा लसाड़िया में आम के लिए यह केन्द्र खोले जाएंगे।

'ईआरसीपी बना दूंगा, राजेंद्र सिंह का राज बना दो'

केंद्रीय मंत्री शेखावत के वीडियो से सियासी विवाद, 46 हजार करोड़ देने की भी बात

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के ईस्टर्न राजस्थान कैनाल पर बयान का वीडियो सामने आने के बाद सियासी विवाद हो गया है। वीडियो शेखावत के रविवार को सवाईमाधोपुर दौरे के दौरान सर्किट हाउस का है।

वीडियो में शेखावत से पार्टी का एक नेता ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट का जिक्र कर रहा है। ईआरसीपी का जिक्र आने पर गजेंद्र सिंह कह रहे हैं- ईआरसीपी भी बना दूंगा। 46 हजार करोड़ दे दूंगा, आप तो राजेंद्र सिंह (नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़) का राज बना दो, तुरंत लग जाएगा।

वीडियो में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, टोंक सवाईमाधोपुर सांसद सुखबीर सिहं जौनपुरिया और कई बीजेपी नेता उनके साथ दिख रहे हैं। चर्चा करते हुए ये नेता बाहर निकल रहे हैं।

शेखावत ने बीजेपी राज की जगह राजेंद्र राठौड़ का राज लाने की बात कहकर सियासी चर्चाएं छेड़ दी हैं। शेखावत ने राठौड़ को इशारों में मुख्यमंत्री का दावेदार बता दिया। अब तक बीजेपी के नेता मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने की बात कहते रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने मजाक में ही सही, लेकिन राठौड़ को सीएम उम्मीदवार बता दिया।

शेखावत का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। राजस्थान कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री के वीडियो को अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर शेयर करते हुए बीजेपी और शेखावत पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने लिखा- राजस्थान की जनता के प्रति भाजपा की ये निकृष्ट और कुंठित सोच का प्रमाण है।

ईआरसीपी का काम रोकने और जनता से छल-कपट करने वाले शेखावत का ये 'हीन व हलका' आचरण देखिए। सत्ता के लालची कह रहे हैं, ERCP बना दूंगा, 46000 करोड़ दे दूंगा, बस राज बनवा दो।

कांग्रेस के अलावा सोशल मीडिया यूजर्स भी अलग&अलग कमेंट कर रहे हैं। संजय मेहरा ने लिखा- विपक्ष का असली चेहरा। जनता की सुविधा&असुविधा से इनको मतलब नहीं सिर्फ सत्ता से मतलब है1 भुवनेश ने लिखा- लालच और कुंठा से ग्रसित बीजेपी और बीजेपी के नेता जनता से इन्हें कोई सरोकार नहीं है। मनीष अरोड़ा ने लिखा- केंद्र सरकार की रीति-नीति में फर्क है। रिंकू मीणा ने लिखा- सत्ता के लालची कह रहे हैं ईआरसीपी बना दूंगा, 46000 करोड़ दे दूंगा, बस राज बनवा दो।

गजेंद्र सिंह के वीडियो पर गुर्जर नेता हिम्मत सिंह ने पलटवार किया है। हिम्मत सिंह ने ट्वीट करके और लिखित बयान जारी करके बीजेपी और गजेंद्र सिंह पर निशाना साधा। हिम्मत सिंह ने कहा- ईआरसीपी को अटकाने वाले आज साफ कह रहे हैं कि इनको बस सत्ता चाहिए, जनता से मतलब नहीं। बोल भी ऐसे रहे हैं, जैसे पैसा अपनी जेब से देंगे।

पूर्वी राजस्थान की जनता के प्रति भाजपा की ये निकृष्ट और कुंठित सोच का प्रमाण है। ईआरसीपी का काम रोकने और पूर्वी राजस्थान की जनता से छल-कपट करने वाले समझ लें- खुली आंखों से सपना देखना बंद कर दो जनता गांवों में नहीं घुसने देगी। ये सत्ता के लालची लोग हैं। इन्हें जनता से कोई हमदर्दी नहीं, किसानों के तो ये सबसे बड़े दुश्मन हैं। इन्हें सबक सिखाने के लिए प्रदेश की जनता तैयार है।

बारिश ने बिगाड़ा रसोई का बजट

सब्जियों के दाम उछाल पर, तीन से चार दिन में दोगुने हुए भाव

झुंझुनूं, 27 जून (एजेंसियां)। प्री मानसून की शुरूआत के साथ ही सब्जियों के दामों में भारी उछाल आ गया है। सब्जियों के दाम अचानक आसमान पहुंचे गए। अधिकांश सब्जियों के दामों में 10 रू से लेकर 50 रूपए तक की बढ़ोतरी हो गई है।

माटी के मोल बिकने वाला टमाटर एवं खीरा के भाव अचानक अप्रत्याशित रूप से बढ़ गये हैं। इसके अलावा अन्य सब्जियों के भाव भी दोगुने से अधिक हो गए हैं। सब्जियों में इजाफा होने का कारण अभी हाल ही में हुई दो-तीन दिन की बरसात के अलावा सब्जियों में रोग लगना बताया जा रहा है।

अचानक मंडी में सब्जियों के थोक भाव बढ़ गए

पिछले तीन चार दिन हो रही बारिश का असर सब्जियों पर दिखने लगा है। बारिश से खेत में तैयार सब्जियां खराब होने लगी है।क्योंकि मंडी में अधिकतर सब्जियां आस पास के ग्रामीणों से पहुंचती है। कुछ सब्जियां जयपुर से भी आती है। लगातार हो रही बारिश से सब्जियों की आवक घट गई है। जिसके कारण मंडी में थोक भाव बढ़ गए है।

सब्जी विक्रेता अब्दुल अजीज ने बताया कि बारिश की वजह से सब्जियों के दाम प्रभावित हुए है। लोकल स्तर पर आने वाली सब्जी भी कम आ रही है। इस कारण रेट बढ़ गए हैं। टमाटर 70 सक 80 रू किलों बिक रहे है। जबकि चार दिन पहने दाम 30 रू थे। आगामी दिनों में सब्जियों के दाम और भी बढ़ने की संभावना है।

जयपुर ग्रामीण हो सकता है नया जिला

सीएम गहलोत ने मंत्रियों-विधायकों के साथ मीटिंग की दूदू में किसी इलाके को जबरन नहीं धकेला जाएगा

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। नए जिलों पर उठे विवाद को देखते हुए सीएम अशोक गहलोत ने जयपुर जिले के कांग्रेस विधायकों और मंत्रियों को विश्वास में लेने के लिए सोमवार को सीएम हाउस में लंबी बैठक की। दूदू में जयपुर के आसपास का कोई क्षेत्र शामिल होने को तैयार नहीं है। सीएम के साथ बैठक में जयपुर जिले के विधायकों और मंत्रियों ने यह भी सुझाव दिया कि जयपुर देहात (ग्रामीण) के नाम पर आपत्ति नहीं होगी।

बैठक में गहलोत ने दूदू के साथ जयपुर देहात जिला बनाने के फॉर्मूले पर अपनी सहमति दे दी है। इसके बारे में अंतिम फैसला जल्द होने की संभावना है। दूदू जिले में सांभर, फुलेरा और जोबनेर को शामिल करने का विरोध बढ़ने के बाद 25 जून को भारी बवाल हो गया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था।

इस बवाल के बाद सीएम ने सोमवार को जयपुर जिले के विधायकों को सीएम हाउस बुलाया। बैठक में गहलोत ने यह आश्वासन दिया कि जबरदस्ती किसी क्षेत्र को

प्रताप सिंह खाचरियावास

दूदू में शामिल नहीं किया जाएगा। लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा।

बैठक में दूदू जिले को लेकर उठे विवाद पर मंत्री और विधायकों ने सीएम से खुलकर कहा- इस मामले में जनभावना पूरी तरह खिलाफ है। बगरू, जोबनेर, फुलेरा, सांभर क्षेत्र के लोग दूदू में जाने को तैयार नहीं हैं। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बैठक में सीएम से साफ कहा कि जोबनेर से लेकर आसपास के लोग जयपुर से अलग नहीं होना चाहते हैं। यहां के लोग जयपुर जिले में ही रहना चाहते हैं, हमें जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए।

सांभर-फुलेरा की जिले की मांग भी पुरानी है, इन लोगों की बात सुनने की जगह दूदू में जबरदस्ती शामिल करने से आक्रोश है। इस मामले को जल्द नहीं सुलझाया तो नुकसान होगा। बैठक में जयपुर शहर के विधायकों ने एक सुर में सीएम से कहा कि राजधानी के टुकड़े नहीं होने चाहिए।

दूदू जिले में शामिल करने का विरोध कर रहे इलाकों के विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने लोकसभा क्षेत्र की तर्ज पर ही जयपुर ग्रामीण और जयपुर शहर जिले बनाने का सुझाव दिया है। बैठक में भी यह सुझाव दिया गया कि इन इलाकों के लोग जयपुर के नाम से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। विधायकों का यह भी सुझाव था कि जयपुर शहर क्षेत्र को जयपुर जिला और ग्रामीण इलाकों को मिलाकर जिले का नाम जयपुर ग्रामीण कर दिया जाता है तो लोग तैयार हो जाएंगे। दूदू को अलग जिला रहने दिया जाए और बस्सी, चाकसू, जमवारामगढ़, सांभर, फुलेरा और जोबनेर को मिलाकर जयपुर ग्रामीण जिला बनाया जा सकता है।

खाचरियावास बोले- जनभावनाओं का सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। जिले पर विवाद है तो बातचीत कर समाधान कर दिया जाएगा। जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज के 250 वार्डों का क्षेत्र एक रहेगा। राजधानी के टुकड़े नहीं होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा, अगर लोग दूदू में शामिल नहीं होना चाहते तो जबरदस्ती नहीं धकेला जाएगा। जयपुर के टुकड़े नहीं होंगे। सीएम से आज साफ कहा है। जनभावनाओं का सम्मान होगा। बेवजह जनता से टकराव करके नए जिलों में इलाके शामिल नहीं होंगे। मंत्री लालचंद कटारिया और बाकी विधायकों ने भी अपनी बात रखी है।

चाकसू विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा- मुख्यमंत्री से जिलों के विवाद पर बात हुई है, सब समाधान हो जाएगा। सीएम खुद बयान देंगे। सीएम हमारी मांगों और सुझावों पर सकारात्मक है। इसलिए अब नाराजगी जैसी बात नहीं है। मैंने साफ कहा है कि चाकसू विधानसभा क्षेत्र का कोई गांव दूदू में नहीं जाना चाहिए। माधोराजपुरा के लोग दूदू में शामिल कराने की कोशिश के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं।

जले हुए मानव अंग जंगल से मिले

डीएनए जांच से होगी पुष्टि

झालावाड़, 27 जून (एजेंसियां)। झालावाड़ शहर के बस स्टैंड से 10 दिन पहले हुए युवक के किडनैप और हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मध्यप्रदेश के सुसनेर के जंगल से जले हुए मानव अंग बरामद किए हैं। जले हुए अंग की डीएनए जांच के बाद ही पुलिस इस मामले की पुष्टि करेगी कि यह अंग उसी युवक के हैं या नहीं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को 5 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

एसपी ऋचा तोमरने बताया कि 24 जून को मध्यप्रदेश शाजापुर के चकजीवाजीपुर हाल खानपुर निवासी राकेश पुत्र धनसिंह जाटव ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई राहुल पुत्र धनसिंह जाटव राजलक्ष्मी नगर, झालावाड़ निवासी रेणु पत्नी स्व. सुरेंद्रसिंह राजपूत के साथ रह रहा था। उसे जानकारी मिली है कि उसकी हत्या कर दी गई है। इससे पूर्व 18 जून को राहुल यादव की गुमशुदगी भी रेणु ने दर्ज करवाई थी। इस पर पुलिस ने चौथमल कश्यप, अंतिम माली, बबलू भील, सोनू मच्छी और बहादूरसिंह के खिलाफ किडनैप और हत्या का मामला दर्ज किया।

मामले की जांच के लिए एएसपी चिरंजीलाल मीणा और डीएसपी मुकुल शर्मा के निर्देशन में स्पेशल टीम का गठन किया। इस बीच पुलिस ने इस मामले में झालावाड़ निवासी सोनू लोधा उर्फ मच्छी पुत्र लटूरलाल लोधा व चंदन सांखला उर्फ बबलू उर्फ गदेला पुत्र राजेश सांखला को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर ही पुलिस ने मध्यप्रदेश के सुसनेर के जंगल से जले हुए अंग बरामद कर डीएनए जांच के लिए भेजा है। इसके बाद ही स्पष्ट होगा की शव राहुल का है या नहीं।

नए जिलों का नोटिफिकेशन जारी करने में डरी सरकार

राठौड़ बोले- सीएम द्वारा बनाए बोर्ड कागजों में दफन रहेंगे

भरतपुर, 27 जून (एजेंसियां)। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 29 जून भरतपुर के नदबई में आ रहे हैं। नदबई में आगामी विधानसभा चुनावों पर रणनीति बनाई जाएगी इसके अलावा बड़ी सभा का आयोजन किया जायेगा। जिसकी तैयारियों को लेकर भरतपुर बीजेपी के नेता तैयारियों में लगे हुए हैं, साथ ही नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी 25 जून से भरतपुर में ही डेरा डाले हुए हैं। राजेंद्र राठौड़ ने सीएम द्वारा बनाए गए बोर्ड और जिलों लेकर बयान देते हुए कहा की, बोर्ड कागजों में दफन रहेंगे, और समय के साथ-साथ यह खुद ही ख़त्म हो जायेंगे। क्योंकि इनके पास न तो बजट का प्रावधान है, न ही कार्य क्षेत्र डिफाइन है, इन्हें यह नहीं पता इनके पास क्या अधिकार है।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सीएम इस बार कई मामलों में कीर्तिमान स्थापित करते जा रहे हैं। हर महीने में तीन-चार अलग-अलग बोर्ड गठित करते हैं। कभी किसी महापुरुष के नाम के साथ, कभी किसी समाज के नाम के साथ, दुर्भाग्य इस बात का है। बजट में 1 पैसे का प्रावधान नहीं करते, बोर्ड जो बनाया गया है उसके पास क्या अधिकार है। क्या टर्म्स एंड कंडीशन है, सिर्फ एक झुनझुना पकड़ा कर, जाति जोर से बजाय, वह जाति भ्रम पाले की उसकी जाति के लिए अशोक गहलोत ने बहुत बड़े काम किए हैं। यह पहली सरकार है जो बिना किसी उद्देश्य के बोर्ड बना रही है। बोर्ड अपने कुछ लोगों को नामजद कर रही है। जिन लोगों को अध्यक्ष या किसी और पद के लिए नामजद कर रही है, वह खुद घूम रहे हैं, उन्हें खुद नहीं पता उन्हें क्या काम करना है। इस तरह बोर्ड की फसल सामाजिक तौर पर कुछ लोगों को गुमराह कर कुछ महापुरुषों के नाम से,उन महापुरुषों को जानने और मानने वाले लोगों पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

उदयपुर में मकान गिरने से बच्ची समेत 3 की मौत

पड़ोसी के घर खेलने आई थी मासूम, अचानक ढह गई घर की एक मंजिल

उदयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के श्रीनाथजी की हवेली में सोमवार रात मकान ढहने से एक बच्ची सहित 3 लोगों की मौत हो गई। दो मंजिला मकान का ऊपर वाला फ्लोर मलबे में तब्दील हो गया। इसमें पड़ोस में रहने वाली मासूम अनन्या(5) पुत्री देशराज औदिच्य की मौत हो गई। बच्ची इस घर में खेलने के लिए आती थी। वहीं, संगीता (65) पत्नी सतीश शर्मा और उनके बेटे रोहित (42) की भी जान चली गई। महिला के पति सतीश नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी मंदिर के तिलकायत राकेश बावा की गोलोकवासी बुआ कनक प्रभा के बेटे हैं। हादसे के समय वह दूसरे कमरे में थे।

घटनाक्रम के अनुसार मंदिर में ही सेवादार देशराज की बेटी अनन्या रात 8:30 बजे पड़ोस में राजकुमार पुत्र वीरभान जोशी के मकान में ऊपर वाली मंजिल में रहने वाली संगीता के घर खेलने गई थी। बालकनी में संगीता के साथ अनन्या खेल रही थी। पास के कमरे में रोहित पलंग पर लेटा था। तभी छत का एक हिस्सा गिर गया। तेज आवाज सुनकर रोहित बालकनी में पहुंचा तो बालकनी भी ढह गई। तीनों मलबे में दब गए। पता चलते ही आसपास से जुटे लोगों ने मलबा हटाना शुरू किया। अनन्या की मौके पर ही मौत हो गई जबकि संगीता ने हॉस्पिटल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, रोहित को एमबीएच के ट्रॉमा में भर्ती कराया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसे भी बचाया नहीं जा सका। बताया जा रहा है कि मकान बहुत पुराना और जर्जर हालत में था। उदयपुर में इन दिनों हो रही लगातार बारिश के कारण हालत और ज्यादा खराब हो गई थी। ऐसे में यह बड़ा हादसा हो गया।

क्षेत्रवासियों का कहना था कि कलेक्टर ताराचंद मीणा ने अस्पताल के आईसीयू में रोहित को शिफ्ट करने के आदेश दिए थे। फिर भी उनके आदेश को नजरअंदाज करते हुए शिफ्ट नहीं किया गया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि रोहित की जान बच सकती थी, लेकिन हॉस्पिटल की लापरवाही से रोहित की मौत हो गई। इधर, सूचना के तुरंत बाद सिविल डिफेंस और फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची। साथ एसपी भुवन भूषण यादव और नगर निगम उप महापौर पासर सिंघवी सहित पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। आमजन और पुलिस की मदद से दबे हुए परिवार के लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया। उदयपुर में लगातार बारिश से मकान ढहने के सवाल पर एसपी भुवन भूषण यादव बोले- घटना के स्पष्ट कारणों पर फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता। हालांकि मकान पुराना और जर्जर हालत में था। मकान के उपर वाला हिस्सा पूरी तरह ढह गया।

क्षेत्रवासी जयंती लाल पारीख ने बताया कि कई बार मंदिर के सेवादारों को हम बताते रहे हैं कि यह मकान जर्जर हालत में है। इसकी देखरेख सुरक्षा अपने हिसाब से सावधानी से करते रहें।

बाड़मेर में कांग्रेस नेता की गला काट कर हत्या

घर से 2 कि.मी दूर फार्म हाउस पर सो रहे थे; बेटा चाय देने पहुंचा तो खून से सनी थी छत

बाड़मेर, 27 जून (एजेंसियां)। फार्म हाउस पर सो रहे पूर्व सरपंच और कांग्रेस नेता की बदमाशों ने गला काटकर हत्या कर दी है। जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मामला बाड़मेर, सिवाना थाने के मिठौड़ा गांव का है। जानकारी मिलने पर एएसपी सुभाष खोजा, डीएसपी पचपदरा, बालोतरा सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

वहीं एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं। एएसपी सुभाषचंद्र खोजा ने

बताया कि मिठौड़ा गांव निवासी आम सिंह (68) पादरू-मिठौड़ा रोड स्थित अपने फॉर्म हाउस पर सो रहे थे। सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे अज्ञात बदमाश आए और धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस दौरान गला कटने से उनकी मौत हो गई। सुबह करीब 5 बजे हमें घटना की जानकारी मिली। इसके बाद डीएसपी और सर्किल का पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया है। एफएसएल टीम को बुलाकर सबूत जुटाए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक आमसिंह अपने फार्म हाउस में रात के समय अकेले ही सो रहे थे। सुबह मृतक का बेटा घर से चाय लेकर पहुंचा तो मृत हालात में देखने पर रिश्तेदारों और पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

पुलिस के अनुसार मृतक ओम सिंह पर हमलावारों ने धारदार हथियार से सिर व गले पर वार किए। इससे गला कट जाने से उसकी मौत हुई है। छत पर जगह-जगह खून के धब्बे थे और लहूलुहान हालात में शव छत पर उल्टा पड़ा मिला था। पुलिस की टीमें अलग-अलग एंगल से जानकारी जुटा कर जांच कर रही हैं।

नाबालिग के अपहरण के मामले 7 आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनूं, , 27 जून (एजेंसियां)। चिड़ावा के श्योपुरा से मारपीट कर घर से अपहरण की गई नाबालिग के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी को सहयोग करने वाले 7 जनों को गिरफ्तार किया है। आरोपी आबूरोड़ में किसी परिचित के मकान में छिपे हुए थे। आरोपियों ने 22 जून को रात 11 बजे के करीब श्योपुरा में एक घर में घुसकर नाबालिग को जबरन उठाकर गाड़ी में डालकर ले गए थे। नाबालिग के परिवार के साथ मारपीट की थी। वहीं ग्रामीणों ने थाने में धरना देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। घटना के विरोध में सोमवार को चिड़ावा कस्बा बंद भी रहा था। इधर पांच दिन से ऊपर बीत जाने के बाद भी पुलिस मुख्य आरोपी अंकित व नाबालिग को बरामद नहीं कर पाई है। पुलिस की आधी अधूरी कार्रवाई से परिजन व ग्रामीणों में आक्रोश है। मुख्य आरोपी अंकित स्वामी का मकान नाबालिग के घर के सामने है। आरोपी का पीड़ित परिवार के घर आना जाना था। इस दौरान अंकित ने नाबालिग को बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फंसा लिया।

उसके बाद नाबालिग को फोन दे दिया और चोरी छिपे बात करने लगा। घटना वाले दिन भी आरोपी नाबालिग के घर घुसा था। लेकिन परिवार के लोगों के जागने से भाग गया और डर के मारे अपने साथी सुनील को फोन कर दिया।

पीएम के कुशल प्रशासन से दुनिया की निगाहें भारत की ओर : दिनेश चौधरी

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय रजक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिनेश चौधरी ने कहा कि दुनिया के कई देश इस समय वित्तीय संकट में भारत की ओर देख रहे हैं और इसका कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो एक कुशल प्रशासन चला रहे हैं। उत्तर प्रदेश के केराकत विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी हैदराबाद हिंदी रजक समाज द्वारा पुराना पुल, सुधारक, हैदराबाद में शंकर सिंह के आवास पर आत्मीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता था कि कश्मीर में धारा 370 कभी नहीं हट सकती, लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे सच कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद कश्मीर भारत का हिस्सा बना। जनवरी 2024 में श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा और रामलला अपने मंदिर में विराजमान होंगे। वर्तमान समय में भारत हर क्षेत्र में विकास कर रहा है और भारत के बारे में दुनिया की राय भी बदल गई है। उन्होंने कहा कि नौ साल पहले भारत के सीमावर्ती इलाकों में अक्सर आतंकियों की घुसपैठ होती थी, लेकिन अब ऐसे हालात नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर आतंकवादी अवैध रूप से भारत में घुसने की हिम्मत करेंगे तो भारतीय सेना उन्हें हराने के लिए तैयार है। बीजेपी युवा मोर्चा के नेता रमन सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में अशोक सिंह, श्याम लाल, सत्ती सिंह, अशोक , प्रदीप सिंह, दिलीप सिंह, विजय सिंह, पवन सिंह, साईं सिंह, विवेक सिंह, महेश सिंह, अभिषेक सिंह आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष रुपेश सोनी, सांस्कृतिक मंत्री अनिरुद्ध कांकाणी, लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद राजधानी के अध्यक्ष कमलकीशोर जाजू का अभिनंदन करते हुए तेलंगाना मारवाडी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, रामप्रकाश भंडारी, अवसर पर उपस्थित अमित लड्ढा, नवल बंग, दीपक बंग, प्रीतम जाजू, लोकेश पलोड, आनंद सांकला, दिनेश बंग, नीलेश बंग, राहुल असावा, भरत सारडा, महेश सोनी, महेश बजाज एवं अन्य उपस्थित हुए।

अधिकारियों को अचूक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के निर्देश

बकरीद को लेकर सीपी ने समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बकरीद से पहले, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने सालार जंग संग्रहालय में जीएचएमसी और पशुपालन विभाग के अधिकारियों, मुस्लिम मौलवियों, कुरैशियों के साथ एक समन्वय बैठक की। सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई बैठक में मुस्लिम मौलवियों और जन प्रतिनिधियों ने अपने भाइयों से सड़कों को साफ रखने और जानवरों के विसरा का उचित तरीके से निपटान करने और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर शांति समिति के सदस्यों ने कहा कि हमारे शहर की गंगा-जमुना तहजीब को बरकरार रखना और शांति बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जीएचएमसी की संयुक्त आयुक्त श्रीमती शैलजा ने बैठक को जीएचएमसी द्वारा किए जा रहे स्वच्छता उपायों के बारे में जानकारी दी। वार्डों और मस्जिदों में अतिरिक्त स्वच्छता दल और कचरा संग्रहण वाहन तैनात किए जाएंगे। उन्होंने कहा, "कचरा बैग तैयार रखा जाएगा और हमारे सभी अधिकारी आपकी सेवा में रहेंगे।" उपस्थित लोगों ने शहर पुलिस के साथ सहयोग करने और पुलिस द्वारा साझा किए गए सुरक्षा निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया। बैठक को संबोधित करते हुए, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने आश्वासन दिया कि केवल पुलिस कर्मी, जीएचएमसी और पशुपालन कर्मचारी ही चेक पोस्ट पर तैनात रहेंगे। सभी अधिकारियों को अचूक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। गश्त तेज कर दी जाएगी और बल तैनात रहेगा।'' उन्होंने निष्कर्ष निकाला, "बेहतर संपर्क के लिए सभी विभाग के अधिकारियों-स्थानीय, क्षेत्रीय और आयुक्तालय स्तर के समन्वय समूहों का गठन किया गया है।" अधिकारियों ने बैठक के दौरान बताई गई समस्याओं पर भी गौर किया और जल्द से जल्द समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में विक्रम सिंह मान अतिरिक्त. सीपी एल एंड ओ, जी.सुधीर बाबू अतिरिक्त. सी.पी. यातायात, धार्मिक प्रमुख मुफ़्ती खलील अहमद, मुंतज़ पाशा, हाफ़िज़ मुज़फ़्फ़र और सैयद अहमद पाशा क़ादरी विधायक याकूतपुरा, मुंतज़ अहमद खान विधायक चारमीनार, एम. श्रीनिवासुलु जे.टी.सीपी कार मुख्यालय, गजाराव भूपाल जे.टी.सीपी समन्वयक, श्रीमती शैलजा संयुक्त आयुक्त जीएचएमसीसी और सभी जोनल डीसीएसपी उपस्थित थे।

एनएमडीसी और सीएसआईआर-आईएमएमटी ने सहयोगी अनुसंधान समझौते पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की प्रमुख खनन कंपनी एनएमडीसी ने सोमवार को सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स एंड मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (आईएमएमटी) के साथ एक सहयोगी अनुसंधान समझौता किया। एनएमडीसी के मुख्यालय, हैदराबाद में श्री दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन) और विश्वनाथ सुरेश, निदेशक (वाणिज्य) एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

सहयोग समझौता न्यूमेटिक कंवेयिंग प्रणाली में लौह अयस्क की विशेषताओं और लक्षणों का अध्ययन करने के लिए है। इसका उद्देश्य न्यूमेटिक, अर्थात वायु की सहायता से परिवहन पाइपलाइन प्रणाली, में लौह अयस्क फाइन्स/कंसंट्रेट के व्यवहार को समझना है। यह अनुसंधान लौह अयस्क के इंटर/इंट्रा प्लांट पाइपलाइन परिवहन के लिए डिजाइन मापदंडों का पता लगाएगा। संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम भारतीय खनिज उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर और एनएमडीसी के वृहद ज्ञान और अनुभव का उपयोग करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए दिलीप कुमार मोहंती ने उद्योग के मूल्य वर्धन हेतु परिचालन मुद्दों का समाधान करने के लिए उद्योग और अनुसंधान संगठनों के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी खनन में स्वदेशी तकनीक के उपयोग को बढ़ाने के लिए निवेश कर रहा है। देश के अग्रणी अनुसंधान संगठनों के साथ हमारे गठजोड इस विजन को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

एनएमडीसी के इन-हाउस आर एंड डी सेंटर को यूनिडो द्वारा खनिज प्रसंस्करण के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) -आईएमएमटी एक अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास संगठन है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अपने ज्ञान के लिए जाना जाता है। एनएमडीसी और सीएसआईआर-आईएमएमटी ने अतीत में महत्वपूर्ण विकास में योगदान दिया है और अब खनन के लिए एक स्मार्ट और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

पार्षद व अन्य कार्यकर्ताओं ने पीएम के वर्चुअल बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भोपाल में आयोजित बूथ स्थाई कार्यकर्ता की सभा में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर स्थाई बुथ से पधारे कार्यकर्ता व साथ ही साथ ऑनलाइन वर्चुअल द्वारा जुड़े सभी भाजपा बूथ स्थाई कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। साथ ही साथ बूथ स्थाई कार्यकर्ताओं से सीधे संपर्क कर बात की। प्रश्न उत्तर के सम्मेलन में पीएम ने केंद्र सरकार द्वारा जारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर केंद्रीय योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी देने का आग्रह किया।

इस वर्चुअल कार्यक्रम में गोशमहल डिवीजन के पार्षद लाल सिंह, उमा महेंद्र महामंत्री गोलकोंडा जिला, मेट्टू वैकुंठम, उपाध्यक्ष गोलकोंडा जिला, नरहरी, नटराज नामधारी, अध्यक्ष, सोमराज सिंह, कन्वेनर गोशमहाल भाजयुमो, गुणवंत राव बिरादर, विपिन रामावत, आनंद लाल यादव, अमरदीप सिंह, जी. सुधाकर गौड़, राजा जोहरी, अभिजीत, श्रीकांत गौरी, महेश मायादारी, प्रदीप सिंह, दीपक, अक्षय साहू, किशन, रोहित जोहरी आदि ने भाग लिया।

जलक्षत्रिय समाज गंगापुत्र द्वार 29 जून को आयोजित होने वाले आषाढ़ पूजा बोनालू महोत्सव में बतौर अतिथि पधारने के लिए भाजपा नेता गोविंद राठी को आमंत्रित करते हुए महासचिव सुदय सिंह व संयुक्त सचिव मुकेश सिंह।

जामबाग डिवीजन के तुरुप बाजार हनुमान मंदिर के पास विधायक राजा सिंह व पार्षद राकेश जायसवाल के निर्देश पर सीवरेज पाइप लाइन विछाये जाने का कार्य जारी है। कार्यों का निरीक्षण करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित, श्रीनिवास यादव व अन्य।

आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी का अमृत महोत्सव 2.0 की थीम के तहत स्वास्थ्य और कल्याण समारोह के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डिअन्नारम द्वारा को श्री वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज, दिलसुखनगर में आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में डॉ. क्रिस आन्टनी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), डॉ. पी. हेमा राजू एसआरएफ (आयुर्वेद) और डॉ. विजयलक्ष्मी, एसआरएफ (आयुर्वेद) ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेदिक निवारक चिकित्सा, मानसिक बीमारी के सामान्य कारण और आयुर्वेद के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। मानसिक रोग पर आयुर्वेद ब्रोशर वितरित किये गये। इस कार्यक्रम में एनआईआईएमएच की एक टीम, जिसमें के. श्रीनिवास राव (पुस्तकालयाध्यक्ष), जी. रवि बाबू (छायाचित्रकार) ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज, दिलसुखनगर के प्राचार्य और छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य में आयुर्वेद के दायरे के बारे में के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। डॉ. जी. पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने टीम का मार्गदर्शन किया और प्रधानाचार्य दामोधर और स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया।

मनगे ने कृषि में पूर्व सैनिकों के लिए दूसरा कैरियर द्वार खोला

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मनगे ने तेलंगाना में जय जवान किसान कार्यक्रम के माध्यम से कृषि में पूर्व सैनिकों के लिए दूसरा कैरियर द्वार खोला है।

लगभग 60,000 सैन्यकर्मी हर साल बहुत कम उम्र में रक्षा सेवाओं से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वे अच्छी तरह से प्रशिक्षित, अनुशासित, प्रेरित, सक्रिय हैं और उनमें दूसरा करियर अपनाने की क्षमता है। सेवानिवृत्त कर्मियों के पुनर्वास के लिए कई प्रयास चल रहे हैं। इस क्षमता का दोहन करने और सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए लाभकारी और टिकाऊ रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए, भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मनगे) ने राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), तेलंगाना से वित्त पोषण सहायता के साथ एक अभिनव कार्यक्रम 'जय जवान किसान' (कृषि के लिए सैनिक) शुरू किया है।

आगामी 2 जुलाई को एनटीआर स्टेडियम में श्रद्धेय सिद्ध गुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव, तिरूपति के सान्निध्य में आयोजित होने वाले गुरुपूर्णिमा महामहोत्सव के पूर्व कैलास नारायण बांगड़िया के बेगमबाज़ार स्थित निवास स्थान पर जयपुर से पधारे ओमप्रकाश शर्मा द्वारा गुरु वंदना, आरती का आयोजन किया गया। इसमें भाग लेते हुए पार्षद शंकर यादव, अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, विमल जैन, प्रकाश सेठिया, विनोद संचेती, गोविंद अग्रवाल, नारायण झा, ललिता मधुसूदन मैदानी, रमेश अग्रवाल व अन्य तथा महामहोत्सव के आयोजन का निमंत्रण गृहमंत्री मोहम्मद मेहमूद अली को देते हुए गोपाल अग्रवाल, अरुण डाकोतिया एवं नयन अग्रवाल।

पटु वस्त्र समर्पण के लिए श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर से निकली जुलूस

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 75वां बोनालु वज्रोत्सवलु के तहत पटु वस्त्र समर्पण के लिए श्री अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मंदिर से लालदरवाजा श्री सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर तक जुलूस आयोजित किया गया। साथ ही मंदिर समिति के सलाहकार जी.राजरत्नम और परिवार के सदस्यों द्वारा बोनम अर्पित किया गया।

अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मंदिरम से पोतराजू के साथ जुलूस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लालदरवाजा श्री सिंहवाहिनी महानकाली मंदिरम के अध्यक्ष सी.राजेंद्र यादव और अन्य सदस्यों ने अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मंदिरम के अध्यक्ष रामदेव अग्रवाल, प्रतिनिधियों डॉ. ए.भरत प्रकाश, ए.सतीश कुमार, एस.पी.क्रांति कुमार, जगमोहन कपूर, जी.श्रीनिवास, मुकेश यादव, ए. रजत और अन्य सदस्यों का अभिनंदन किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आदिपुरुष पर इलाहाबाद...

कोर्ट ने कहा, ये याचिका इस बारे में है, जिस तरह से ये फिल्म बनाई गई है। कुछ धर्मग्रंथ हैं, जो पूजनीय हैं। कई लोग घर से निकलने से पहले रामचरित मानस पढ़ते हैं।

याचिकाकर्ता प्रिंस लेनिन और रंजना अग्निहोत्री की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस राजेश सिंह चौहान और श्रीप्रकाश सिंह की बेंच ने कहा, क्या सेंसर बोर्ड ने अपनी जिम्मेदारी निभाई है?

भगवान हनुमान और सीता मां को ऐसा दिखा कर समाज में क्या संदेश देना चाहते हैं?

सॉलिसिटर जनरल से जवाब मांगते हुए बेंच ने कहा, यह गंभीर मामला है। क्या आप सेंसर बोर्ड से पूछ सकते हैं कि यह कैसे किया गया, क्योंकि राज्य सरकार इस मामले में कुछ नहीं कर सकती।

बेंच ने कहा, भगवान हनुमान, भगवान राम, लक्ष्मण और सीता मां को ऐसे चित्रित किया गया जैसे कि वे कुछ है ही नहीं। फिल्ममेकर्स के इस तर्क के संबंध में कि फिल्म में कहानी को लेकर एक डिस्क्लेमर जोड़ा गया था, क्या डिस्क्लेमर लगाने वाले लोग देशवासियों और युवाओं को बेवकूफ समझते हैं? आप भगवान राम, लक्ष्मण, भगवान हनुमान, रावण, लंका दिखाते हैं और फिर कहते हैं कि यह रामायण नहीं है?

याचिकाकर्ता प्रिंस लेनिन के वकील ने कहा, सिनेमैटोग्राफी अधिनियम किसी भी फिल्म को सर्टिफिकेट देने से पहले सीबीएफसी से राय लेता है। फिल्म साफ-सुथरी होनी चाहिए। महिलाओं का अपमान नहीं होने देना चाहिए। फिल्म में मां सीता का अपमान किया जा रहा है। मैंने सम्मान के कारण सीता की तस्वीरें (जैसा कि फिल्म में दिखाया गया है) संलग्न नहीं की हैं। मैं ऐसा नहीं कर सकता।

दूसरे याचिकाकर्ता रंजना अग्निहोत्री के वकील ने कहा, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। ऐसा पीके, मोहल्ला अस्सी, हैदर आदि फिल्मों में भी हो चुका है। दोनों याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से मांग किया कि फिल्म से विवादित सीन हटाया जाए।

पीएम मोदी बोले- तीन ...

आज हम देख रहे हैं कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर भड़काने का काम हो रहा है। एक घर में परिवार के सदस्य के लिए एक कानून हो, परिवार के दूसरे सदस्य के लिए दूसरा कानून हो, तो क्या वो घर चल पाएगा? फिर ऐसी दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चल पाएगा। भारत के संविधान में भी नागरिकों के समान अधिकार की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट कह रही है कि कॉमन सिविल कोड लाओ।

पसमांदा मुस्लिम भाई-बहन हैं। वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने इनका तो जीना मुश्किल करके रखा है। वे तबाह हो गए, कोई फायदा नहीं मिला। कष्ट में गुजारा करते हैं। उनकी आवाज सुनने के लिए कोई तैयार नहीं। उनके ही धर्म के एक वर्ग ने पसमांदा मुसलमानों का शोषण किया है। इस पर देश में कभी चर्चा नहीं हुई। इनके साथ भेदभाव हुआ। इसका नतीजा इनकी कई पीढ़ियों को भुगतना पड़ा। भाजपा सबका विकास, सबका साथ की भावना से काम कर रही है।

केजरीवाल के बंगले...

लागू भवन उपनियमों के संदर्भ में भवन योजनाओं की अनिवार्य और पूर्व-आवश्यक मंजूरी पीडब्ल्यूडी की भवन समिति से प्राप्त नहीं की गई थी। शुरूआत में मुख्यमंत्री आवास में अलग से निर्माण कराना था, हालांकि बाद में मौजूदा इमारत को हटाकर पूरी तरह से नए निर्माण के प्रस्ताव को मंत्री ने मंजूरी दे दी। इस काम की शुरूआती लागत 15 से 20 करोड़ रुपये थी, लेकिन इसे समय-समय पर बढ़ाया गया था। मुख्यमंत्री आवास पर कुल 52 करोड़ 71 लाख 24 हजार 570 रुपये (लगभग 53 करोड़ रुपये) खर्च किए गए हैं, जो शुरूआती अनुमान से तीन गुना से अधिक है। एमपीडी-2021 यानी दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) का उल्लंघन भी हुआ, जो जमीन से जुड़े मामलों में देश का कानून है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

तेलंगाना आंदोलन से संबंधित तस्वीरों को एकत्र करने का निर्णय : अशोक रेड्डी

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त के. अशोक रेड्डी ने कहा कि सरकार ने तेलंगाना आंदोलन और अन्य घटनाओं से संबंधित तस्वीरें एकत्र करने का निर्णय लिया है। एक बयान में, उन्होंने लोगों से तेलंगाना के इतिहास से संबंधित तस्वीरें, वीडियो और अन्य समसामयिक वस्तुएं 5 जुलाई से पहले विशेष आयुक्त कार्यालय, सूचना और जनसंपर्क विभाग, मासाब टैंक, एसी गार्ड्स हैदराबाद-500028 को भेजने की अपील की। जनता को इस अवसर का लाभ उठाकर इस कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए। अन्य जानकारी के लिए जी. बिमल देव, सहायक निदेशक (फोटो) से उनके मोबाइल नंबर 99493 51523, या मेल आईडी adphoto.ts@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है। अशोक रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना का कई वर्षों का इतिहास, सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत है। राज्य का राज्य निर्माण आन्दोलन अद्वितीय है। कई कठिनाइयों को पार करने के बाद के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, सभी वर्गों के लोग शांतिपूर्ण तरीके से एकजुट हुए और 2 जून, 2014 को तेलंगाना राज्य हासिल किया। नवगठित राज्य तेलंगाना राज्य के लिए एक मॉडल बन गया है। पिछले 9 वर्षों में देश विकास और कल्याण में अग्रणी बनकर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, हाल ही में, दशकीय समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया गया था।

महापरिवर्तन आंदोलन के संदर्भ में बैठक संपन्न

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महापरिवर्तन आंदोलन की बैठक जूम द्वारा आयोजन किया गया, जिसमें महापरिवर्तन आंदोलन के प्रेरणास्रोत वीके सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हमें बिहार में बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना होगा तभी बिहार में परिवर्तन संभव होगा इसके लिए प्रखंड और हर पंचायत में समिति का गठन करना होगा। श्रीकांत पांडेय ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने अपने जिले का प्रगति की जानकारी साझा करें। उन्होंने कहा कि हमें राजनीति नहीं करनी है, क्योंकि राजनीति से बिहार और देश का कुछ भी भला नहीं हो सकता। हमें गांव गांव में जाकर लोगों को जागृत करना है और उन्हें जातीयता और स्वार्थवाद से ऊपर उठकर सोचने के लिए प्रेरित करना है। एलएम चौधरी ने सभी सदस्यों और बिहार वासियों से आह्वान किया कि एकजुट होकर बिहार को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लें और पूरी निष्ठा से कार्य करते हुए बिहार को तीव्र गति से आगे बढ़ाएं। आरपी सिंह, वीएस उपाध्याय, सुशील श्रीवास्तव, केडी चौबे, राणा अजय सिंह, मनीश चौबे, जेपी सिंह ने बताया कि उनके जिले में कार्य तीव्र गति से चल रहा है जल्द ही बैठक का आयोजन करेंगे।

वर्ल्ड कप में भारत-पाक मुकाबला 15 अक्टूबर को

5 अक्टूबर को इंग्लैंड-न्यूजीलैंड मैच से शुरुआत, फाइनल 19 नवंबर को ; तीनों ही मैच अहमदाबाद में

नॉकआउट मैच	कब	कहां
सेमीफाइनल-1	15 नवंबर	मुंबई
सेमीफाइनल-2	16 नवंबर	कोलकाता
फाइनल मुकाबला	19 नवंबर	अहमदाबाद

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारत में अक्टूबर-नवंबर के बीच 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड कप के 48 मुकाबले खेले जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी किया। टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर को न्यूजीलैंड-इंग्लैंड मुकाबले से होगी। यह मैच अहमदबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी मैदान पर 19 नवंबर को फाइनल होगा। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले मुंबई और कोलकाता में होंगे।

टूर्नामेंट का सबसे चर्चित मैच यानी भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी

स्टेडियम में ही होगा। हालांकि, भारत के वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले के साथ होगी। यह मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा।

नॉकआउट मैचों के लिए रिजर्व डे

शेड्यूल में टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबलों के लिए रिजर्व डे रखे गए हैं। यानी कि दोनों सेमीफाइनल और फाइनल मैच के लिए रिजर्व-डे रहेगा। वर्ल्ड कप में पहले भी नॉकआउट मैचों के लिए रिजर्व डे रखे जा चुके हैं।

10 शहरों में खेले जाएंगे वर्ल्ड कप के मुकाबले

वर्ल्ड कप 2023 के मुकाबले 10 शहरों में खेले जाएंगे। जिसमें अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम), बेंगलुरु (एम चिन्नास्वामी स्टेडियम), चेन्नई (एमए चिदम्बरम स्टेडियम), दिल्ली (अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम), धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम), हैदराबाद (राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल) हैं।

इनके अलावा कोलकाता (ईडन गार्डन), लखनऊ (इकाना क्रिकेट स्टेडियम), मुंबई (वानखेड़े स्टेडियम), पुणे (महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम) शामिल हैं। हैदराबाद के अलावा गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक प्रैक्टिस मैचों की मेजबानी करेंगे।

10 टीमें ले रही हैं हिस्सा

इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी।

2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए होस्ट भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने सीधे तौर पर क्वालिफाई किया है। अब बाकी दो टीमें क्वालिफायर राउंड से आएंगी।

वर्ल्ड कप में इंडिया के 9 मैच

1. इंडिया Vs ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई	8 अक्टूबर
2. इंडिया Vs अफगानिस्तान	दिल्ली	11 अक्टूबर
3. इंडिया Vs पाकिस्तान	अहमदाबाद	15 अक्टूबर
4. इंडिया Vs बांग्लादेश	पुणे	19 अक्टूबर
5. इंडिया Vs न्यूजीलैंड	धर्मशाला	22 अक्टूबर
6. इंडिया Vs इंग्लैंड	लखनऊ	29 अक्टूबर
7. इंडिया Vs क्वालिफायर-2	लखनऊ	2 नवंबर
8. इंडिया Vs साउथ अफ्रीका	कोलकाता	5 नवंबर
9. इंडिया Vs क्वालिफायर-1	कोलकाता	11 नवंबर

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप खेलेंगे नीरज चोपड़ा

बुडापेस्ट में भारत का नेतृत्व करेंगे; मांसपेशियों के खिंचाव की चोट से उबर रहे गोल्डन बॉय

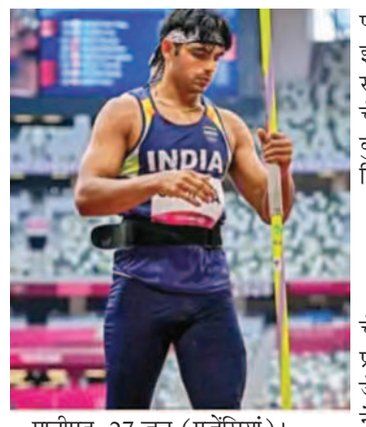

पानीपत, 27 जून (एजेंसियां)। देश के गोल्डन बॉय और ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023 में भारत का नेतृत्व करेंगे। चैम्पियनशिप 19 अगस्त से शुरू होगी और 27 अगस्त को समाप्त होगी। भारत ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के इतिहास में केवल 2 मेडल जीते हैं।

2022 यूजीन में नीरज चोपड़ा सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले, 2003 में, अंजू बॉबी जॉर्ज ने महिलाओं की लंबी कूद में प्रतिस्पर्धा करते हुए चैम्पियनशिप में भारत के लिए पहला मेडल जीतकर इतिहास रचा था। पिछले साल यूजीन में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में भारत के कुल 23 एथलीट्स ने भाग लिया था।

30 जून को लुसाने में डायमंड लीग में वापसी की उम्मीद

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023 योग्यता प्रक्रिया शीर्ष -रैंक के जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने पिछले साल लॉजेन डायमंड लीग में टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया था, जहां उन्होंने 89.08 मीटर के थ्रो के साथ 85.20 मीटर की कट-ऑफ हासिल की थी।

नीरज चोपड़ा मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे हैं। 30 जून को लुसाने में होने वाली डायमंड लीग में उनकी वापसी करने की उम्मीद है। इससे पहले चोट के कारण वह एफबीके गेम्स और पावो नूरमी गेम्स से चूक गए थे। दोहा डायमंड लीग में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने 2023 की शानदार शुरुआत की थी। हालांकि चोट के बाद उन्होंने कहीं भाग नहीं लिया।

वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी स्पेस में लॉन्च

बैलून से 12 हजार फीट ऊंचाई पर पहुंची, अहमदाबाद स्टेडियम में लैंडिंग; 18 देशों में जाएगी

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। भारत की मेजबानी में पहली बार होने जा रहे वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी लॉन्च हो गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार को अंतरिक्ष में ट्रॉफी की लॉन्चिंग की। इसके साथ ही ट्रॉफी के वर्ल्ड टूर का ऐलान भी हो गया। 27 जून से शुरू होने वाले वर्ल्ड टूर के तहत यह ट्रॉफी 18 देशों का सफर करके भारत लौटेगी। यह टूर 4 सितंबर को समाप्त होगा।

आईसीसी ने अमेरिका की प्राइवेट स्पेस एजेंसी 'सेंट इंटु स्पेस' की मदद से ट्रॉफी को बलून के सहारे अंतरिक्ष में भेजा। फिर पृथ्वी की सतह से 12 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचाने के बाद स्ट्रैटोस्फियर में ट्रॉफी का अनावरण किया गया। उसके बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ट्रॉफी को लैंड कराया गया। स्ट्रैटोस्फियर पृथ्वी के वायुमंडल की दूसरी परत है, जो टोपोस्फियर के ऊपर और मेसोस्फियर के नीचे स्थित है। यहां 4K कैमरों की मदद से कुछ शानदार वीडियो शॉट्स कैप्चर किए, जिन्हें ICC ने जारी किया। यहां देखिए अंतरिक्ष में वर्ल्ड कप की ट्रॉफी की फोटो...

18 देशों का दौरा करेगी ट्रॉफी

वर्ल्ड कप की ट्रॉफी कुवैत, बहरीन, मलेशिया, अमेरिका, नाइजीरिया, युगांडा, फ्रांस, इटली, अमेरिका और मेजबान देश भारत सहित दुनिया भर के 18 देशों के 40+ शहरों की यात्रा करेगी। आगे ग्राफिक्स में देखिए ट्रॉफी के वर्ल्ड टूर का रूट...

क्रिकेट को प्रोमोट करना हमारा मिशनः एलार्डिस

आईसीसी के चीफ एक्सिक्यूटिव ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर महत्वपूर्ण होगा। वर्ल्ड कप में अब 100 दिन बचे है, ऐसे में यह हमारे लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। हम इस टूर के माध्यम से क्रिकेट को दूसरे देशों में प्रमोट कर सकेंगे। टूर से हमें देशों के लोगो से मिलने और बात करने का मौका मिलेगा। इससे हम कम्युनिटी क्रिकेट डेवलपमेंट प्रोग्राम भी लॉन्च कर सकेंगे।'

भारत को जोड़ता है क्रिकेट : जय शाह

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, 'दुनिया भर में क्रिकेट के करोड़ों फैंस है। इस टूर के माध्यम से हम हर कोने तक ट्रॉफी को पहुंचा पाएंगे। क्रिकेट भारत एकजुट करता है। वर्ल्ड कप से पूरे देश में उत्साह है। हम दुनिया की 10 बेस्ट टीम के बीच होने वाले कॉन्टेस्ट की मेजबानी को तैयार हैं।'

वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत

वर्ल्ड कप क्वालीफायर में जिम्बाब्वे ने अमेरिका को 304 रन से हराया; पहली बार 400+ स्कोर किया

हरारे, 27 जून (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे ने वर्ल्ड कप क्वालिफायर में वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। टीम ने यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका को 304 रन से हराया। इस जीत से जिम्बाब्वे ने क्वालिफायर के सुपर-6 में एंट्री ली है।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 408 रन बनाए। जवाब में अमेरिकी टीम 104 रन ही बना सकी। जिम्बाब्वे के कप्तान सीन विलियम्स ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 101 गेंद पर 174 रन बनाए। पारी में 21 चौके और 5 छक्के लगाए।

यह वनडे में जिम्बाब्वे की सबसे बड़ी जीत है, जबकि वर्ल्ड क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। वनडे में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम है। टीम इंडिया ने 15 जनवरी 2023 को श्रीलंका को 317 रनों से हराया था। यह मैच तिरुवनंतपुरम में खेला गया था।

वनडे में जिम्बाब्वे ने सबसे बड़ा स्कोर बनाया

जिम्बाब्वे ने वनडे में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। टीम ने पहली बार 400 से ज्यादा का स्कोर खड़ा किया। इससे पहले, टीम का हाईएस्ट स्कोर 351/7 था, जो जिम्बाब्वे ने केन्या के खिलाफ 2009 में बनाया था।

सीन विलियम्स का शतक

टॉस जीतने के बाद जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी चुनी। जॉयलॉर्ड गम्बी और इनोसेंट कैया ने ओपनिंग की। इनोसेंट कैया 32 रन पर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान सीन विलियम्स आए और गम्बी के साथ 160 रन की पार्टनरशिप की। गम्बी ने 78 रन की पारी खेल कर हाफ सेंचुरी लगाई। इसके बाद सिकंदर रजा आए और विलियम्स के साथ 45 बॉल में 88 रन की पार्टनरशिप की।

विलियम्स ने 174 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं रजा 48 रन और रयान बर्ल 47 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ल्यूक जोंग्वे 1, तदिवनाशे मरुमानी 18 रन बना कर आउट हुए। ब्रैड इवांस 3 रन बना कर नॉट आउट रहे। इस तरह जिम्बाब्वे ने निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट खो कर 408 रन बनाए।

अमेरिका की ओर से अभिषेक पराड़कर ने 3, जेसी सिंह ने 2 और नास्तुश केंजिगे ने 1 विकेट अपने नाम किया।

अमेरिका के तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके

अमेरिका के तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। ओपनिंग करने उतरे स्टीवन टेलर 0 रन बना कर आउट हुए। वहीं, उनके साथ आए सुशांत मोदानी 6 रन बना कर पवेलियन लौटे। कप्तान मोनांक पटेल 9 और आरोन जेम्स 8 रन बनाकर आउट हुए।

पांचवें नंबर पर आए बल्लेबाज गजानन सिंह ने 13 रन बना कर पहला दहाई का आंकड़ा पार किया। इसके बाद शयन जहांगीर 0, अभिषेक पराड़कर 24, निसर्ग पटेल 2, जेसी सिंह 21 और उस्मान रफीक 0 रन ही बना सके और पूरी टीम ऑलआउट हो गई। अमेरिकी टीम क्रीज पर 25.1 ओवर तक टिकी और 104 रन ही बना सकी।

जिम्बाब्वे की ओर से सभी बॉलर्स को विकेट मिले। रिचर्ड नगरवा 2, ब्रैड इवांस 1, सिकंदर रजा 2, ल्यूक जोंग्वे 1 और रयान बर्ल को 1 सफलता मिली।

जिम्बाब्वे सुपर 6 में पहुंचा

ग्रुप-ए से जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज और नीदरलैंड्स की टीमें सुपर-6 स्टेज में पहुंची हैं। ग्रुप स्टेज में अब भी 3 मुकाबले बाकी हैं, इनसे सुपर-6 का शेड्यूल तय होगा। सुपर-6 स्टेज 29 जून से शुरू होगी। यहां से 2 टीमें फाइनल में पहुंचेंगी, यही 2 टीमें भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई करेंगी।

एशेज-दूसरा टेस्ट आज से, लॉर्ड्स पर मिलेगी तेज पिच

पहला टेस्ट हारने के बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने की थी स्लो पिच की शिकायत

लंदन, 27 जून (एजेंसियां)। द एशेज सीरीज में 1-0 से पिछड़ रही इंग्लिश टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी वापसी के लिए तेज पिच बनवा रही है, ताकि बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली टीम दूसरे मुकाबले को जीतकर 5 मुकाबलों की सीरीज में वापसी कर सके। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला टेस्ट 2 विकेट से जीता था। मेरिलबोन क्रिकेट कमेटी (एमसीसी) के असिस्टेंट सेक्रेटरी जेमी कोक्स ने बताया है कि वे लॉर्ड्स पिच को पेस के लिए तैयार कर रहे हैं। कोक्स कहते हैं कि सर्दियों के दौरान लॉर्ड्स की पिच को रिनोवेट किया गया था। रिनोवेशन के दौरान लॉर्ड्स की पिच की ऊपरी 10 मिलीमीटर की मिट्टी को हटाया गया और ऊपर नई घास की लेयर बिछाई गई। इससे पिच में स्पीड बढ़ी। कोक्स बताते हैं कि इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ जैसी पिच का इस्तेमाल किया था, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उस तरह की ही पिच का इस्तेमाल होगा। हालांकि, वो ये भी बताते हैं कि

बहुत सी चीजें मौसम पर भी निर्भर करेंगी। अगर धूप रही तो दिन बल्लेबाजी के लिए बेहतर होगा। अगर बादल रहे तो दिन गेंदबाज के लिए अच्छा होगा।

पहले टेस्ट में एजबेस्टन की पिच कम उछाल और कम पेस वाली थी। वहीं, लॉर्ड्स की पिच को ज्यादा पेस के लिए तैयार किया जा रहा है। पहले मैच में पिच को लेकर न सिर्फ क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने सवाल उठाए, बल्कि इंग्लिश गेंदबाज भी खुद को रोक नहीं पाए थे।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने मैच खत्म होने के बाद कहा था कि अगर एशेज में सारी पिच इस तरह से स्लो होंगी, तो मेरे लिए एशेज सीरीज अब खत्म हो चुकी है। स्टुअर्ट ब्रॉड ने भी पिच की आलोचना की थी। इसलिए लॉर्ड्स की पिच को बेहतर बनाया जा रहा है। लॉर्ड्स के ग्राउंड्समैन कार्ल मैक्डरमॉट को पिच तैयार करनी है।

बैजबॉल ने इंग्लैंड की जिस कमी को छिपा लिया था, वह ऑस्ट्रेलिया के सामने पहले ही मैच में उजागर हो गई कि इंग्लिश गेंदबाज पुरानी गेंद के साथ फ्लैट पिच पर असफल हो जाते हैं।

विमेंस एशेज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 89 रन से हराया

लंदन, 27 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने विमेंस एशेज टेस्ट जीत लिया है। टीम ने मेजबान इंग्लैंड को 89 रनों से हरा दिया है। 2015 के बाद पहली बार महिला टेस्ट का रिजल्ट निकला है। इससे पहले, 2015 के एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया था। उसके बाद से 6 मुकाबले ड्रॉ रहे।

नाटिंघम में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की जीत में एश्ले गार्डनर ने अहम भूमिका निभाई। वे प्लेयर ऑफ मैच रहीं। गार्डनर ने दूसरी पारी में 66 रन देकर 8 विकेट लिए। उन्हें पहली

पारी में भी चार सफलताएं मिली थीं। आगे पढ़ें मैच रिपोर्ट...

सोमवार को मुकाबले के पांचवें दिन 268 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम अपनी दूसरी पारी में 178 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 257 रन बनाते हुए इंग्लैंड को 268 रन का टारगेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 473 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 463 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 10 रन की बढ़त मिली।

इंग्लैंड ने पांचवें दिन 116/5 से आगे खेलना शुरू किया। दिन का पहला झटका टीम को कैट क्रॉस के रूप में लगा, उन्होंने 13 रन की पारी खेली। इंग्लैंड का सातवां विकेट 151 रन के स्कोर पर गिरा, एमी जॉन्स 4 रन बनाकर आउट हुईं।

106 वर्षीय 'उड़नपरी' दादी ने फिर रचा इतिहास

8वीं नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2 गोल्ड जीते, शॉटपुट में भी शानदार परफॉर्मेंस

भिवानी, 27 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी में रहने वाली 106 वर्षीय उड़नपरी दादी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोमवार से युवरानी महेंद्र कुमारी की स्मृति में देहरादून में 18वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज हुआ। 2 दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से आए 5 वर्ष की आयु से लेकर 106 वर्ष की आयु तक करीब 800 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

वहीं सोमवार को इस प्रतियोगिता के मुख्य आकर्षण का केंद्र हरियाणा के चरखी दादरी की रहने वाली 106 वर्षीय उड़नपरी दादी रमाबाई रहीं। उन्होंने एक बार फिर अपने जलवे से सबको हैरान कर दिया। उन्होंने 100, 200 मीटर दौड़ में भाग लेकर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने शॉटपुट इवेंट में भी अपने दमदार प्रदर्शन की बदौलत सभी को हैरत में डाल दिया।

उड़नपरी दादी के नाम से फेमस रामबाई

बता दें कि रामबाई ने वडोदरा में हुई राष्ट्रीय स्तर की एथलेटिक्स चैंम्पियनशिप में 100 मीटर रेस में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। चरखी दादरी जिले के गांव कादमा की रहने वाली रामबाई राष्ट्रीय स्तर की एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपनी 3 पीढ़ियों के साथ 100, 200 मीटर दौड़, रिले दौड़, लंबी कूद में 4 गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास बना चुकी हैं।

इससे पहले नवंबर 2021 में हुई प्रतियोगिता में 4 गोल्ड मेडल जीते थे। राम बाई गांव की सबसे बुजुर्ग महिला हैं और सब उनको उड़नपरी पड़दादी (परदादी) कह कर बुलाते हैं। राम बाई गांव में आमतौर पर खेतों में और घर में भी काम करते दिखाई देती हैं। वो पूरी तरह से सेहतमंद हैं और इस उम्र में भी हर रोज 5 से 6 किलोमीटर

दौड़ती हैं।

सुबह 4 बजे उठ कर पैदल चलने का अभ्यास

बता दें कि 1 जनवरी, 1917 को जन्मी गांव कादमा निवासी राम बाई बुजुर्ग एथलेटिक्स खिलाड़ी हैं। उन्होंने नवंबर, 2021 में वाराणसी में हुई मास्टर्स एथलैटिक मीट में भाग लिया था। 105 वर्ष की आयु में वृद्धावस्था की परवाह किए बिना खेल को जीवन का हिस्सा बनाकर कड़ी मेहनत से आगे बढ़ रही हैं।

बुजुर्ग एथलीट राम बाई ने खेतों के कच्चे रास्तों पर खेल की प्रैक्टिस की है। वे सुबह 4 बजे उठकर अपने दिन की शुरुआत करती हैं। लगातार दौड़ और पैदल चलने का अभ्यास करती हैं। इसके अलावा वे इस उम्र में भी 5-6 किलोमीटर तक दौड़ लगाती है।

हर दिन खाती हैं पाव भर घी

आम तौर पर 80 की उम्र तक पहुंचकर अधिकतर लोग खाट (बिस्तर) पकड़ लेते हैं। यानी की चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है। इसके विपरीत राम बाई 105 की उम्र में भी मिसाल बनी है और उनके साथ आए सुशांत मोदानी 6 खेलों में भाग ले रही है। उनका कहना है कि गात (शरीर) में ऐसे थोड़े ही जान आ जाती है। वह चूरमा, दही खाती हैं और दूध भी खूब पीती हैं। 250 ग्राम घी हर रोज रोटी या चूरमे में लेती हैं और आधा किलो दही हर रोज की खुराक में शामिल है।

बेटा-बहू भी चैम्पियन

कादमा की राम बाई का पूरा परिवार ही खेलों में नाम कमा रहा है। उनकी बेटी 62 वर्षीय संतरा देवी रिले दौड़ में स्वर्ण पदक जीत चुकी है। राम बाई के पुत्र 70 वर्षीय मुख्तयार सिंह ने 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता है। पुत्र वधु भतेरी भी रिले दौड़ में गोल्ड और 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक लेकर गांव और प्रदेश का नाम रोशन कर चुकी है।

चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को नया रूप दे रही है टीएसआरटीसी : पुव्वाड़ा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रासंगिक बने रहने और निजी परिवहन सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए, पिछले एक साल में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने अपनी सुविधाओं और सेवाओं में सुधार किया है। कि बस स्टेशनों का आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं और इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरूआत सहित नई बस सेवाओं का काम शुरू किया गया है।

मंत्री, जिन्होंने आरटीसी एमडी, वीसी सज्जनर सहित टीएसआरटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एमजी बस स्टैंड पर एक मेगा रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया, ने कहा कि पिछले 18 महीनों में, आरटीसी अभिनव कार्यक्रम शुरू करके अधिक लोगों तक पहुंचने में कामयाब रही है। मंत्री ने याद दिलाया कि आरटीसी पिछले वर्ष 1,900 करोड़ रुपये के घाटे को कम करने में सक्षम है।

कुल 100 बस अड्डों का आधुनिकीकरण किया गया जबकि इस वर्ष 150 अन्य का नवीनीकरण किया जाएगा। 45,000 आरटीसी कर्मचारी लगन से काम कर रहे हैं और उनके समर्पित कार्य के सकारात्मक परिणाम दिखने शुरू हो गए हैं। मंत्री ने कहा, अब तक आरटीसी कर्मचारियों को 7 महंगाई भत्ते मिले हैं, जिससे प्रत्येक कर्मचारी का वेतन 35 प्रतिशत तक बढ़ गया है। अजय कुमार ने कहा कि यात्री सुविधाएं प्रदान करने में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। 760 नई बसें पहले ही खरीदी जा चुकी हैं और जल्द ही हैदराबाद सीमा में यात्रियों के लिए गैर-एसी इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर बोलते हुए, सज्जनार ने कहा कि लोगों के भरपूर समर्थन के कारण, आरटीसी धीरे-धीरे अपने राजस्व में सुधार करने में सक्षम रही है। आरटीसी भी अधिभोग अनुपात को 75 प्रतिशत तक बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रही है। हम नागरिकों की प्रतिक्रिया के आधार पर नए कार्यक्रम और ऑफ़र पेश कर रहे हैं। सज्जनार ने कहा, आय बढ़ाने के लिए टिकट दरों में संशोधन के अलावा, हम गैर-टिकट आय पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

महिला ने चार साल की बेटी के साथ मंजीरा नदी में डूबकर जान दे दी

संगारेड्डी, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रायकोड मंडल के सिरुरु गांव में एक महिला ने कथित तौर पर अपनी चार साल की बेटी को मंजीरा नदी में फेंक दिया और खुद भी पानी में कूद गई। पुलिस के अनुसार, रायकोड मंडल के चेर्ला नागनपल्ली की विजया (32) और उसकी बेटी गौरी के शव मंगलवार को बरामद किए गए और शव परीक्षण के लिए जहीराबाद सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिए गए। उनके जीवन समाप्त करने के फैसले के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

सीएम केसीआर कुछ महीनों में केएमटीपी का उद्घाटन करेंगे : केटीआर

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव कुछ महीनों में वरंगल में काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क (केएमटीपी) का उद्घाटन करेंगे। कपड़ा और हथकरघा मंत्री केटी रामाराव ने मंगलवार को यहां ट्विटर पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि कपड़ा पार्क वारंगल में 1,350 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है और इसे भारत का सबसे बड़ा कपड़ा पार्क माना जाता है। उन्होंने कहा कि केआईटीईएक्स इकाइयां उद्घाटन के लिए तैयारी कर रही हैं और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। केटीआर ने ट्वीट किया कि 1350 एकड़ में फैला काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क, वारंगल भारत का सबसे बड़ा टेक्सटाइल पार्क है। केआईटीईएक्स इकाइयां कुछ महीनों में माननीय सीएम केसीआर गारू द्वारा उद्घाटन के लिए तैयार हो रही हैं।

अधिकारियों के अनुसार, केएमटीपी 20,000 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करेगा, जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं और यह उद्योग को एक बड़ा बढ़ावा देगा और आने वाले दिनों में वारंगल को देश में एक प्रमुख कपड़ा विनिर्माण केंद्र में बदल देगा।

नाबालिग लड़की को परेशान करने का मामला

पांच नाबालिगों सहित छह पर पोस्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज

करीमनगर, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर टाउन-I पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को परेशान करने के आरोप में पांच नाबालिगों सहित छह लोगों के खिलाफ पोस्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, 10वीं कक्षा की एक लड़की अपने इलाके के एक इंटरमीडिएट छात्र से प्यार करती थी। एक साल पहले लड़के के दो दोस्तों ने उसकी अंतरंग तस्वीरें और वीडियो ले लीं और उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने कहा कि दोनों ने उसके प्रेम संबंध के बारे में उसके माता-पिता को बताने की धमकी देकर कई बार अपनी यौन इच्छाएं पूरी कीं। इस बात की जानकारी होने पर तीन अन्य लड़कों ने भी लड़की को ब्लैकमेल करने की कोशिश की। अब उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं कर पाने पर लड़की ने अपने माता-पिता को सूचित किया और सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसके प्रेमी सहित छह लोगों के खिलाफ पोस्को अधिनियम, बलात्कार और उत्पीड़न की धारा के तहत मामला दर्ज किया। छह लोगों में से पांच इंटरमीडिएट के छात्र थे जबकि छठा पॉलिटेक्निक का छात्र था।

पूर्व राज्यसभा सांसद सोलीपेटा रामचंद्र रेड्डी का निधन

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यसभा सदस्य सोलीपेटा रामचंद्र रेड्डी (92) का मंगलवार को यहां उनके आवास पर निधन हो गया। रामचन्द्र रेड्डी पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। सिद्दीपेट जिले के दुब्बाका मंडल के चित्तपुर गांव में जन्मे, रामचंद्र रेड्डी ने तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष में सक्रिय रूप से काम किया। बाद में, वह राजनीति में शामिल हो गए और ग्राम सरपंच, दुब्बाका समिति के अध्यक्ष, सिद्दीपेट कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष और डोम्माटा विधानसभा क्षेत्र (जिसे बाद में दुब्बाका निर्वाचन क्षेत्र के रूप में बदल दिया गया) के विधायक सहित विभिन्न पदों पर रहकर लोगों की सेवा की।

अपने राजनीतिक करियर के शुरुआती दिनों में वह कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े थे। बाद में, रामचन्द्र रेड्डी ने कांग्रेस और तेलुगु देशम दोनों पार्टियों के साथ काम किया। रामचंद्र रेड्डी ने तेलुगु देशम पार्टी के राज्य सचिव और संसदीय दल के राज्यसभा फ्लोर नेता और कई अन्य पदों पर भी काम किया।

इस बीच, मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव, विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, मंत्री निरंजन रेड्डी, इंद्रकरण रेड्डी, एर्राबेल्ली दयाकर राव, श्रीनिवास गौड़ और वेमुला प्रशांत रेड्डी और अन्य नेताओं ने रामचंद्र रेड्डी की मौत पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

लड़कियों को आत्मरक्षा के लिए सशक्त बनाने की पहल, 'ऑपरेशन ज्वाला' शुरू

राजन्ना-सिरसिला, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। छेड़छाड़, हमले, यौन उत्पीड़न, चेन स्नैचिंग और महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराधों की बढ़ती घटनाओं के जवाब में, जिला पुलिस ने छात्राओं के बीच आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल शुरू की है।

'ऑपरेशन ज्वाला' नाम का यह कार्यक्रम जिले भर के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों को आत्मरक्षा तकनीक सिखाने पर केंद्रित है। अगले तीन महीनों में, पेशेवर प्रशिक्षक 113 सरकारी उच्च विद्यालयों के छात्रों को ये आवश्यक कौशल प्रदान करेंगे।

प्रारंभ में, दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सिरसिला और वेमुलावाड़ा क्षेत्रों में स्थित पांच स्कूलों में शुरू होगा। ऑपरेशन ज्वाला के मास्टरमाइंड, पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने मंगलवार को सिरसिला शहर के गीतानगर जिला परिषद हाई स्कूल में आधिकारिक तौर पर इस पहल की शुरुआत की।

सभा को संबोधित करते हुए एसपी महाजन ने आज के समय में विशेषकर महिलाओं के लिए आत्म-सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लड़कियों को आत्मरक्षा तकनीकों से सशक्त बनाने से वे आपात स्थिति के दौरान साहसपूर्वक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगी।

इन आत्मरक्षा तकनीकों का उद्देश्य महिलाओं को यौन हमलों, चेन स्नैचिंग की घटनाओं और छेड़छाड़ करने वालों से खुद को बचाने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए तेलंगाना पुलिस की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, एसपी महाजन ने उल्लेख किया कि समर्पित शी टीमें उत्पीड़न को रोकने के लिए बस स्टैंड और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में गुप्त रूप से काम कर रही थीं। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं से उत्पीड़न का अनुभव होने पर तुरंत शी टीम को सूचित करने या बिना किसी हिचकिचाहट के 100 नंबर डायल करने का आग्रह किया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी रमेश कुमार ने निपुण महिलाओं के सामने बार-बार आने वाली समस्याओं पर चिंता व्यक्त की और इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं की सुरक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान महिलाओं को सशक्त बनाने में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के महत्व को पहचानते हुए, डीईओ कुमार ने छात्राओं को पुलिस विभाग द्वारा चल रहे आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस अत्यंत आवश्यक आत्मरक्षा कार्यक्रम को शुरू करने के लिए पुलिस विभाग की सराहना की। कार्यक्रम में स्कूल की हेडमास्टर भाग्यरेखा, सीआई अनिल कुमार और उपेन्द्र, जीसीडीओ पद्मजा और अन्य उल्लेखनीय व्यक्ति उपस्थित थे।

सीमा शुल्क विभाग ने 295 करोड़ रुपये मूल्य के नशीली पदार्थों को नष्ट किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नशीली पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'से नो टू ड्रग्स' अभियान के हिस्से के रूप में हैदराबाद सीमा शुल्क अधिकारियों ने विभिन्न नशीली दवाओं और मनोदैहिक पदार्थों को नष्ट कर दिया। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और हैदराबाद सीमा शुल्क द्वारा जब्त की गई लगभग 8,946 किलोग्राम वजन वाली दवाओं को नष्ट कर दिया गया।

दवाओं में कैनबिस -2655 किलोग्राम, हेरोइन -11 किलोग्राम, अल्प्राजोलम -409.39 किलोग्राम और एफेड्रिन हाइड्रोक्लोराइड और संबंधित सामग्री 142.932 किलोग्राम, केटामाइन हाइड्रोक्लोराइड-74.92 किलोग्राम, मेफेड्रोन - 2 किलोग्राम, मेथाक्लिोन - 53 किलोग्राम और 5595.14 किलोग्राम रसायन शामिल थे।

जब्त की गई हेरोइन का वजन 11 किलोग्राम है, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपये है। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, हैदराबाद पर मलावी, तंजानिया और अंगोला के विदेशी नागरिकों से अप्रैल और मई 2022 के दौरान 77.0 करोड़ रुपये जब्त किए गए।

किसान एकजुट हों तो कुछ भी असंभव नहीं : केसीआर

मुख्यमंत्री ने सरकोली में जनसभा को संबोधित किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को कहा कि बीआरएस देश को बदलने का मिशन है। यह सिर्फ तेलंगाना की पार्टी नहीं है, देश भर की पार्टी है। देश में किसान और कामगार मिलकर साठ प्रतिशत हैं। ये एकजुट हो जाएं तो कुछ भी संभव है। बीआरएस किसी की टीम नहीं है। बीआरएस किसानों, पिछड़ों, दलितों अल्पसंख्यकों की टीम है। देश में सत्तर करोड़ किसान हैं । फिर हमें किसी की टीम बनने की जरूरत नहीं है। भारत का परिवर्तन ही भारत की समस्याओं का समाधान है।

महाराष्ट्र के सरकोली में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि वोट में बहुत ताकत है। अगर हमारे वोट बंटे नहीं तो सभी काम बन जाएंगे। पूरे देश में बीआरएस इकलौती पार्टी है जिसने नारा दिया है-अबकी बार किसान सरकार।

महाराष्ट्र बहुत बड़ा राज्य है, स्थिर राज्य है, धनवान राज्य है। यहां विकास योजनाएं लागू हो सकती है। कई लोग भ्रम फैला रहे हैं कि तेलंगाना जैसी नीति लागू होने से राज्य का दिवाला निकलेगा। ऐसा कुछ नहीं होगा। यहां नेताओं का दिवाला निकल सकता है लेकिन किसानों की दीवाली हो जाएगी। महाराष्ट्र के कई राजनीतिक दल बीआरएस से असहज हो रहे हैं। बीआरएस के लिए इतना आक्रोश क्यों है? महाराष्ट्र में कांग्रेस का लंबा शासन रहा। यहां के लोगों ने भाजपा, एनसीपी और शिवसेना को भी मौका दिया। लेकिन आज भी यहां बिजली और पीने के पानी की समस्या है।

पूरे भारत में 41 करोड़ एकड़ कृषि योग्य भूमि है। हर एकड़ भूमि को पर्याप्त पानी दिया जा सकता है। भरपूर पीने का पानी दिया जा सकता है। वर्तमान राष्ट्रीय जल नीति को बंगाल की खाड़ी में फेंकना होगा। देश में नई जल नीति बनानी होगीरी केसीआर ने बिजली के निजीकरण नीति पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में डेढ सौ वर्ष तक बिजली आपूर्ति के लिए पर्याप्त कोयला है। सोलर बिजली भी है । फिर विदेश से कोयला आयात करने की जरूरत क्या है? केसीआर ने कहा कि देश को आजाद हुए पचहत्तर साल गुजर गए। दुनिया के कई देश जापान, कोरिया, सिंगापुर ने काफी विकास किया है। चीन गरीब था लेकिन अब भारत से काफी आगे निकल चुका है। आज हमारे देश का लक्ष्य क्या है, इसपर सोचने की जरूरत है। हर भारतीय को इसपर सोचना होगा। एक और आजादी का जंग लड़ना चाहिए। केसीआर ने कहा कि तेलंगाना में विकलांगों को तीन हजार रूपए मासिक पेंशन दिया जाता है जिसे अब बढाकर चार हजार रूपए किया गया है।

केन्द्र सरकार किसानों को छह हजार रूपए तीन किस्तों में देती है, तेलंगाना सरकार प्रत्येक किसान को दस हजार रूपए प्रति एकड़ देती है। तेलंगाना सरकार ने भूमि रिकार्ड का डिजीटलीकरण किया है। मैं किसान हूं, इसलिए किसान की समस्या समझ सकता हूं।

केन्द्र सरकार ने डिजिटल इंडिया की घोषणा की है तो इसे महाराष्ट्र में लागू क्यों नहीं किया है? केन्द्र सरकार ने मेक इन इंडिया लागू किया तो हर जगह चीन के बने सामान क्यों बिक रहे हैं? भारत का परिवर्तन होने से भारत की समस्याओं का समाधान हो सकेगा।इससे पहले बीआरएस प्रमुख और तेलंगाना के जन प्रतिनिधियों ने पारंपरिक तरीके से पंडरीपुरम में पूजा-अर्चना की।

सहकारी बैंक में चोरी का प्रयास

कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने सोमवार रात तिरयानी मंडल केंद्र में एक सहकारी बैंक के लॉकर से नकदी चोरी करने का प्रयास किया। तिरयानी पुलिस ने कहा कि बदमाश बैंक में घुस गए और फिर लॉकर में रखी नकदी चुराने की कोशिश की। लेकिन, वे अपनी कोशिश में सफल नहीं हो सके. उन्होंने अपनी गतिविधियों की रिकॉर्डिंग को रोकने के लिए सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के तारों को भी काट दिया। क्लूज टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं और अपराधियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। बैंक अधिकारियों ने कहा कि लॉकर से कोई नकदी गायब नहीं है।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

Bharat Petroleum energising lives

नियमित/ग्रामीण रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पम्प) डीलरशिप की नियुक्ति के लिए सूचना

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, तेलंगाना राज्य के विभिन्न स्थानों पर रिटेल आउटलेट डीलरों को नियुक्त करना चाहती है।

विस्तृत विज्ञापन तथा विवरणिका वेबसाइट **www.petrolpumpdealerchayan.in** पर उपलब्ध है।

अप्रतिदेय आवेदन शुल्क, यथा लागू, के ऑन-लाइन भुगतान के साथ आरओ डीलरशिप के लिए आवेदन **दिनांक 27.09.2023** तक ऑन-लाइन जमा किए जाने चाहिए।

ऊपर उल्लेखित अंतिम तारीख के तुरंत बाद ऑन-लाइन आवेदन जमा करने की सुविधा वापस ले ली जाएगी।

आवेदकों को, अपने हित में, आवेदन जमा करने से पहले विवरणिका को सावधानीपूर्वक पढ़ लेना चाहिए तथा चयन की शर्तों को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए।

कॉर्पोरेशन के पास बिना कोई कारण बताए अपनी विवेक पर इस विज्ञापन को रद्द/वापस/संशोधित करने अथवा नियत तारीख को आगे बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित है।

अंग्रेजी समाचार पत्र की तुलना में हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं के दैनिक समाचारपत्रों में प्रकाशित विज्ञापन में किसी भी तरह विसंगति पाई जाने पर अंग्रेजी समाचार पत्र में उल्लेखित निर्देशावलियां/जानकारी लागू होगी।

शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, सिर्फ वेबसाइट www.petrolpumpdealerchayan.in पर प्रकाशित किए जाएंगे।

विवरणिका खरीदने तथा विज्ञापन के संबंध में कोई जानकारी के लिए उम्मीदवार नीचे उल्लेखित पते पर सम्पर्क कर सकते हैं:-

क्षेत्र	आने वाले जिले	पता	सम्पर्क नं.
हैदराबाद	हैदराबाद, रंगारेड्डी मेडचल मलकजगिरी विकाराबाद, महाबूबनगर वनापार्थी नगरकुरनूल जोगुलाम्बा गडवाल नारायणपेट	प्रादेशिक समन्वयक (रिटेल) भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड डाकघरः एचसीएल, डाकघर बैग नं. 4 चेरलापल्ली, हैदराबाद-500051 तेलंगाना	श्री कार्तिक मलाइअप्पन 9894756141 श्री प्रीतम सेन गुप्ता 9073370039
वारंगल	हनुमाकोंडा, वारंगल जयशंकर भुपालपल्ली जनगाँव, महबूबाबाद भद्राद्री कोठागुडेम यदाद्री भुवनगिरी, नलगोंडा सूर्यापेट, खाम्मम, मुलुगु	प्रादेशिक समन्वयक (रिटेल) भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड वारंगल डिपो, गुड्स शेड रोड वारांगल-506002 तेलंगाना	श्री सागर जे टौडांकर 9481322932/ 7676846188 श्री एम. किशन 9995765139
निजामाबाद	निजामाबाद कामारेड्डी, राजन्ना सिरसिला जगित्याल, निर्मल, अदिलाबाद कोमाराम भीम आसिफाबाद मंचेरियल, पेद्दापल्ली करीमनगर सिद्दीपेट, मेदक, संगारेड्डी	प्रादेशिक समन्वयक (रिटेल) भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड 6-135/1 एवं 2, पहली मंजिल, जी.एन. कॉमप्लेक्स आर्य नगर, हैदराबाद रोड निजामाबाद-503230 तेलंगाना	श्री जीतिन जार्ज 9946110162 / 7603890775 श्री बी. नागाराजू 9951410011

Energising Lives, Energising Naya Bharat

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.